



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 30।
No. 30।

नई दिल्ली, जुलाई 18—जुलाई 24, 2010, शनिवार/आषाढ़ 27—श्रावण 2, 1932
NEW DELHI, JULY 18—JULY 24, 2010, SATURDAY/ASADHA 27—SHRAVANA 2, 1932

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1793.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार, गृह (पुलिस) अनुभाग-II, लखनऊ की सहमति से अधिसूचना सं. 1690/6-पी-II/2010-362 एम./2010 दिनांक 22 मई, 2010 के तहत आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का अधिनियम सं. 10) की धारा 3/7 एवं भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 की एक्ट सं. 45) की धारा 407 के अंतर्गत मामला अपराध सं. 182/10, 183/10 एवं 184/10 तथा भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की (1860 की एक्ट सं. 45) की धारा 457 एवं 380 के अंतर्गत मामला अपराध सं. 185/10, जोकि अलीनगर पुलिस स्टेशन, जिला चन्दौली (उत्तर प्रदेश) में पंजीकृत हैं और उक्त अपराधों अथवा इस संव्यवहार के दौरान किए गए तथा इसी तरह के तथ्य से उभरने वाले अन्य अपराध/

अपराधों से संबंधित अथवा इससे जुड़े हुए प्रयासों, दुश्प्रेरणों एवं षडयन्त्रों की जांच करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों एवं उनके क्षेत्राधिकार का समूचे उत्तर प्रदेश में विस्तार करती है।

[सं. 228/46/2010-एवीडी-II]

मुकेश चतुर्वेदी, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSIONS
(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 14th July, 2010.

S.O. 1793.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Uttar Pradesh, Home (Police) Section-II, Lucknow vide Notification No. 1690/6-P-II/2010-362M/2010 dated 22nd May, 2010, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Uttar Pradesh

for investigation of Case Crime Nos. 182/10, 183/10 and 184/10 under sections 3/7 of the Essential Commodities Act, 1955 (Act No. 10 of 1955) and section 407 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and Case Crime No. 185/10 under sections 457 and 380 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) all registered at Police Station Alinagar, District Chandauli (Uttar Pradesh) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the above mentioned offences and any other offence/offences committed in course of the same transaction or arising out of the same facts.

[No. 228/46/2010-AVD-II]

MUKESH CHATURVEDI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1794.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अपराध प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चारा घोटाला केस यथा आरसी 20(ए)/96-पीएटी, आरसी 47(ए)/96-पीएटी और आरसी 68(ए)/96-पीएटी और अन्य मामले, विशेष न्यायाधीश की अदालत में एसीबी रांची के अपीलीय न्यायालय में लंबित दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा स्थापित मामलों के संबंध में झारखंड राज्य, रांची में अथवा विधि द्वारा स्थापित पुनरीक्षण अथवा अन्य मामलों के अपील, पुनरीक्षण का संचालन करने के लिए श्री बी.एम.पी. सिंह, अधिवक्ता को विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/25/2009-एवीडी-II]

मुकेश चतुर्वेदी, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O. 1794.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri B.M.P. Singh, advocate as Special Public Prosecutor for conducting prosecution of Fodder Scam Cases viz. RC. 20(A)/96-PAT, RC. 47(A)/96-PAT and also other cases pertaining to ACB/Ranchi pending trial in the court of Special Judge, Ranchi instituted by Delhi Special Police Establishment in the State of Jharkhand at Ranchi and appeals, revisions or other matters connected therewith or incidental thereto in the appellate/revision or any other court.

[No. 225/25/2009-AVD-II]

MUKESH CHATURVEDI, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 2010

का.आ. 1795.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पटना उच्च न्यायालय, पटना, बिहार में आर.सी. 4(एस)/99/एस.आई.सी.-IV/

नई दिल्ली/सीबीआई (बुज बिहारी प्रसाद की हत्या का मामला, पूर्व मंत्री), तथा अपीलों, पुनरीक्षणों या उक्त वाद से उद्भूत अन्य मामलों का पुनरीक्षण या विधि द्वारा स्थापित संचालन करने के लिए श्री तेजिन्दर सिंह दोआबिया वरिष्ठ अधिवक्ता, भारतीय उच्चतम न्यायालय को स्पेशल कौन्सिल के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/13/2010-एवीडी-II]

मुकेश चतुर्वेदी, अवर सचिव

New Delhi, the 16th July, 2010

S.O. 1795.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri T. S. Doabia, Senior Advocate, Supreme Court of India as Special Counsel for conducting case No. RC. 4(S)/99/SIC. IV/ND (Brij Bihari Murder case) in Patna High Court in all appeals/revisions at Patna and any other matter conferred therewith or incidental thereto.

[No. 225/13/2010-AVD-II]

MUKESH CHATURVEDI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2010

का.आ. 1796.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अपराध प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नैनीताल में उत्तराखंड उच्च न्यायालय में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा अन्वेषण किए जा रहे मामलों में अभियोजन, अपील, पुनरीक्षण या मामलों से उद्भूत अन्य प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए सर्वश्री अरविन्द वशिष्ठ तथा विवेक शुक्ला, एडवोकेट्स को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/39/2009-एवीडी-II]

मुकेश चतुर्वेदी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th July, 2010

S.O. 1796.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints S/Shri Arvind Vashist and Vivek Shukla, Advocates as Special Public Prosecutor of the Central Bureau of Investigation in the Uttarakhand at Nainital for conducting prosecution, appeals, revisions or other matters arising out of the cases investigated by the Delhi Special Police Establishment.

[No. 225/39/2009-AVD-II]

MUKESH CHATURVEDI, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का. आ. 1797.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खंड 3 के उप-खंड (1) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम,

1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3(ज) और 3(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, मुहम्मद अखरुज्जमान (जन्म तिथि : 24-11-1964) को अधिसूचना की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, यूको बैंक के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा. सं. 9/46/2009-बीओ-1]

सुमिता डावरा, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Financial Services)

New Delhi, the 14th July, 2010

S.O. 1797.—In exercise of the powers conferred by sub-section 3(h) and (3-A) of Section 9 of The Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of The Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government hereby nominates Md. Akhruzzaman (DoB : 24-11-1964) as part-time non-official director on the Board of Directors of UCO Bank for a period of three years from the date of notification or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/46/2009-BO-I]

SUMITA DAWRA, Director

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1798.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खंड 9(2) के उप-खंड (ख) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3(छ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्द्वारा, श्री राजेश एम. चतुर्वेदी (जन्म तिथि : 18-04-1959) को सनदी लेखाकार श्रेणी के अंतर्गत अधिसूचना की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए और/अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, इलाहाबाद बैंक के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा. सं. 9/52/2009-बीओ-1]

सुमिता डावरा, निदेशक

New Delhi, the 14th July, 2010

S.O. 1798.—In exercise of the powers conferred by sub-section 3(g) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (b) of clause 9(2) of the Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government, after consultation with Reserve Bank of India, hereby nominates Shri Rajesh M. Chaturvedi (DoB : 18-04-1959), as part-time non-official

director under Chartered Accountant category, on the Board of Directors of Allahabad Bank for a period of three years from the date of notification and/or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/52/2009-BO-I]

SUMITA DAWRA, Director

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2010

का. आ. 1799.—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा, श्री अनूप प्रकाश गर्ग को अधिसूचना की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, भारतीय जीवन बीमा निगम के निदेशक मण्डल में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए-15011/1/2007-बीमा-III]

ललित कुमार, निदेशक, (बीमा)

New Delhi, the 19th July, 2010

S.O. 1799.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri Anup Prakash Garg as Non-Official Member on the Board of the Life Insurance Corporation of India for a period of three years from the date of Notification or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. A-15011/1/2007-Ins.-III]

LALIT KUMAR, Director (Insurance)

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

(आयकर)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का. आ. 1800.—जबकि केन्द्र सरकार ने आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) [जिसे बाद में उक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित किया गया] की धारा 80झक की उप-धारा (4) के खंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) की अधिसूचना संख्या का.आ. 51(अ), दिनांक 8 जनवरी, 2008 के तहत औद्योगिक पार्क के लिए स्कीम निर्मित एवं अधिसूचित किया है;

और जबकि मैसर्स इनफिनिटी इंफोटेक पार्क लिमिटेड, जिसका पंजीकृत पता इनफिनिटी, प्लॉट ए-3, ब्लाक-जीपी, सेक्टर V, साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिक्स काम्प्लेक्स, कोलकाता-700091 में है, ने प्लॉट सं. जी-1, ब्लाक जीपी, सेक्टर V, साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिक्स काम्प्लेक्स, कोलकाता-700091 में एक औद्योगिक पार्क विकसित किया है;

अतः अब आयकर नियमावली, 1962 के नियम 18ग के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 80झक की उप-धारा (4) के खंड

(iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और औद्योगिक पार्क स्कीम, 2008 के उपबंधों के अधीन केन्द्र सरकार एतद्वारा मैसर्स इनफिनिटी इंफोटेक पार्क लिमिटेड, कोलकाता को एक उपक्रम तथा प्लॉट सं. जी-1, ब्लॉक जीपी, सेक्टर V, साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, कोलकाता-700091 जिसे उक्त उपक्रम द्वारा विकसित तथा अनुरक्षित एवं प्रचालित किया जा रहा है, के रूप में उक्त खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

2. उपर्युक्त औद्योगिक पार्क के शुरू होने की तिथि 28 मार्च, 2008 है।

3. अधिसूचना अवैध हो जाएगी तथा मैसर्स इनफिनिटी इंफोटेक पार्क लिमिटेड, ऐसी अवैधता की किन्हीं प्रतिक्रियाओं के लिए मात्र जिम्मेदार होगी, यदि—

- (1) आवेदन तथा इसके द्वारा प्रस्तुत परवर्ती दस्तावेज जिनके आधार पर केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचना जारी की जाती है, में गलत सूचना/झूठी जानकारी होगी अथवा कुछ वस्तुगत सूचना इसमें नहीं दी गई होगी;
- (2) यह औद्योगिक पार्क की अवस्थिति के लिए है जिसके हेतु एक अन्य उपक्रम के नाम से अधिसूचना पहले ही जारी कर दी गई है।

4. केन्द्र सरकार के अनुमोदन के बिना परियोजना प्लान में किसी संशोधन अथवा भविष्य में संसूचन अथवा आवेदक द्वारा किसी वस्तुगत तथ्य को उजागर न करने पर औद्योगिक पार्क का अनुमोदन अवैध हो जाएगा।

[अधिसूचना सं. 54/2010/फा.सं. 178/30/2009-आकानि-1]

पदम सिंह, अवर सचिव

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

(INCOME-TAX)

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O. 1800.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (iii) of sub-section (4) of Section 80-IA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), has framed and notified a scheme for industrial park, vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue, Central Board of Direct Taxes) number S.O. 51 (E), dated the 8th January, 2008;

And whereas M/s. Infinity Infotech Parks Limited, having its registered address at Infinity, Plot A-3, Block-GP, Sector-V, Salt Lake Electronics Complex, Kolkata-700091, has developed an Industrial Park at Plot No. G-1, Block-GP, Sector V, Salt Lake Electronics Complex, Kolkata-700091;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (iii) of sub-section (4) of Section 80-IA of the

said Act read with rule 18C of the Income Tax Rules, 1962, and subject to the provisions of Industrial Park Scheme, 2008, the Central Government hereby notifies M/s. Infinity Infotech Parks Limited, Kolkata as an undertaking and the project at Plot No. G-1, Block-GP, Sector V, Salt Lake Electronics Complex, Kolkata-700091, being developed and maintained and operated by the said undertaking, as an industrial park for the purposes of the said clause.

2. The date of commencement of the aforesaid Industrial Park is 28th March, 2008.

3. The notification will be invalid and M/s. Infinity Infotech Parks Limited shall be solely responsible for any repercussions of such invalidity, if—

- (i) the application and subsequent documents furnished by it, on the basis of which the notification is issued by the Central Government contains wrong information/misinformation or some material information has not been provided in it;
- (ii) it is for the location of the industrial park for which notification has already been issued in the name of another undertaking.

4. Any amendment of the project plan without the approval of the Central Government or detection in future, or failure on the part of the applicant to disclose any material fact, will invalidate the approval of the industrial park.

[Notification No.54/2010/F. No.178/30/2009-ITA-I]

PADAM SINGH, Under Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th July, 2010

S.O. 1801.—In respect of the Notification Number 28/2010 dated 22-4-2010 issued in the case of Institute of Bioinformatics, Bangalore following corrigendum is hereby issued :

The word mentioned in sub- paragraph (i) as research in social sciences may be read as scientific research.

The words mentioned in sub-paragraph (ii) research in social science or statistical research may be read as scientific research.

The words mentioned in sub-paragraph (iv) as research in social sciences may be read as scientific research.

The words mentioned in paragraph 2 sub-paragraph (c) research in social sciences or statistical research may be read as scientific research.

The word and figure mentioned in paragraph 2 sub-paragraph (e) as clause (iii) may be read as clause (ii)

Other terms and condition of the said Notification remain unchanged.

[F. No. 203/85/2009-ITA (II)]

AJAY GOYAL Director (ITA II)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2010

का. आ. 1802.—दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-1 में निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात् :—

2. देवी आहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर द्वारा प्रदत्त दन्त चिकित्सा डिग्रियों की मान्यता के संबंध में दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-1 में माडर्न डेंटल कालेज एवं अनुसंधान केन्द्र, इन्दौर के बारे में क्रम संख्या 26 के II के सामने स्तंभ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी :—

“दन्त शल्य चिकित्सा निष्णात

- | | |
|---|--|
| (i) प्रोस्थोडॉटिक्स (यदि यह 22-08-2009 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एमडीएस (प्रोस्थो.) देवी आहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर |
| (ii) कन्जरवेटिव दन्त चिकित्सा (यदि यह 21-08-2009 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एमडीएस कन्ज. दन्त चिकित्सा देवी आहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर |
| (iii) ओरल मेडिसिन (यदि यह 22-08-2009 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एमडीएस (ओरल मेडि.) देवी आहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर |
| (iv) पेरियोडॉटिक्स (यदि यह 27-08-2009 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एमडीएस (पेरियो.) देवी आहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर |
| (v) मुख शल्य चिकित्सा (यदि यह 27-08-2009 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एमडीएस (मुख शल्य चिकित्सा) देवी आहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर |

- | | |
|---|--|
| (vi) आर्थोडॉटिक्स (यदि यह 25-08-2009 को अथवा उसके बाद प्रदान की गई हो) | एमडीएस (आर्थो.) देवी आहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर |
|---|--|

[फा.सं. वी. 12017/13/2005-डीई]

आर. शंकरन, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 26th March, 2010

S.O. 1802.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against II of Serial No. 26, in respect of Modern Dental College & Research Centre, Indore, in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degrees awarded by Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore, the following entries shall be inserted thereunder :—

“Master of Dental Surgery

- | | |
|---|---|
| (i) Prosthodontics (if granted on or after 22-08-2009) | MDS (Prosthodontics), Devi Ahilya Vishwa- vidyalaya, Indore |
| (ii) Conservative Dentistry (if granted on or after 21-08-2009) | MDS (Cons. Dent), Devi Ahilya Vishwa- vidyalaya, Indore |
| (iii) Oral Medicine (if granted on or after 22-08-2009) | MDS (Oral Medicine), Devi Ahilya Vishwa- vidyalaya, Indore |
| (iv) Periodontics (if granted on or after 27-08-2009) | MDS (Perio.), Devi Ahilya Vishwa- vidyalaya, Indore |
| (v) Oral Surgery (if granted on or after 27-08-2009) | MDS (Oral Surgery), Devi Ahilya Vishwa- vidyalaya, Indore |
| (vi) Orthodontics (if granted on or after 25-08-2009) | MDS (Ortho.), Devi Ahilya Vishwa- vidyalaya, Indore” |

[F. No. V. 12017/13/2005-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 जून, 2010

का. आ. 1803.— केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) के खण्ड 10 के उप-खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दंत परिषद् के परामर्श के बाद उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :-

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I क्रम संख्या 86 के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां शामिल की जाएं अर्थात् :-

| | | |
|--|--|---|
| "87. पंडित रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, रायपुर | रूंगटा दंत विज्ञान एवं अनुसंधान महाविद्यालय, भिलाई, छत्तीसगढ़ दंत शल्यक्रिया में स्नातक (यदि 27-10-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | बीडीएस, पंडित रवि शंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, रायपुर" |
|--|--|---|

[फा. सं. वी. 12017/28/2004-डीई]

आर. शंकरन, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd June, 2010

S. O. 1803.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) after Serial No. 86, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

| | | |
|--|---|---|
| "87. Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur | Rungta College of Dental Sciences & Research, Bhilai, Chhattisgarh Bachelor of Dental Surgery (if granted on or after 27-10-2009) | BDS, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur" |
|--|---|---|

[F. No. V. 12017/28/2004-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1804.— केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) के खण्ड (10) के उप-खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दंत परिषद् से परामर्श के बाद उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :-

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I क्रम संख्या 88 के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां शामिल की जाएं अर्थात् :-

| | |
|---|---|
| "89. सुमनदीप विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, बड़ोदरा | के.एम. शाह दंत महाविद्यालय एवं अस्पताल, बड़ोदरा |
|---|---|

दंत शल्यक्रिया में परा स्नातक

-पीडोडोन्टीस-

(यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)

-ओरल पैथोलॉजी

एमडीएस (पेडो.), सुमनदीप

विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, बड़ोदरा

एमडीएस (ओरल पैथो.), सुमनदीप

| | |
|---|--------------------------------|
| (यदि 23-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |
| -प्रोस्थोडान्टिस | एमडीएस (प्रोस्थो.), |
| सुमनदीप | |
| (यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |
| -पेरियोडान्टिस | एमडीएस (पेरियो.), सुमनदीप |
| (यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |
| -आर्थ्रोडोन्टीस | एमडीएस (आर्थ्रो.), सुमनदीप |
| (यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |
| कम्युनिटी डेंटिस्ट्री | एमडीएस (कॉम. डे.), सुमनदीप |
| (यदि 22-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |
| -ओरल मेडिसिन | एमडीएस (ओरल मेडि.), सुमनदीप |
| (यदि 23-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |
| -ओरल मेडिसिन | एमडीएस (ओरल मेडि.), सुमनदीप |
| (यदि 23-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |
| -ओरल एंड मैक्सिल्लोफेसियल सर्जरी | एमडीएस (ओरल सर्जरी), सुमनदीप |
| (यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |
| -कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री | एमडीएस (कान्स. डेंट.), सुमनदीप |
| (यदि 23-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत) | विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा |

[फाइल संख्या बी. 12017/21/2005-डीई]

आर. शंकरन, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 2010

S. O. 1804.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) after Serial No. 88, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

“89. Sumandeep K. M. Shah Dental College &
Vidyapeeth Hospital, Vadodara
University, Vadodara

Master of Dental Surgery

-Pedodontics
(if granted on or after 24-12-2009)

MDS (Pedo.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

Oral Pathology
(if granted on or after 23-12-2009)

MDS (Oral Path.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

Prosthodontics
(if granted on or after 24-12-2009)

MDS (Prosth.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

Periodontics
(if granted on or after 24-12-2009)

MDS (Perio.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

Orthodontics
(if granted on or after 24-12-2009)

MDS (Ortho.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

Community Dentistry
(if granted on or after 22-12-2009)

MDS (Com. Dent.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

Oral Medicine
(if granted on or after 23-12-2009)

Oral & Maxillofacial Surgery
(if granted on or after 24-12-2009)

Conservative Dentistry
(if granted on or after 23-12-2009)

MDS (Oral Med.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

MDS (Oral Surgery.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

MDS (Cons. Dent.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

[F. No. V. 12017/21/2005-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जून, 2010

का. आ. 1805.— केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) के खण्ड 10 के उप-खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दंत परिषद् के परामर्श के बाद उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :—

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I क्रम संख्या 87 के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या एवं प्रविष्टियां शामिल की जाएं अर्थात् :—

“88. जीवाजी महाराणा प्रताप दंत चिकित्सा एवं
युनिवर्सिटी, ग्वालियर अनुसंधान केन्द्र, ग्वालियर
दंत शल्यक्रिया में स्नातक
(यदि 8-9-2007 को या उसके बाद
स्वीकृत)

बीडीएस, जीवाजी
यूनिवर्सिटी, ग्वालियर”

[फा. सं. वी. 12017/32/2002-डीई]

आर. शंकरन, अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 2010

S. O. 1805.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) after Serial No. 87, the following Serial number and entries shall be inserted, namely :—

“88. Jiwaji Maharana Pratap College of
University. Dentistry & Research Centre,
Gwalior Gwalior
Bachelor of Dental
Surgery
(if granted on or after
8-9-2007)

BDS, Jiwaji University, Gwalior”

[F. No. V. 12017/32/2002-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

(सीपीवी प्रभाग)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का. आ. 1806.—राजनयिक और कौंसलरी ऑफिसर (शपथ और फीस) के अधिनियम, 1948 की धारा 2 के खंड (क) के अनुसरण में, केंद्र सरकार एतद्वारा श्री शिवलाल मोना, सहायक को 5-7-2009 से भारत के राजदूतावास, दोहा में सहायक कौंसलर अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/2006]

आर.के. पेरिनडिया, अवर सचिव (कौंसलर)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(C. P. V. Division)

New Delhi, the 15th July, 2010

S. O. 1806.—In pursuance of the clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorise Shri Shiv Lal Meena, Assistant in the Embassy of India, Doha to perform the duties of Assistant Consular Officer with effect from 5th July, 2010.

This issues in supersession of our gazette notification of even number dated 5th July, 2010.

[No. T. 4330/1/2006]

R. K. PERINDIA, Under Secy. (Consular)

नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 2010

का. आ. 1807.— केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, नागर विमानन मंत्रालय के उपक्रम भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के कोलकाता स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा, कोलकाता-700 052 जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :

[सं. ई-11011/10/2010-रा.भा.]

चन्द्र भान नारनौली, निदेशक

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th July, 2010

S. O. 1807.—In pursuance of sub-rule(4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for the Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government, hereby notifies the Office of the Airport Authority of India, Netaji Subhash Chandra Bose International Airport, Kolkata-700 052 of an under taking of Ministry of Civil Aviation, whereof, more than 80% staff have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E-11011/10/2010-OL]

C. B. NARNAULI, Director

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 2010

का. आ. 1808.— केन्द्र सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, निम्नलिखित कार्यालयों, जिनके 80% से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है :—

1. वीएचईएल, क्षेत्रीय प्रचालन प्रभाग
सी-2, आर्आईसीयूपी भवन, प्रथम तल,
विभूति खंड, गोमती नगर, राखनऊ-226010
2. वीएचईएल, क्षेत्रीय प्रचालन प्रभाग
एससीओ-129-130, प्रथम तल,
फ्लैट-11 सी, एंडीएम-130012

सं. ई-11012/10/9-रा.भा.

चन्द्र भान नारनौली, निदेशक

MINISTRY OF HEAVY INDUSTRIES AND PUBLIC ENTERPRISES

(Department of Heavy Industry)

New Delhi, the 6th July, 2010

S. O. 1808.—In pursuance of the sub-rule (4) of the Rule 10 of Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government, hereby notifies the following offices whereof more than 80% staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. BHEL, Regional Operations Division,
B-2, PICUP Bhavan, First Floor,
Vibhuti Khand, Gomati Nagar, Lucknow-226 010
2. BHEL, Regional Operations Division,
SCO-129-130, First Floor,
Sector-17C, Chandigarh-160 017

[No. E-11012/2/2010-Hindi]

AMBUJ SHARMA, Jt. Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1809.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

| क्रम संख्या | स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक | नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष | स्थापित तिथि |
|-------------|--|---|--------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. | आईएस 15797 : 2008 छतों पर वर्षा जल संग्रहण—मार्गदर्शी सिद्धांत | — | 31-05-2008 |

इस भारतीय मानक की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : डब्ल्यू आर डी/जी-117]

जे. सी. अरोड़ा, वैज्ञ.-एफ एवं प्रमुख जल संसाधन विभाग

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O 1809.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which is given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :—

SCHEDULE

| Sl. No. | No. and Year of the Indian Standards Established | No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard | Date of Establishment |
|---------|--|---|-----------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. | IS 15797 : 2008 Roop Top Harvesting Rainwater Guidelines | — | 31-12-2008 |

Copy of the Standards is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref : WRD/G-117]

J. C. ARORA, Sc. F & Head Water Resorces Dept.

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1810.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसार में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

| क्रम संख्या | स्थापित भारतीय मानक की संख्या, वर्ष और शीर्षक | नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष | स्थापित तिथि |
|-------------|---|---|---------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. | IS 14452 : 2009/ISO 3758 : 2005 वस्त्रादि—प्रतीकों द्वारा केयर लेबल लगाने की संहिता-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण) | लागू नहीं | सितम्बर, 2009 |

अब यह भारतीय मानक बिक्री के लिये उपलब्ध होगा ।

इस भारतीय मानक की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पुणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : टीएक्सडी/जी-25]

पी. भटनागर, वैज्ञा. 'एफ' एवं प्रमुख (टीएक्सडी)

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1810.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which is given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :—

SCHEDULE

| Sl. No. | No. and year of the Indian Standards Established | No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard | Date of Establishment |
|---------|---|---|-----------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1. | IS 14452 : 2009/ISO 3758 : 2005 Textiles—Care Labelling Code using Symbols—Specification (First Revision) | Nil | September 2009 |

Henceforth, this standard will be available for sale.

Copy of the Standards is available for sale with HQ at Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and its Regional Offices at New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai,

1308 2251

S. K. DATNAGAR, S. P. SHUKLA AND R. C. CHAKRABARTY

आपका 1871-72 का प्रस्ताव आनक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ग) की अनुसूची में जोड़ा जायेगा। आपका उत्तर कहता है कि जिन भारतीय आनकों का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वे 1871-72 के नियम के अनुसार

असली

| | | | |
|--------|---------------------------------|---|--------|
| क्रम | समाप्त भारतीय यात्रक की संख्या, | नये भारतीय यात्रक द्वारा अतिरिक्त | स्थिति |
| संख्या | वर्ष और शीर्षक | भारतीय यात्रक प्रेषित मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष | |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|-----|---|----------------------|---------|
| 1. | आइएस/आई एस ओ 15001 : 2003 निरीक्षक और एक्सन उपकरण ऑक्सीजन से संगतता | — | निराकरण |
| 2. | आईएस/आई एस ओ 13485 : 2003 निरीक्षण साधन (गुणवत्ता प्रबंधन) नियामिक निर्णयों के लिये अपेक्षाएं | आई एस ओ 13485 : 2003 | निराकरण |

१. मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, १, ब्रिज रोड, नई दिल्ली, भारत में उपलब्ध हैं। कार्यालयों में नई दिल्ली, कोलकाता, बरहोलीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों में अजमेर, अरावली, भोपाल, भुवनेश्वर, ग्वाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, कागपर, उटना, पणे तथा तिरुवनन्तापुरम में निम्नलिखित कार्यालय हैं :

1974 : 273

संस्कृत-भाषायां वैज्ञानिक शब्दानां प्रचलनः

New Delhi, the 13th July, 1953

5. 1811--In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 1 of the Bureau of Indian Standards, 1927, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards particulars of which are indicated hereunto annexed have been established on the date indicated against each.

SC-103112

| Sl. No. | No. and Year of the Indian Standard Established | No. and year of the Standard if any, Superseded by the New Indian Standard | Date of Establishment | Remarks |
|---------|---|--|-----------------------|---------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | IS: 15001-2007 Manufacture and Reconditioning of Equipment Compatibility with Low Voltage | | March | 2007 |
| 2. | IS: 15003-2003 Medical Devices - Quality Management Systems-Requirements for Regulatory Purposes | IS: 15003-2003 | March | 2003 |

Shah Zorab Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Amritsar, Bhopal, Ghobaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Lucknow, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref. 1, p. 171]

JAI KUMAR, Sc. F & LL. B. (D)

कोयला भंडारण

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.अ. 1812.- केंद्रीय सरकार को प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित अवस्थिति की भूमियाँ में कोयला अभिलेखित किए जाने की संभावना है,

अतः अब, केंद्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) का धारा 4 की धारा 4(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में कोयले का पूर्वोक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले रेखांक संख्या ईसीएल/आरजेएमएल/एमओयूजेडए/एनओटीआई/03, तारीख 27 मार्च, 2009 का निरीक्षण उपायुक्त, जिला गोड्डा (झारखण्ड) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, जलपाठा-700001 या कार्यालय में या निदेशक तकनीकी (प्रचालन), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सांकटोरिया, डाकघर-दिसैरगढ़, जिला बर्दवान (पश्चिमी बंगाल), पिन कोड-713333 के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में, हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी शर्तों, चार्ज और दायित्वों का इस अधिसूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर निदेशक तकनीकी (प्रचालन), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सांकटोरिया, डाकघर-दिसैरगढ़, जिला बर्दवान (पश्चिमी बंगाल), पिन कोड-713333 को भेजेंगे।

अनुसूची

ललमटिया कोयला खनन ब्लॉक (आठवाँ वरण)

जिला गोड्डा, झारखण्ड

रेखांक संख्या ईसीएल/आरजेएमएल/एमओयूजेडए/एनओटीआई/03, तारीख 27 मार्च 2009

| क्रम सं. | मौजा/प्रान | कोयला | ग्राम संख्या | जिला | क्षेत्र हेक्टर में (लगभग) | क्षेत्र एकड़ में (लगभग) | विषयवस्तु |
|----------|----------------|-------------|--------------|--------|---------------------------|-------------------------|-----------|
| 1 | लोहण्डिया | लोहण्डिया | 45 | गोड्डा | 85.17 | 210.46 | भूमि |
| 2 | लोहण्डिया मौजा | लोहण्डिया | 46 | गोड्डा | 7.50 | 18.53 | संपूर्ण |
| | | कुल क्षेत्र | | | 92.67 | 228.99 | |

कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 द्वारा ललमटिया कोयला खनन ब्लॉक (आठवाँ वरण) के अन्तर्गत अभिलेखित किए जाने वाले क्षेत्र का सीमा विवरण।

सीमा विवरण : (क. 1 से क. 2)

क. क2 रेखा, जो जिला लोहण्डिया सं. 45 उक्त मौजा सं. 45 एवं लोहण्डिया मौजा सं. 45 के प्लॉट संख्या 235 एवं 236 के सम्मिलित बिन्दु का से आरंभ होती है और पूर्ववर्ती भारत के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 784 तारीख 8-3-1995 रेखा के साथ मेल खाती है अर्थात् लोहण्डिया मौजा सं. 45 के प्लॉट सं. 236 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 234, 232 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 245, 333 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 248 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 321, 332, 330, 329, 328, 327, 339 की पश्चिमी सीमा और प्लॉट सं. 342 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 344, 352, 351, 350, 349 और 392 को धुनी रोया में होकर लोहण्डिया सं. 45 के प्लॉट सं. 348, 392 और 397 (सड़क) के संगम बिन्दु क2 पर मिलती है जो कि पूर्ववर्ती का अधिसूचित रेखाएँ भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 784 तारीख 8-3-1995 और का.आ. 1285 तारीख 30-5-2001 रेखाओं का सम्मिलित बिन्दु है।

क. क3 रेखा, पूर्व वर्णित बिन्दु क2 से शुरू होकर अधिसूचना रेखा भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 1285 तारीख 30-5-2001 के साथ है, अर्थात् यह रेखा मौजा लोहण्डिया सं. 45 के प्लॉट सं. 415, 413 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 412 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 410, 409 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 408 की पश्चिमी सीमा एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 407, 443, 460, 461, 467, 468, 454 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 800 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 801, 811 के उत्तरी सीमा होकर प्लॉट सं. 788 (सड़क) को पार करते हुए पुनः प्लॉट सं. 655 के उत्तरी सीमा के साथ जाती है एवं प्लॉट सं. 669, 668, 667 को पार करती है। पुनः यह रेखा प्लॉट सं. 665, 663 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 681, 682, 683 की पश्चिमी सीमा के साथ होते हुए मौजा लोहण्डिया सं. 45 के प्लॉट सं. 684, 685, 686 एवं 687 के साझा बिन्दु पर स्थित क3 पर मिलती है।

- क3-क4 रेखा, पूर्व वर्णित बिन्दु क3 से शुरू होकर पूर्ववर्ती अधिसूचना रेखा भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 1285 तारीख 30-5-2001 के साथ जाती है, अर्थात् मौजा लोहण्डिया सं. 45 के प्लॉट सं. 684 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 758 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 754, 755 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 751 (भाग) के पश्चिमी सीमा के साथ जाकर प्लॉट सं. 751 को पार करते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45 के प्लॉट सं. 747, 746 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 732 के उत्तरी एवं पश्चिमी सीमा तथा प्लॉट सं. 733 (भाग) के पश्चिमी सीमा एवं 715 के पश्चिमी सीमा एवं उत्तरी सीमा बराबर गुजरते हुए, लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं बसडीहा मौजा सं. 47 की सम्मिलित सीमा के साथ जाती है, साथ ही पूर्ववर्ती अधिसूचित रेखा भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 1285 तारीख 30-5-2001 के साथ मौजा लोहण्डिया सं. 45 एवं बसडीहा मौजा सं. 47 की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु क4 पर मिलती है।
- क4-क5 रेखा, लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं बसडीहा मौजा सं. 47 की सम्मिलित सीमा पर स्थित क4 से शुरू होकर लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं बसडीहा मौजा सं. 47 की सम्मिलित सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45, बसडीहा मौजा सं. 47 एवं हररखा मौजा सं. 50 के त्रिसंधि स्तंभ पर स्थित बिन्दु क5 पर मिलती है।
- क5-क6 रेखा, लोहण्डिया मौजा सं. 45 बसडीहा मौजा सं. 47 एवं हररखा मौजा सं. 50 के त्रिसंधि स्तंभ पर स्थित बिन्दु क5 से शुरू होकर मौजा लोहण्डिया सं. 45 एवं हररखा मौजा सं. 50 के सम्मिलित सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45, हररखा मौजा सं. 50 एवं रानीडीह मौजा सं. 53 के त्रिसंधि स्तंभ पर स्थित बिन्दु क6 पर मिलती है।
- क6-क7 यह रेखा लोहण्डिया मौजा सं. 45, हररखा मौजा सं. 50 एवं रानीडीह मौजा सं. 53 के त्रिसंधि स्तंभ पर बिन्दु क6 से शुरू होकर लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं रानीडीह मौजा सं. 53 की सम्मिलित सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45, रानीडीह मौजा सं. 53 एवं डकैता मौजा सं. 44 के त्रिसंधि स्तंभ पर स्थित बिन्दु क7 पर मिलती है।
- क7-क1 रेखा मौजा लोहण्डिया सं. 45, रानीडीह मौजा सं. 53 एवं डकैता मौजा सं. 44 के त्रिसंधि स्तंभ पर बिन्दु क7 से शुरू होकर लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं डकैता मौजा सं. 44 की सम्मिलित सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45, के प्लॉट सं. 218 (सड़क) को पार करती है एवं पुनः प्लॉट सं. 223, 224 के उत्तरी सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं डकैता मौजा सं. 44 के साथ जाती है एवं अंतिम में मौजा लोहण्डिया सं. 45 एवं डकैता सं. 44 एवं लोहण्डिया मौजा प्लॉट सं. 235 एवं 236 के सम्मिलित बिन्दु पर स्थित बिन्दु क1 पर मिलती है, जोकि पूर्ववर्ती अधिसूचित रेखा भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 784 तारीख 8.3.1995 पर स्थित है।

नोट : मौजा लोहण्डिया बाजार सं.-46, पूर्ण रूप से मौजा लोहण्डिया सं. 45 के भीतर है।

[फा. सं.-43015/3/2010-पीआरआईडब्ल्यू]

एम. शहाबुद्दीन, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 14th July, 2010

S. O. 1812.—Whereas, it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisitions and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The Plan bearing number ECL/RJML/MOUZA/NOTI/03, dated the 27th March, 2009, of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Deputy Commissioner, District Godda (Jharkhand), or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata - 700 001 or at the office of the Director Technical (Operation), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan (West Bengal), Pin Code - 713 333.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred in sub-section (7) of Section 13 of the said Act to the Director Technical (Operation), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, Dist.- Burdwan (West Bengal), Pin Code - 713 333 within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Lalmatia Coal Mining Block (Phase-VIII) District : Godda ; Jharkhand.

Plan number : ECL/RJML/MOUZA/NOTI/03, dated the 27th March, 2009

| Sl. No. | Mouza/Village | Thana | Village number | District | Area in Hectares (Approximately) | Area in acres (Approximately) | Remarks |
|-------------------|----------------|----------|----------------|----------|----------------------------------|-------------------------------|---------|
| 1. | Lohandia | Lalmatia | 45 | Godda | 85.17 | 210.46 | Part |
| 2. | Lohandia Bazar | Lalmatia | 46 | Godda | 7.50 | 18.53 | Full |
| Total Area | | | | | 92.67 | 228.99 | |

Boundary Description of the area falling in Lalmatia Coal Mining Block (Phase-VIII) being notified under sub-section (I) of Section 4 of the Coal Bearing Area (Acquisition & Development) Act, 1957.

Boundary Description (A 1 to A 7)

- A1-A2** The line starts from the Point A 1 situated at the common point on the common boundary of Mouza Dakaita No. 44 and Mouza Lohandia No. 45 and Plot Nos. 235 & 236 of Mouza Lohandia No. 45 and runs along the earlier Notification line Notified vide S. O. 784 dated 08-03-1995 in the Gazette of Govt. of India i.e. along Northern boundary of Plot No. 236 and Western & Northern boundaries of Plot Nos. 234, 232 and Northern boundary of Plot Nos. 245, 333 and Western & Northern boundaries of Plot No. 248 and Western boundary of Plot Nos. 321, 332, 330, 329, 328, 327, 339 and Northern boundary of Plot No. 342 and Eastern boundary of Plot Nos. 344, 352, 351, 350, 349 and 392 of Mouza Lohandia No. 45 and meets on the Point A2 situated at the junction of Plot No. 348, 392 and 397 (Road) of the Mouza Lohandia No. 45, which is also the common point of the earlier two Notification line Notified vide S.O. 784 dated 08-03-1995 and S.O. 1285 dated 30-05-2001 in the Gazette of Government of India.
- A2-A3** The line starts from the point A2 described above and runs along the earlier notification line notified vide S.O. 1285 dated 30-05-2001 in the Gazette of Govt. of India i.e. along Northern boundary of Plot Nos. 415, 413 Western & Northern boundaries of Plot Nos. 412 & Northern boundary of Plot Nos. 410, 409, Western & Northern boundaries of Plot No. 408, Northern boundary of Plot Nos. 407, 443, 460, 461, 467, 468, 454 and Western & Northern boundaries of Plot No. 800, Northern boundary of Plot Nos. 801, 811 and crosses over Plot No. 788 (Road) and again runs along the Northern boundary of Plot No. 655 and crosses over Plot Nos. 669, 668, 667 and runs along Northern boundary of Plot Nos. 665, 663 and Western boundaries of Plot Nos. 681, 682, 683 of Mouza Lohandia No. 45 and meets on the Point A3 situated at the junction of Plot Nos. 684, 685, 686 and 687 of Mouza Lohandia No. 45.
- A3-A4** The line starts from the point A3 described above and runs along the earlier Notification line, notified vide S.O. 1285 dated 30.05.2001 in the Gazette of Govt of India i.e. along northern boundaries of the Plot No. 684, Western and Northern boundaries of Plot No. 758, Northern boundaries 754, 755 and Western boundary of 751 (Part) of Mouza - Lohandia No. 45 and crosses over the Plot No. 751 and runs along the Northern boundary of Plot Nos. 747, 746 and again runs along the Western & Northern boundaries of Plot No. 732, Western boundary of Plot No. 733 (Part), Western & Northern boundaries of Plot No. 715 of Mouza Lohandia No. 45 and again runs along the 'Common boundary of Mouza Lohandia No. 45 and Mouza Bansdiha No. 47 as well as earlier Notification line vide Notification No. S.O. 1285 dated 30-05-2001 and the line meets on the point A4 situated on the common boundary of Mouza Lohandia No. 45 and Bansdiha No. 47.
- A4-A5** The line start from the Point A4 situated on the Common boundary of the Mouza Lohandia No. 45 and Mouza Bansdiha No. 47 and runs along the Common boundary of the Mouza Lohandia No. 45 and Mouza Bansdiha No. 47 and meets on the Point A5 situated on the tri-junction pillar of the Mouza Lohandia No. 45 Bansdiha No. 47 and Harrakha No. 50.
- A5-A6** The line starts from the point A5 situated at the tri-junction pillar of the Mouza - Lohandia No. 45, Bansdiha No. 47 and Harrakha No. 50 and runs along the Common boundary of the Mouza - Lohandia No. 45 and Harrakha No. 50 and meets on the Point A6 situated on the tri-junction pillar of the Mouza Lohandia No. 45, Harrakha No. 50 and Ranidiha No. 53.
- A6-A7** The line starts from the Point A6 situated on the tri-junction Pillar of the Mouza Lohandia No. 45, Harrakha No. 50 and Ranidiha No. 53 and runs along the common boundary of Mouza Lohandia No. 45 and Ranidiha No. 53 and meets on the point A7 situated on the tri-junction pillar of the Mouza Lohandia No. 45, Ranidiha No. 53 and Dakaita No. 44.
- A 7 - A1** The line starts from the Point A7 situated on the tri-junction pillar of the Mouza - Lohandia No. 45, Ranidiha No. 53 and Dakaita No. 44 and runs along the common boundary of the Mouza Lohandia No. 45 and Dakaita No. 44 and crosses over the Plot No. 218 (Road) of Mouza Lohandia No. 45 and runs along the Northern boundaries of the Plot Nos. 223, 224 and again runs along the common boundary of the Mouza Lohandia No. 45 and Dakaita No. 44 and eventually meets on Point A1 situated and the common point on common boundary of Mouza - Lohandia No. 45, Dakaita No. 44 and Plot Nos. 235 and 236 of Mouza Lohandia No. 45 and the Point is also situated on the earlier notification line vide notification No. 784 dated 08-03-1995 in the Gazette of India.

Note :— Mouza Lohandia Bazaar No. 46 is fully within the Mouza Lohandia No. 45.

[F. No. 43015/3/2010-PRIW-I]

M. SHAHABUDEEN, Under Secy

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2010

का.आ. 1814.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 514 तारीख 16-02-2010, जो भारत के राजपत्र, तारीख 20-02-2010 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में मध्यप्रदेश राज्य में बीना संस्थापन से राजस्थान राज्य में कोटा तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए बीना-कोटा पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 24-04-2010 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

| तहसील : अटरू | | जिला : बारां | राज्य-राजस्थान |
|--------------|--------------|--------------|------------------------|
| क्र. सं. | ग्राम का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हेक्टेयर में |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | अटरू | 302 | 0.0558 |
| | | 303 | 0.0270 |
| 2. | खेडली बांसला | 528 | 0.1350 |
| | | 549 | 0.0216 |
| | | 550 | 0.0828 |

[फा. सं. आर-31015/3/2008-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th July, 2010

S.O. 1814.—Whereas by the notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O. No. 514, dated the 16-2-2010 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 20-2-2010, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying a pipeline for transportation of Petroleum Products through Bina-Kota Pipeline Project from Bina terminal in the State of Madhya Pradesh to Kota in the State of Rajasthan by Bharat Petroleum Corporation Limited ;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 24-04-2010;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Petroleum Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

| Tehsil : Atru | | District : Baran | State : Rajasthan |
|---------------|-----------------|------------------|-------------------|
| S. No. | Name of Village | Survey No. | Area in Hectare |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Atru | 302 | 0.0558 |
| | | 303 | 0.0270 |
| 2. | Khedli Bansla | 528 | 0.1350 |
| | | 549 | 0.0216 |
| | | 550 | 0.0828 |

[F. No. R-31015/3/2008-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2010

का.आ. 1815.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1886 तारीख 8-7-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 11-7-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 15-9-2009, से तारीख 17-12-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

| तहसील : चोटीला जिला : सुरेन्द्रनगर राज्य-गुजरात | | | |
|---|--------------|------------|------------------------|
| क्र. सं. | ग्राम का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हेक्टेयर में |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | लाखामांची | 96/5 पैकी | 00.4325 |
| 2. | देवलीया | 33/2 पैकी | 00.0130 |
| | | 31/2 पैकी | 00.2370 |
| | | 2/2 पैकी | 00.1535 |
| | | 2/2 पैकी | 00.2900 |
| | | 71/4 पैकी | 00.4500 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|---------|------------|---------|
| 3. | थानगढ | 225/1 | 00.1677 |
| | | 321/1 | 00.1013 |
| | | 227/2 पैकी | 00.1731 |
| | | 254/2 | 00.3769 |
| | | 233/3 | 00.1350 |
| | | 322/1 पैकी | 00.3900 |
| 4. | रावरानी | 13 पैकी | 00.1100 |

[फा. सं. आर-31015/19/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th July, 2010

S.O. 1815.—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 1886, dated the 8-7-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 11-7-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 15-9-2009 to 17-12-2009 ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Chotila District : Surendra Nagar State : Gujarat

| S. No. | Name of Village | Survey No. | Area in Hectare |
|--------|-----------------|------------|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Lakhamachi | 96/5 P | 00.4325 |
| 2. | Devaliya | 33/2 P | 00.0130 |
| | | 31/2 P | 00.2370 |
| | | 2/2 P | 00.1535 |
| | | 2/2 P | 00.2900 |
| | | 71/4 P | 00.4500 |
| 3. | Thangadh | 225/1 | 00.1677 |
| | | 321/1 | 00.1013 |
| | | 227/2 P | 00.1731 |
| | | 254/2 | 00.3769 |
| | | 233/3 | 00.1350 |
| | | 322/1 P | 00.3900 |
| 4. | Raorani | 13 P | 00.1100 |

[F.No. R-31015/19/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2010

का.आ. 1816.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2169 तारीख 12-8-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 15-8-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 9-10-2009, से 15-10-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा

करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : गोधरा जिला : पंचमहल राज्य-गुजरात

| क्र. सं. | ग्राम का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हेक्टेयर में |
|----------|--------------|------------|------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | भीमा | 1/52 | 00.8695 |
| 2. | गवाची | 1/78 | 00.0960 |
| 3. | अंबाली | 233 ए/4 | 00.0175 |
| | | 233 ए/5 | 00.1407 |
| 4. | भामैया | 72/1 | 00.1012 |
| | | 324 | 00.3300 |
| 5. | गोधरा | 674 | 00.1152 |
| | | 996 | 00.3642 |
| | | 1070 | 00.2910 |
| 6. | गोविंदी | 188/पैकी 2 | 00.3300 |
| | | 188 पैकी | 00.1950 |
| | | 171/पैकी 1 | 00.1200 |
| | | 176 | 00.2250 |
| 7. | जाफराबाद | 269 पैकी | 00.4500 |
| | | 304 | 00.2000 |
| | | 269 पैकी | 00.0500 |
| | | 269 पैकी 3 | 00.0200 |
| 8. | गढ | 16/2 | 00.0200 |
| 9. | केवडीया | 113/पैकी | 00.0471 |
| 10. | ओरवाडा | 377 | 00.0696 |
| 11. | सालीया | 427/बी | 00.1500 |
| | | 140/2 | 00.0500 |

[फा. सं. आर-31015/29/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th July, 2010

S.O. 1816.—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and

Natural Gas No. S. O. 2169, dated the 12-08-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 15-08-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 09-10-2009 to 15-10-2009 ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Godhra District : Panchmahal State : Gujarat

| S. No. | Name of Village | Survey No. | Area in Hectare |
|--------|-----------------|------------|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Bhima | 1/52 | 00.8695 |
| 2. | Gavachi | 1/78 | 00.0960 |
| 3. | Ambali | 233/A/4 | 00.0175 |
| | | 233/A/5 | 00.1407 |
| 4. | Bhamiya | 72/1 | 00.1012 |
| | | 324 | 00.3300 |
| 5. | Godhra | 674 | 00.1152 |
| | | 996 | 00.3642 |
| | | 1070 | 00.2910 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|----------|---------|---------|
| 6. | Govindi | 188/P/2 | 00.3300 |
| | | 188/P | 00.1950 |
| | | 171/P/1 | 00.1200 |
| | | 176 | 00.2250 |
| 7. | Jafrabad | 269/P | 00.4500 |
| | | 304 | 00.2000 |
| | | 269/P | 00.0500 |
| | | 269/P/3 | 00.0200 |
| 8. | Gadh | 16/2 | 00.0200 |
| 9. | Kevadiya | 113/P | 00.0471 |
| 10. | Orvada | 377 | 00.0696 |
| 11. | Saliya | 427/B | 00.1500 |
| | | 140/2 | 00.0500 |

[F. No. R-31015/29/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2010

का.आ. 1817.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2487 तारीख 09-09-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 12-09-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 16-11-2009, से 25-11-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

| तहसील : लालपुर जिला : जामनगर राज्य-गुजरात | | | |
|---|-------------|------------|------------------------|
| क्र. सं. | गांव का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हेक्टेयर में |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | सींगच | 137/2 | 00.0463 |
| | | 137/3 | 00.0755 |
| | | 283 पैकी | 00.3600 |
| 2. | जांखर | 502 पैकी 1 | 00.0225 |
| | | 146 | 00.2242 |
| | | 145 | 00.1631 |
| | | 77/1 पैकी | 00.4950 |

[फा. सं. आर-31015/30/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th July, 2010

S.O. 1817.—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 2487, dated the 9-9-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 12-09-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 16-11-2009 to 25-11-2009;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrance.

SCHEDULE

Tehsil : Lalpur District : Jamnagar State : Gujarat

| S. No. | Name of Village | Survey No. | Area in Hectare |
|--------|-----------------|-------------|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Singach | 137/2 | 00.0463 |
| | | 137/3 | 00.0755 |
| | | 283 Paiki | 00.3600 |
| 2. | Jankhar | 502 Paiki 1 | 00.0225 |
| | | 146 | 00.2242 |
| | | 145 | 00.1631 |
| | | 77/1 Paiki | 00.4950 |

[F. No. R-31015/30/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 2010

का.आ. 1818.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2486 तारीख 09-09-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 12-09-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 16-11-2009, से 15-12-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

| तहसील : वांकाणे | | जिला : राजकोट | राज्य-गुजरात |
|-----------------|--------------|---|---|
| क्र. सं. | ग्राम का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हेक्टेयर में |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | कोटडा नायाणी | 541/1 674/9 674/10 674/5 674/20 | 00.2385 00.3125 00.2950 00.2200 00.1250 |
| 2. | पीपलीयाराज | 60/2 717/1 पैकी 733/12 | 00.1472 00.2400 00.6060 |
| 3. | प्रतापगढ़ | 76/3 80/2 पैकी | 00.2000 00.3050 |
| 4. | सोंधावदर | 73/1 73/2 77/1/पैकी 615/पैकी 615/पैकी 676 4/2पैकी | 00.1041 00.0308 00.0135 00.1136 00.1155 00.2010 00.2100 |
| 5. | भोजपरा | 36/2 | 00.3617 |
| 6. | राजावडला | 249/1 251/4 80/1 77/2पैकी | 00.0177 00.1132 00.1713 00.0930 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|---------|---------------------------|-------------------------------|
| 7. | लालपर | 56/पैकी | 00.0342 |
| 8. | केराला | 90/2 108/3 | 00.0636 00.0822 |
| 9. | रसीकगढ़ | 123/1 122/4 | 00.1934 00.0914 |
| 10. | पाज | 34 83/पैकी 33/2पैकी | 00.0527 00.0117 00.0300 |
| 11. | दलडी | 283/1पैकी | 00.2055 |

[फा. सं. आर-31015/36/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th July, 2010

S.O. 1818 .—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 2486, dated the 09-09-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 12-09-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 16-11-2009 to 15-12-2009;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of

this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrance.

SCHEDULE

Tehsil : Wankaner District : Rajkot State : Gujarat

| S. No. | Name of Village | Survey No. | Area in Hectare |
|--------|-----------------|--|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Kotda Nayani | 541/1 674/9 674/10 674/5 674/20 | 00.2385 00.3125 00.2950 00.2200 00.1250 |
| 2. | Pipaliyaraj | 60/2 717/1 Paiki 733/12 | 00.1472 00.2400 00.6060 |
| 3. | Pratapgadh | 76/3 80/2 Paiki | 00.2000 00.3050 |
| 4. | Sindhavadar | 73/1 73/2 77/1 Paiki 615/Paiki 615/Paiki 676 4/2 Paiki | 00.1041 00.0308 00.0135 00.1136 00.1155 00.2010 00.2100 |
| 5. | Bhojpara | 36/2 | 00.3617 |
| 6. | Rajavada | 249/1 251/4 80/1 77/2 Paiki | 00.0177 00.1132 00.1713 00.0930 |
| 7. | Lalpar | 56/Paiki | 00.0342 |
| 8. | Kerala | 90/2 108/3 | 00.0636 00.0822 |
| 9. | Rasikgadh | 123/1 122/4 | 00.1934 00.0914 |
| 10. | Paj | 34 83/Paiki 33/2 Paiki | 00.0527 00.0117 00.0300 |
| 11. | Daldi | 283/1 Paiki | 00.2055 |

[F. No. R-31015/36/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1819.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी के गई

भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2171 तारीख 13-08-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 15-08-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 09-10-2009, से 14-12-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

| तहसील : सावली | | जिला : वडोदरा | राज्य-गुजरात |
|---------------|-------------|------------------------------|-------------------------------|
| क्र. सं. | गांव का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हेक्टेयर में |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | वरसडा | 134/1 105/63ए 105/63बी | 00.0568 00.0822 00.0267 |
| 2 | जांबुगोरल | 173 | 00.0175 |

[फा. सं. आर-31015/22/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 14th July, 2010

S.O. 1819.—Whereas by the notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 2171, dated the 13-08-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the

15-08-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 09-10-2009 to 14-12-2009 ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrance.

SCHEDULE

Tehsil : Savli District : Vadodara State : Gujarat

| S. No. | Name of Village | Survey No. | Area in Hectare |
|--------|-----------------|-----------------------------|-------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Varsada | 134/1 105/63A 105/63B | 00.0568 00.0822 00.0267 |
| 2. | Jambugoral | 173 | 00.0175 |

[F. No. R-31015/22/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1820.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2167 तारीख 12-08-2009, जो भारत के राजपत्र

तारीख 15-08-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 08-10-2009, के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : लीमखेड़ा जिला : दाहोद राज्य : गुजरात

| क्र. सं. | गांव का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हेक्टेयर में |
|----------|-------------|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | परपाटा | 44/8 | 00.1458 |
| 2. | मानली | 418 | 00.0343 |
| 3. | अगारा | 177/2 | 00.0240 |
| 4. | प्रतापपुरा | 46/2 पैकी 9/पैकी 2 46/पैकी 21 | 00.0540 00.2355 00.3510 |
| 5. | पटवान | 7/3 67 | 00.1520 00.3778 |
| 6. | टींबा | 7/पैकी 3 7/पैकी 14 13/7 7/पैकी | 00.5600 00.2100 00.2560 00.0900 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|------------|--------------|---------|
| | | 7/4/पैकी | 00.2850 |
| | | 7/पैकी | 00.3200 |
| | | 7/पैकी | 00.3000 |
| | | 7/7/पैकी | 00.3060 |
| | | 7/पैकी | 00.4150 |
| | | 7/4 | 00.3600 |
| | | 7/6/पैकी | 00.3750 |
| | | 7/पैकी | 00.6150 |
| | | 7/20/पैकी | 00.4200 |
| | | 7/पैकी | 00.2850 |
| | | 7/पैकी | 00.2400 |
| | | 7/पैकी | 00.2100 |
| | | 7/पैकी | 00.2100 |
| | | 7/पैकी | 00.1000 |
| 7. | वीसलंगा | 88 | 00.2000 |
| | | 82/13 | 00.5000 |
| 8. | जाडाखेरीया | 92/पैकी | 00.7800 |
| | | 92/22/पैकी 1 | 00.3300 |

[फा. सं. आर-31015/26/2009-ओ आर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 14th July, 2010

S.O. 1820.—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 2167, dated the 12-08-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 15-8-2009 the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 08-10-2009 ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Limkheda District : Dahod State : Gujarat

| S. No. | Name of Village | Survey No. | Area in Hectare |
|--------|-----------------|---------------|-----------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Parpata | 44/8 | 00.1458 |
| 2. | Manli | 418 | 00.0343 |
| 3. | Agara | 177/2 | 00.0240 |
| 4. | Pratappura | 46/2 Paiki | 00.0540 |
| | | 9/Paiki 2 | 00.2355 |
| | | 46/Paiki 21 | 00.3510 |
| 5. | Patwan | 7/3 | 00.1520 |
| | | 67 | 00.3778 |
| 6. | Timba | 7/Paiki 3 | 00.5000 |
| | | 7/Paiki 14 | 00.2100 |
| | | 13/7 | 00.2560 |
| | | 7/Paiki | 00.0900 |
| | | 7/4/Paiki | 00.2850 |
| | | 7/Paiki | 00.3200 |
| | | 7/Paiki | 00.3000 |
| | | 7/7/Paiki | 00.3060 |
| | | 7/Paiki | 00.4150 |
| | | 7/4 | 00.3600 |
| | | 7/6/Paiki | 00.3750 |
| | | 7/Paiki | 00.6150 |
| | | 7/20/Paiki | 00.4200 |
| | | 7/Paiki | 00.2850 |
| | | 7/Paiki | 00.2400 |
| | | 7/Paiki | 00.2100 |
| | | 7/Paiki | 00.2100 |
| | | 7/Paiki | 00.1000 |
| 7. | Vislanga | 88 | 00.2000 |
| | | 82/13 | 00.5000 |
| 8. | Jadakheriya | 92/Paiki | 00.7800 |
| | | 92/22/Paiki/1 | 00.3300 |

[F. No. R-31015/26/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1821.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पारादीप (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं राँची (झारखण्ड) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा "पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन" बिछाई जानी चाहिये;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि, जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री सुकांत कुमार प्रधान, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन परियोजना, 1295, फॉरेस्ट पार्क, भुवनेश्वर-751009 (उड़ीसा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

| तहसील-सम्बलपुर | जिला-सम्बलपुर | राज्य-उड़ीसा | | |
|----------------|---------------|--------------|-----|-----------|
| गांव का नाम | प्लॉट नं. | क्षेत्रफल | | |
| | | हेक्टर | एयर | वर्ग मीटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| सम्बलपुर टाउन, | 2340 | 00 | 00 | 40 |
| यूनिट-1, भतरा | 2425 | 00 | 01 | 70 |
| | 2426 | 00 | 01 | 84 |
| | 2312 | 00 | 01 | 94 |
| | 2424 | 00 | 02 | 56 |
| | 2314 | 00 | 04 | 31 |
| | 2315 | 00 | 02 | 56 |
| | 2432 | 00 | 06 | 57 |
| | 2316 | 00 | 01 | 34 |
| | 2317 | 00 | 00 | 10 |
| | 2496 | 00 | 01 | 85 |
| | 2307 | 00 | 00 | 29 |
| | 2306 | 00 | 01 | 70 |
| | 2303 | 00 | 08 | 00 |
| | 2301 | 00 | 00 | 10 |
| | 2280 | 00 | 03 | 47 |
| | 2304 | 00 | 00 | 94 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------------|------|----|----|----|
| सम्बलपुर टाउन, | 2279 | 00 | 01 | 20 |
| यूनिट-1, भतरा | 2281 | 00 | 07 | 48 |
| | 2284 | 00 | 02 | 45 |
| | 2285 | 00 | 01 | 12 |
| | 2271 | 00 | 01 | 69 |
| | 2275 | 00 | 01 | 28 |
| | 2274 | 00 | 02 | 56 |
| | 2273 | 00 | 03 | 32 |
| | 2272 | 00 | 00 | 37 |
| | 2265 | 00 | 00 | 66 |
| | 2266 | 00 | 08 | 16 |
| | 2267 | 00 | 00 | 51 |
| | 2240 | 00 | 04 | 63 |
| | 2249 | 00 | 09 | 20 |
| | 2242 | 00 | 00 | 34 |
| | 2243 | 00 | 02 | 00 |
| | 2246 | 00 | 01 | 99 |
| | 2247 | 00 | 00 | 10 |
| | 2244 | 00 | 01 | 25 |
| | 2245 | 00 | 01 | 81 |
| | 2254 | 00 | 02 | 96 |
| सम्बलपुर टाउन, | 2253 | 00 | 03 | 96 |
| यूनिट-2, धनुपालि | 2354 | 00 | 04 | 41 |
| | 2590 | 00 | 00 | 15 |
| | 2351 | 00 | 03 | 63 |
| | 2352 | 00 | 01 | 62 |
| | 2350 | 00 | 01 | 21 |
| | 2349 | 00 | 00 | 40 |
| | 2344 | 00 | 00 | 20 |
| | 2345 | 00 | 00 | 25 |
| | 2346 | 00 | 00 | 80 |
| | 2347 | 00 | 01 | 72 |
| | 2348 | 00 | 02 | 67 |
| | 2365 | 00 | 00 | 66 |
| | 2366 | 00 | 00 | 21 |
| | 2370 | 00 | 05 | 59 |
| | 2338 | 00 | 00 | 10 |
| | 2694 | 00 | 04 | 88 |
| | 2369 | 00 | 00 | 10 |
| | 2373 | 00 | 01 | 21 |
| | 2374 | 00 | 02 | 58 |
| | 2384 | 00 | 01 | 20 |
| | 2375 | 00 | 01 | 82 |
| | 2383 | 00 | 01 | 60 |
| | 2381 | 00 | 00 | 38 |
| | 2380 | 00 | 01 | 40 |
| | 2382 | 00 | 00 | 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------------------------------|------|----|----|----|-----------|------|-----|----|----|
| सम्बलपुर टाउन, यूनिट-2, धनुपालि | 2376 | 00 | 01 | 23 | झरापालि | 392 | 00 | 00 | 10 |
| | 2377 | 00 | 00 | 35 | | 84 | 00 | 06 | 18 |
| | 2379 | 00 | 04 | 09 | | 92 | 00 | 00 | 82 |
| | 2388 | 00 | 00 | 10 | | 97 | 00 | 16 | 50 |
| | 2378 | 00 | 01 | 76 | | 424 | 00 | 00 | 10 |
| | 2198 | 00 | 06 | 55 | | 123 | 00 | 09 | 10 |
| | 2197 | 00 | 01 | 06 | | 367 | 00 | 00 | 36 |
| | 2191 | 00 | 04 | 80 | | 121 | 00 | 27 | 81 |
| | 2192 | 00 | 02 | 65 | | 349 | 00 | 00 | 81 |
| | 2193 | 00 | 01 | 50 | | 450 | 00 | 00 | 65 |
| | 2632 | 00 | 01 | 54 | | 117 | 00 | 28 | 39 |
| महानदी 'ख' | 74 | 00 | 54 | 21 | | 99 | 00 | 22 | 33 |
| | 73 | 00 | 72 | 71 | | 103 | 00 | 14 | 80 |
| | 70 | 00 | 33 | 56 | चौरपुर | 2337 | 00 | 12 | 33 |
| | 77 | 00 | 40 | 66 | | 2336 | 00 | 00 | 10 |
| | 78 | 00 | 44 | 14 | | 2338 | 00 | 01 | 89 |
| झरापालि | 289 | 00 | 06 | 85 | | 2332 | 00 | 07 | 67 |
| | 290 | 00 | 0 | 25 | | 2339 | 00 | 00 | 10 |
| | 288 | 00 | 04 | 66 | | 2349 | 00 | 60 | 44 |
| | 291 | 00 | 00 | 10 | | 2348 | 00 | 03 | 92 |
| | 377 | 00 | 01 | 21 | | 2346 | 00 | 06 | 59 |
| | 244 | 00 | 51 | 68 | | 2347 | 00 | 04 | 97 |
| | 285 | 00 | 00 | 43 | | 2345 | 00 | 58 | 17 |
| | 468 | 00 | 00 | 38 | | 2542 | 00 | 10 | 86 |
| | 286 | 00 | 12 | 66 | | 2523 | (X) | 54 | 98 |
| | 246 | 00 | 04 | 48 | | 2585 | 00 | 02 | 37 |
| | 247 | 00 | 08 | 06 | | 2524 | 00 | 03 | 20 |
| | 39 | 00 | 02 | 05 | | 2602 | 00 | 00 | 10 |
| | 41 | 00 | 02 | 22 | | 2525 | 00 | 04 | 78 |
| | 42 | 00 | 20 | 32 | | 2526 | 00 | 02 | 16 |
| | 43 | 00 | 00 | 81 | | 2527 | 00 | 10 | 84 |
| | 357 | 00 | 05 | 54 | | 2529 | 00 | 00 | 41 |
| | 239 | 00 | 02 | 24 | बडसिंहारि | 331 | 00 | 80 | 75 |
| | 233 | 00 | 04 | 50 | | 357 | 00 | 02 | 90 |
| | 234 | 00 | 10 | 36 | | 717 | 00 | 02 | 16 |
| | 232 | 00 | 00 | 10 | | 716 | 00 | 04 | 35 |
| | 231 | 00 | 00 | 77 | | 610 | 00 | 00 | 33 |
| | 235 | 00 | 00 | 10 | | 611 | 00 | 05 | 09 |
| | 64 | 00 | 12 | 77 | | 612 | 00 | 02 | 35 |
| | 63 | 00 | 00 | 39 | | 582 | 00 | 00 | 10 |
| | 62 | 00 | 04 | 34 | | 622 | 00 | 04 | 87 |
| | 61 | 00 | 02 | 32 | | 577 | 00 | 04 | 18 |
| | 56 | 00 | 08 | 32 | | 578 | 00 | 04 | 59 |
| | 58 | 00 | 19 | 36 | | 378 | 00 | 06 | 61 |
| | 391 | 00 | 05 | 20 | | 377 | 00 | 06 | 16 |
| | 57 | 00 | 01 | 10 | | 621 | 00 | 02 | 57 |
| | | | | | | 376 | (X) | 03 | 79 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|-----|----|----|----|
| बडसिंहारि | 564 | 00 | 14 | 49 |
| | 387 | 00 | 01 | 90 |
| | 529 | 00 | 25 | 22 |
| | 528 | 00 | 07 | 56 |
| | 533 | 00 | 00 | 94 |
| | 514 | 00 | 27 | 37 |
| | 515 | 00 | 00 | 10 |
| | 655 | 00 | 10 | 91 |
| | 683 | 00 | 04 | 50 |
| | 715 | 00 | 01 | 42 |
| | 511 | 00 | 01 | 48 |
| | 674 | 00 | 01 | 73 |
| | 673 | 00 | 05 | 54 |
| | 502 | 00 | 14 | 36 |
| | 491 | 00 | 00 | 88 |
| | 490 | 00 | 08 | 08 |
| | 487 | 00 | 04 | 43 |
| | 488 | 00 | 04 | 01 |
| | 489 | 00 | 01 | 07 |
| | 486 | 00 | 03 | 74 |
| | 485 | 00 | 02 | 16 |
| | 591 | 00 | 16 | 24 |
| | 483 | 00 | 05 | 76 |
| | 679 | 00 | 00 | 10 |
| | 472 | 00 | 06 | 26 |
| | 474 | 00 | 04 | 33 |
| | 473 | 00 | 02 | 83 |
| | 428 | 00 | 02 | 56 |
| | 427 | 00 | 08 | 68 |
| | 418 | 00 | 09 | 82 |
| | 419 | 00 | 08 | 72 |
| | 420 | 00 | 03 | 24 |
| | 421 | 00 | 11 | 49 |
| | 422 | 00 | 02 | 32 |
| | 77 | 00 | 07 | 49 |
| | 114 | 00 | 10 | 59 |
| | 113 | 00 | 10 | 10 |
| | 112 | 00 | 11 | 46 |
| | 111 | 00 | 00 | 10 |
| | 110 | 00 | 02 | 76 |
| | 119 | 00 | 02 | 40 |
| | 109 | 00 | 14 | 41 |
| | 108 | 00 | 01 | 64 |
| | 107 | 00 | 00 | 10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|-----|----|----|----|
| बडसिंहारि | 80 | 00 | 03 | 48 |
| | 84 | 00 | 09 | 22 |
| | 83 | 00 | 10 | 75 |
| | 82 | 00 | 37 | 38 |
| | 728 | 00 | 00 | 75 |
| | 729 | 00 | 00 | 90 |
| | 56 | 00 | 00 | 97 |
| | 33 | 00 | 04 | 26 |
| | 30 | 00 | 02 | 46 |
| | 55 | 01 | 41 | 40 |
| बसन्तपुर | 469 | 00 | 84 | 75 |
| | 384 | 00 | 53 | 36 |
| | 468 | 00 | 38 | 49 |
| | 382 | 00 | 32 | 25 |
| | 14 | 00 | 97 | 06 |
| | 15 | 00 | 07 | 21 |
| | 22 | 00 | 15 | 04 |
| | 27 | 00 | 00 | 95 |
| | 28 | 00 | 16 | 44 |
| | 489 | 00 | 00 | 10 |
| | 490 | 00 | 07 | 93 |
| | 161 | 00 | 06 | 06 |
| | 157 | 00 | 00 | 10 |
| | 630 | 00 | 16 | 71 |
| | 488 | 00 | 00 | 14 |
| | 156 | 00 | 02 | 38 |
| | 487 | 00 | 00 | 17 |
| | 154 | 00 | 00 | 10 |
| | 153 | 00 | 03 | 21 |
| | 165 | 00 | 01 | 09 |
| | 166 | 00 | 01 | 36 |
| | 167 | 00 | 05 | 29 |
| | 628 | 00 | 02 | 29 |
| | 148 | 00 | 01 | 10 |
| | 147 | 00 | 04 | 39 |
| | 146 | 00 | 02 | 80 |
| | 145 | 00 | 06 | 56 |
| | 650 | 00 | 00 | 38 |
| | 144 | 00 | 06 | 34 |
| | 143 | 00 | 05 | 49 |
| | 142 | 00 | 03 | 81 |
| | 188 | 00 | 00 | 17 |
| | 133 | 00 | 16 | 55 |
| | 485 | 00 | 01 | 83 |
| | 125 | 00 | 08 | 27 |
| | 123 | 00 | 01 | 01 |
| | 194 | 00 | 00 | 30 |
| | 124 | 00 | 03 | 01 |
| | 121 | 00 | 00 | 57 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|----------|------|-----|-----|-----|---------|------|-----|-----|-----|
| बसन्तपुर | 119 | 00 | 04 | 71 | कलामाटी | 5684 | 00 | 06 | 70 |
| | 118 | 00 | 05 | 25 | | 2177 | 00 | 00 | 62 |
| | 117 | 00 | 09 | 06 | | 2185 | 00 | 02 | 56 |
| | 484 | 00 | 00 | 21 | | 2184 | 00 | 12 | 92 |
| | 206 | 00 | 02 | 90 | | 2182 | 00 | 02 | 95 |
| | 207 | 00 | 07 | 73 | | 2183 | 00 | 07 | 64 |
| | 113 | 00 | 01 | 67 | | 2196 | 00 | 06 | 86 |
| | 112 | 00 | 10 | 76 | | 2198 | 00 | 17 | 99 |
| | 92 | 00 | 01 | 05 | | 2160 | 00 | 02 | 72 |
| | 91 | 00 | 00 | 98 | | 2204 | 00 | 02 | 95 |
| | 90 | 00 | 02 | 01 | | 2203 | 00 | 17 | 05 |
| | 89 | 00 | 13 | 38 | | 2225 | 00 | 01 | 84 |
| | 88 | 00 | 01 | 72 | | 2221 | 00 | 05 | 34 |
| | 87 | 00 | 10 | 92 | | 2218 | 00 | 01 | 62 |
| | 86 | 00 | 77 | 46 | | 2219 | 00 | 00 | 10 |
| कलामाटी | 5377 | 00 | 01 | 22 | | 2220 | 00 | 04 | 75 |
| | 5366 | 00 | 19 | 27 | | 2217 | 00 | 00 | 41 |
| | 5368 | 00 | 18 | 29 | | 2216 | 00 | 00 | 10 |
| | 5365 | 00 | 00 | 10 | | 2224 | 00 | 00 | 10 |
| | 5363 | 00 | 11 | 51 | | | | | |
| | 5369 | 00 | 06 | 37 | | | | | |
| | 5370 | 00 | 02 | 46 | | | | | |
| | 5371 | 00 | 13 | 58 | | | | | |
| | 5372 | 00 | 03 | 28 | | | | | |
| | 5373 | 00 | 04 | 02 | | | | | |
| | 5345 | 00 | 01 | 78 | | | | | |
| | 5344 | 00 | 51 | 98 | | | | | |
| | 5346 | 00 | 03 | 93 | | | | | |
| | 5347 | 00 | 01 | 14 | | | | | |
| | 5342 | 00 | 02 | 72 | | | | | |
| | 5343 | 00 | 00 | 76 | | | | | |
| | 5338 | 00 | 14 | 56 | | | | | |
| | 5434 | 00 | 01 | 84 | | | | | |
| | 2344 | 00 | 02 | 08 | | | | | |
| | 2343 | 00 | 04 | 91 | | | | | |
| | 2342 | 00 | 25 | 47 | | | | | |
| | 2341 | 00 | 02 | 17 | | | | | |
| | 2340 | 00 | 08 | 51 | | | | | |
| | 2339 | 00 | 00 | 10 | | | | | |
| | 5629 | 00 | 03 | 74 | | | | | |
| | 2332 | 00 | 03 | 32 | | | | | |
| | 2333 | 00 | 00 | 20 | | | | | |
| | 2331 | 00 | 07 | 33 | | | | | |
| | 2330 | 00 | 03 | 85 | | | | | |
| | 2270 | 00 | 10 | 01 | | | | | |
| | 2117 | 00 | 03 | 98 | | | | | |

[सं. आर-25011/14/2010-ओ. आर.-1]

बी. के. दाता, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O 1821. Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Paradip (Orissa) to Raipur (Chhattisgarh) & Ranchi (Jharkhand), a "Paradip—Sambalpur—Raipur—Ranchi Pipeline" should be laid by Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the General Public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Sri Sukanta Kumar Pradhan, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Paradip—Sambalpur—Raipur—Ranchi Pipeline Project, 1295, Forest Park, Bhubaneswar-751009, (Orissa).

| SCHEDULE | | | | |
|-----------------------------------|----------------------|----------------|-----|----------|
| Tehsil : Sambalpur | District : Sambalpur | State : Orissa | | |
| Name of the Village | Plot No. | Area | | |
| | | Hectare | Are | Sq. Mtr. |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| Sambalpur Town, Unit-I, Bhatra | 2340 | 00 | 00 | 40 |
| | 2425 | 00 | 01 | 70 |
| | 2426 | 00 | 01 | 84 |
| | 2312 | 00 | 01 | 94 |
| | 2424 | 00 | 02 | 56 |
| | 2314 | 00 | 04 | 31 |
| | 2315 | 00 | 02 | 56 |
| | 2432 | 00 | 06 | 57 |
| | 2316 | 00 | 01 | 34 |
| | 2317 | 00 | 00 | 10 |
| | 2496 | 00 | 01 | 85 |
| | 2307 | 00 | 00 | 29 |
| | 2306 | 00 | 01 | 70 |
| | 2303 | 00 | 08 | 00 |
| | 2301 | 00 | 00 | 10 |
| | 2280 | 00 | 03 | 47 |
| | 2304 | 00 | 00 | 94 |
| | 2279 | 00 | 01 | 20 |
| | 2281 | 00 | 07 | 48 |
| | 2284 | 00 | 02 | 45 |
| | 2285 | 00 | 01 | 12 |
| | 2271 | 00 | 01 | 69 |
| | 2275 | 00 | 01 | 28 |
| | 2274 | 00 | 02 | 56 |
| | 2273 | 00 | 05 | 32 |
| | 2272 | 00 | 00 | 37 |
| | 2265 | 00 | 00 | 66 |
| | 2266 | 00 | 08 | 16 |
| | 2267 | 00 | 00 | 51 |
| | 2240 | 00 | 04 | 63 |
| | 2249 | 00 | 09 | 20 |
| | 2242 | 00 | 00 | 34 |
| | 2243 | 00 | 02 | 00 |
| | 2246 | 00 | 01 | 99 |
| | 2247 | 00 | 00 | 10 |
| | 2244 | 00 | 01 | 25 |
| | 2245 | 00 | 01 | 81 |
| | 2254 | 00 | 02 | 96 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|---|------|-----|-----|-----|
| Sambalpur Town, Unit-2, Dhanupali | 2353 | 00 | 03 | 96 |
| | 2354 | 00 | 04 | 41 |
| | 2590 | 00 | 00 | 15 |
| | 2351 | 00 | 03 | 63 |
| | 2352 | 00 | 01 | 62 |
| | 2350 | 00 | 01 | 21 |
| | 2349 | 00 | 00 | 40 |
| | 2344 | 00 | 00 | 20 |
| | 2345 | 00 | 00 | 25 |
| | 2346 | 00 | 00 | 80 |
| | 2347 | 00 | 01 | 72 |
| | 2348 | 00 | 02 | 67 |
| | 2365 | 00 | 00 | 66 |
| | 2366 | 00 | 00 | 21 |
| | 2370 | 00 | 05 | 59 |
| | 2338 | 00 | 00 | 10 |
| | 2694 | 00 | 04 | 88 |
| | 2369 | 00 | 00 | 10 |
| | 2373 | 00 | 01 | 21 |
| | 2374 | 00 | 02 | 58 |
| | 2384 | 00 | 01 | 20 |
| | 2375 | 00 | 01 | 82 |
| | 2383 | 00 | 01 | 60 |
| | 2381 | 00 | 00 | 38 |
| | 2380 | 00 | 01 | 40 |
| | 2382 | 00 | 00 | 40 |
| | 2376 | 00 | 01 | 23 |
| | 2377 | 00 | 00 | 35 |
| | 2379 | 00 | 04 | 09 |
| | 2388 | 00 | 00 | 10 |
| | 2378 | 00 | 01 | 76 |
| Mahanadhi 'KHA' | 2198 | 00 | 06 | 55 |
| | 2197 | 00 | 01 | 06 |
| | 2191 | 00 | 04 | 80 |
| | 2192 | 00 | 02 | 65 |
| | 2193 | 00 | 01 | 50 |
| | 2632 | 00 | 01 | 54 |
| | 74 | 00 | 54 | 21 |
| | 73 | 00 | 72 | 71 |
| | 70 | 00 | 33 | 56 |
| | 77 | 00 | 40 | 66 |
| | 78 | 00 | 44 | 14 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|-----------|-----|-----|-----|-----|-------------|------|-----|-----|-----|
| Jharapali | 289 | 00 | 06 | 85 | Chaurpur | 2337 | 00 | 12 | 33 |
| | 290 | 00 | 10 | 25 | | 2336 | 00 | 00 | 10 |
| | 288 | 00 | 04 | 66 | | 2338 | 00 | 01 | 89 |
| | 291 | 00 | 00 | 10 | | 2332 | 00 | 07 | 67 |
| | 377 | 00 | 01 | 21 | | 2339 | 00 | 00 | 10 |
| | 244 | 00 | 51 | 68 | | 2349 | 00 | 60 | 44 |
| | 285 | 00 | 00 | 43 | | 2348 | 00 | 03 | 92 |
| | 468 | 00 | 00 | 38 | | 2346 | 00 | 06 | 59 |
| | 286 | 00 | 12 | 66 | | 2347 | 00 | 04 | 97 |
| | 246 | 00 | 04 | 48 | | 2345 | 00 | 58 | 17 |
| | 247 | 00 | 08 | 06 | | 2542 | 00 | 10 | 86 |
| | 39 | 00 | 02 | 05 | | 2523 | 00 | 54 | 98 |
| | 41 | 00 | 02 | 22 | | 2585 | 00 | 02 | 37 |
| | 42 | 00 | 20 | 32 | | 2524 | 00 | 03 | 20 |
| | 43 | 00 | 00 | 81 | | 2602 | 00 | 00 | 10 |
| | 357 | 00 | 05 | 54 | | 2525 | 00 | 04 | 78 |
| | 239 | 00 | 02 | 24 | | 2526 | 00 | 02 | 16 |
| | 233 | 00 | 04 | 50 | | 2527 | 00 | 10 | 84 |
| | 234 | 00 | 10 | 36 | | 2529 | 00 | 00 | 41 |
| | 232 | 00 | 00 | 10 | Badsinghari | 331 | 00 | 80 | 75 |
| | 231 | 00 | 00 | 77 | | 357 | 00 | 02 | 90 |
| | 235 | 00 | 00 | 10 | | 717 | 00 | 02 | 16 |
| | 64 | 00 | 12 | 77 | | 716 | 00 | 04 | 35 |
| | 63 | 00 | 00 | 39 | | 610 | 00 | 00 | 33 |
| | 62 | 00 | 04 | 34 | | 611 | 00 | 05 | 09 |
| | 61 | 00 | 02 | 32 | | 612 | 00 | 02 | 35 |
| | 56 | 00 | 08 | 32 | | 582 | 00 | 00 | 10 |
| | 58 | 00 | 19 | 36 | | 622 | 00 | 04 | 87 |
| | 391 | 00 | 05 | 20 | | 577 | 00 | 04 | 18 |
| | 57 | 00 | 01 | 10 | | 578 | 00 | 04 | 59 |
| | 392 | 00 | 00 | 10 | | 378 | 00 | 06 | 61 |
| | 84 | 00 | 06 | 18 | | 377 | 00 | 06 | 16 |
| | 92 | 00 | 00 | 82 | | 621 | 00 | 02 | 57 |
| | 97 | 00 | 16 | 50 | | 376 | 00 | 03 | 79 |
| | 424 | 00 | 00 | 10 | | 564 | 00 | 14 | 49 |
| | 123 | 00 | 09 | 10 | | 387 | 00 | 01 | 90 |
| | 367 | 00 | 00 | 36 | | 529 | 00 | 25 | 22 |
| | 121 | 00 | 27 | 81 | | 528 | 00 | 07 | 56 |
| | 349 | 00 | 00 | 81 | | 533 | 00 | 00 | 94 |
| | 450 | 00 | 00 | 65 | | 514 | 00 | 27 | 37 |
| | 117 | 00 | 00 | 39 | | 515 | 00 | 00 | 10 |
| | 99 | 00 | 22 | 33 | | 655 | 00 | 10 | 91 |
| | 103 | 00 | 14 | 80 | | 683 | 00 | 04 | 50 |
| | | | | | | 715 | 00 | 01 | 42 |
| | | | | | | 511 | 00 | 01 | 48 |
| | | | | | | 674 | 00 | 01 | 73 |
| | | | | | | 673 | 00 | 05 | 54 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|-----|----|----|----|---|-----|----|----|----|
| | 502 | 00 | 14 | 36 | | 22 | 00 | 15 | 04 |
| | 491 | 00 | 00 | 88 | | 27 | 00 | 00 | 95 |
| | 490 | 00 | 08 | 08 | | 28 | 00 | 16 | 44 |
| | 487 | 00 | 04 | 43 | | 489 | 00 | 00 | 10 |
| | 488 | 00 | 04 | 01 | | 490 | 00 | 07 | 93 |
| | 489 | 00 | 01 | 07 | | 161 | 00 | 06 | 06 |
| | 486 | 00 | 03 | 74 | | 157 | 00 | 00 | 10 |
| | 485 | 00 | 02 | 16 | | 630 | 00 | 16 | 71 |
| | 591 | 00 | 16 | 24 | | 488 | 00 | 00 | 14 |
| | 483 | 00 | 05 | 76 | | 156 | 00 | 02 | 38 |
| | 679 | 00 | 00 | 10 | | 487 | 00 | 00 | 17 |
| | 472 | 00 | 06 | 26 | | 154 | 00 | 00 | 10 |
| | 474 | 00 | 04 | 33 | | 153 | 00 | 03 | 21 |
| | 473 | 00 | 02 | 83 | | 165 | 00 | 01 | 09 |
| | 428 | 00 | 02 | 56 | | 166 | 00 | 01 | 36 |
| | 427 | 00 | 08 | 68 | | 167 | 00 | 05 | 29 |
| | 418 | 00 | 09 | 82 | | 628 | 00 | 02 | 29 |
| | 419 | 00 | 08 | 72 | | 148 | 00 | 01 | 10 |
| | 420 | 00 | 03 | 24 | | 147 | 00 | 04 | 39 |
| | 421 | 00 | 11 | 49 | | 146 | 00 | 02 | 80 |
| | 422 | 00 | 02 | 32 | | 145 | 00 | 06 | 56 |
| | 77 | 00 | 07 | 49 | | 650 | 00 | 00 | 38 |
| | 114 | 00 | 10 | 59 | | 144 | 00 | 06 | 34 |
| | 113 | 00 | 10 | 10 | | 143 | 00 | 05 | 49 |
| | 112 | 00 | 11 | 46 | | 142 | 00 | 03 | 81 |
| | 111 | 00 | 00 | 10 | | 188 | 00 | 00 | 17 |
| | 110 | 00 | 02 | 76 | | 133 | 00 | 16 | 55 |
| | 119 | 00 | 02 | 40 | | 485 | 00 | 01 | 83 |
| | 109 | 00 | 14 | 41 | | 125 | 00 | 08 | 27 |
| | 108 | 00 | 01 | 64 | | 123 | 00 | 01 | 01 |
| | 107 | 00 | 00 | 10 | | 194 | 00 | 00 | 30 |
| | 80 | 00 | 03 | 48 | | 124 | 00 | 03 | 01 |
| | 84 | 00 | 09 | 22 | | 121 | 00 | 00 | 57 |
| | 83 | 00 | 10 | 75 | | 119 | 00 | 04 | 71 |
| | 82 | 00 | 37 | 38 | | 118 | 00 | 05 | 25 |
| | 728 | 00 | 00 | 75 | | 117 | 00 | 09 | 06 |
| | 729 | 00 | 00 | 90 | | 484 | 00 | 00 | 21 |
| | 56 | 00 | 00 | 97 | | 206 | 00 | 02 | 90 |
| | 33 | 00 | 04 | 26 | | 207 | 00 | 07 | 73 |
| | 30 | 00 | 02 | 46 | | 113 | 00 | 01 | 67 |
| | 55 | 01 | 41 | 40 | | 112 | 00 | 10 | 76 |
| Basantpur | 469 | 00 | 84 | 75 | | 92 | 00 | 01 | 05 |
| | 384 | 00 | 53 | 36 | | 91 | 00 | 00 | 98 |
| | 468 | 00 | 38 | 49 | | 90 | 00 | 02 | 01 |
| | 382 | 00 | 32 | 25 | | 89 | 00 | 13 | 38 |
| | 14 | 00 | 97 | 06 | | 88 | 00 | 01 | 72 |
| | 15 | 00 | 07 | 21 | | 87 | 00 | 10 | 92 |
| | | | | | | 86 | 00 | 77 | 46 |

| 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|----|----|----|
| 5377 | 00 | 01 | 22 |
| 5366 | 00 | 19 | 27 |
| 5368 | 00 | 18 | 29 |
| 5353 | 00 | 05 | 10 |
| 5361 | 00 | 11 | 51 |
| 5352 | 00 | 00 | 37 |
| 5370 | 00 | 02 | 46 |
| 5375 | 00 | 15 | 58 |
| 5377 | 00 | 07 | 28 |
| 5373 | 00 | 04 | 02 |
| 5343 | 00 | 01 | 78 |
| 5344 | 00 | 51 | 98 |
| 5346 | 00 | 03 | 93 |
| 5347 | 00 | 01 | 14 |
| 5348 | 00 | 02 | 72 |
| 5345 | 00 | 10 | 76 |
| 5348 | 00 | 14 | 56 |
| 5334 | 00 | 01 | 34 |
| 2347 | 00 | 02 | 08 |
| 2348 | 00 | 04 | 91 |
| 2340 | 00 | 25 | 47 |
| 2341 | 00 | 02 | 17 |
| 2346 | 00 | 08 | 51 |
| 2339 | 00 | 00 | 10 |
| 2342 | 00 | 03 | 71 |
| 2332 | 00 | 03 | 32 |
| 2333 | 00 | 00 | 20 |
| 2331 | 00 | 07 | 33 |
| 2330 | 00 | 03 | 80 |
| 2270 | 00 | 10 | 01 |
| 2111 | 00 | 03 | 98 |
| 5684 | 00 | 06 | 70 |
| 2177 | 00 | 00 | 62 |
| 2185 | 00 | 02 | 56 |
| 2184 | 00 | 12 | 92 |
| 2182 | 00 | 02 | 95 |
| 2183 | 00 | 07 | 64 |
| 2196 | 00 | 06 | 86 |
| 2190 | 00 | 17 | 99 |
| 2165 | 00 | 05 | 72 |
| 2209 | 00 | 03 | 03 |
| 2207 | 00 | 12 | 06 |
| 2208 | 00 | 01 | 84 |
| 2201 | 00 | 03 | 34 |
| 2205 | 00 | 01 | 62 |
| 2219 | 00 | 00 | 10 |
| 2220 | 00 | 04 | 75 |
| 2217 | 00 | 00 | 41 |
| 2216 | 00 | 00 | 10 |
| 2215 | 00 | 00 | 10 |

2361R-2501114/2910-OR-1]
B K DATTA, P. B. Sanyal

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1822.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पारादीप (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं राँची (झारखण्ड) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा "पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन" बिछाई जानी चाहिये;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि, जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना को प्रतिपादित जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री सुकान्त कुमार प्रधान, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन परियोजना, 1295, फॉरेस्ट गार्ड, भुवनेश्वर-751009 (उड़ीसा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

| तहसील-अनुगुल | जिला-अनुगुल | राज्य-उड़ीसा | | |
|--------------|-------------|--------------|-----|-----------|
| पट्टा का नाम | प्लॉट नं. | क्षेत्रफल | | |
| | | हेक्टेयर | एयर | वर्ग मीटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| गुडीयापाडा | 856 | 00 | 04 | 71 |
| | 857 | 00 | 02 | 12 |
| बडकेरा | 147 | 00 | 05 | 49 |
| | 143 | 00 | 03 | 14 |
| | 144 | 00 | 07 | 20 |
| | 134 | 00 | 11 | 45 |
| | 133 | 00 | 27 | 78 |
| | 130 | 00 | 00 | 10 |
| | 180 | 00 | 01 | 25 |
| | 181 | 00 | 01 | 42 |
| | 182 | 00 | 00 | 90 |
| | 189 | 00 | 05 | 03 |
| | 190 | 00 | 01 | 74 |
| | 191 | 00 | 03 | 96 |
| | 185 | 00 | 05 | 04 |
| | 194 | 00 | 01 | 83 |
| | 64 | 00 | 14 | 89 |
| | 34 | 00 | 02 | 45 |
| | 53 | 00 | 02 | 92 |
| | 22 | 00 | 01 | 54 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|------|----|----|----|----------|------|----|----|----|
| बडकेरा | 51 | 00 | 10 | 59 | बालुआकटा | 177 | 00 | 35 | 22 |
| | 57 | 00 | 01 | 28 | | 176 | 00 | 03 | 67 |
| | 50 | 00 | 03 | 56 | | 173 | 00 | 02 | 42 |
| | 2 | 00 | 10 | 23 | | 174 | 00 | 11 | 16 |
| सबलभंगा | 252 | 00 | 01 | 12 | | 172 | 00 | 18 | 69 |
| जंगल | 251 | 00 | 08 | 27 | | 171 | 00 | 01 | 18 |
| | 249 | 00 | 03 | 79 | | 169 | 00 | 12 | 81 |
| | 214 | 00 | 06 | 94 | | 179 | 00 | 00 | 30 |
| | 216 | 00 | 00 | 36 | | 168 | 00 | 04 | 44 |
| | 217 | 00 | 13 | 82 | | 155 | 00 | 01 | 87 |
| | 222 | 00 | 22 | 33 | | 144 | 00 | 05 | 10 |
| | 221 | 00 | 00 | 45 | | 143 | 00 | 08 | 99 |
| | 223 | 00 | 00 | 10 | | 138 | 00 | 08 | 14 |
| | 476 | 00 | 03 | 56 | | 136 | 00 | 13 | 11 |
| | 153 | 00 | 01 | 20 | | 134 | 00 | 02 | 59 |
| | 123 | 00 | 01 | 20 | | 135 | 00 | 03 | 13 |
| | 122 | 00 | 01 | 16 | | 117 | 00 | 21 | 91 |
| | 121 | 00 | 01 | 11 | | 119 | 00 | 02 | 04 |
| | 44 | 00 | 02 | 01 | | 26 | 00 | 08 | 37 |
| | 45 | 00 | 23 | 86 | | 27 | 00 | 08 | 36 |
| | 46 | 00 | 01 | 35 | | 25 | 00 | 00 | 30 |
| | 50 | 00 | 11 | 06 | | 24 | 00 | 02 | 61 |
| | 49 | 00 | 04 | 04 | | 23 | 00 | 07 | 39 |
| | 105 | 00 | 05 | 97 | | 1592 | 00 | 00 | 10 |
| | 57 | 00 | 02 | 80 | | 22 | 00 | 07 | 68 |
| | 58 | 00 | 08 | 62 | | 36 | 00 | 14 | 91 |
| | 496 | 00 | 03 | 61 | | 40 | 00 | 09 | 50 |
| | 495 | 00 | 07 | 11 | | 42 | 00 | 08 | 15 |
| | 56 | 00 | 03 | 28 | | 47 | 00 | 13 | 62 |
| बालुआकटा | 1098 | 00 | 03 | 88 | | 46 | 00 | 01 | 08 |
| | 1097 | 00 | 11 | 76 | | 45 | 00 | 00 | 51 |
| | 1068 | 00 | 00 | 87 | बलरामपुर | 776 | 00 | 00 | 20 |
| | 1063 | 00 | 10 | 51 | | 775 | 00 | 00 | 38 |
| | 1062 | 00 | 01 | 78 | | 752 | 00 | 03 | 81 |
| | 1003 | 01 | 16 | 84 | | 751 | 00 | 01 | 89 |
| | 1061 | 00 | 08 | 68 | | 750 | 00 | 00 | 10 |
| | 1058 | 00 | 09 | 18 | | 745 | 00 | 00 | 53 |
| | 1052 | 00 | 10 | 02 | | 744 | 00 | 00 | 64 |
| | 1028 | 00 | 01 | 14 | | 743 | 00 | 00 | 75 |
| | 1029 | 00 | 00 | 21 | | 741 | 00 | 00 | 36 |
| | 1057 | 00 | 16 | 08 | | 632 | 00 | 00 | 48 |
| | 1010 | 00 | 10 | 99 | | 631 | 00 | 02 | 84 |
| | 1007 | 00 | 07 | 26 | | 630 | 00 | 00 | 10 |
| | 1002 | 00 | 04 | 93 | | 608 | 00 | 03 | 82 |
| | 998 | 00 | 03 | 54 | | 609 | 00 | 02 | 24 |
| | 185 | 00 | 05 | 91 | | 610 | 00 | 00 | 77 |
| | 184 | 00 | 02 | 36 | | 611 | 00 | 01 | 77 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|-----|----|----|----|----------------|------|----|----|----|
| बलरामपुर | 626 | 00 | 00 | 90 | बलरामपुर | 397 | 00 | 07 | 79 |
| | 625 | 00 | 00 | 68 | | 399 | 00 | 00 | 10 |
| | 614 | 00 | 01 | 33 | | 398 | 00 | 00 | 40 |
| | 612 | 00 | 01 | 57 | | 401 | 00 | 00 | 10 |
| | 613 | 00 | 02 | 71 | | 1266 | 00 | 00 | 10 |
| | 592 | 00 | 00 | 21 | | 385 | 00 | 13 | 39 |
| | 591 | 00 | 03 | 75 | | 278 | 00 | 29 | 26 |
| | 589 | 00 | 02 | 37 | | 279 | 00 | 06 | 31 |
| | 585 | 00 | 00 | 90 | | 1318 | 00 | 04 | 02 |
| | 508 | 00 | 00 | 32 | | 254 | 00 | 01 | 83 |
| | 588 | 00 | 04 | 17 | | 1316 | 00 | 00 | 10 |
| | 569 | 00 | 00 | 40 | | 1315 | 00 | 04 | 56 |
| | 509 | 00 | 01 | 35 | | 248 | 00 | 00 | 70 |
| 1268 | 00 | 00 | 00 | 81 | | 1314 | 00 | 00 | 02 |
| 587 | 00 | 02 | 02 | 37 | | 253 | 00 | 05 | 18 |
| 526 | 00 | 00 | 00 | 40 | | 252 | 00 | 07 | 37 |
| 525 | 00 | 02 | 02 | 03 | | 251 | 00 | 18 | 06 |
| 527 | 00 | 00 | 00 | 39 | | 212 | 00 | 01 | 13 |
| 528 | 00 | 00 | 00 | 50 | | 211 | 00 | 00 | 62 |
| 529 | 00 | 00 | 00 | 45 | श्यामसुन्दरपुर | 1848 | 00 | 03 | 09 |
| 530 | 00 | 01 | 01 | 38 | | 1849 | 00 | 68 | 27 |
| 522 | 00 | 00 | 00 | 36 | | 1826 | 00 | 00 | 10 |
| 531 | 00 | 02 | 02 | 87 | | 1823 | 00 | 01 | 12 |
| 521 | 00 | 02 | 02 | 25 | | 1820 | 00 | 01 | 02 |
| 447 | 00 | 00 | 00 | 65 | | 1819 | 00 | 03 | 49 |
| 446 | 00 | 02 | 02 | 06 | | 1816 | 00 | 03 | 08 |
| 448 | 00 | 02 | 02 | 83 | | 1811 | 00 | 03 | 45 |
| 450 | 00 | 01 | 01 | 83 | | 1810 | 00 | 03 | 31 |
| 449 | 00 | 00 | 00 | 10 | | 1805 | 00 | 00 | 52 |
| 445 | 00 | 02 | 02 | 86 | | 2126 | 00 | 00 | 44 |
| 444 | 00 | 11 | 11 | 10 | | 2193 | 00 | 00 | 65 |
| 411 | 00 | 02 | 02 | 02 | | 1794 | 00 | 00 | 10 |
| 412 | 00 | 00 | 00 | 62 | | 1793 | 00 | 01 | 51 |
| 410 | 00 | 06 | 06 | 49 | | 1792 | 00 | 00 | 72 |
| 409 | 00 | 00 | 00 | 17 | | 1791 | 00 | 01 | 52 |
| 408 | 00 | 00 | 00 | 80 | | 1789 | 00 | 01 | 81 |
| 407 | 00 | 01 | 01 | 68 | | 1788 | 00 | 02 | 29 |
| 533 | 00 | 00 | 00 | 20 | | 1790 | 00 | 02 | 49 |
| 406 | 00 | 10 | 10 | 17 | | 1787 | 00 | 02 | 11 |
| 389 | 00 | 00 | 00 | 10 | | 1784 | 00 | 01 | 21 |
| 390 | 00 | 00 | 00 | 16 | | 1783 | 00 | 00 | 39 |
| 391 | 00 | 00 | 00 | 50 | | 1781 | 00 | 00 | 26 |
| 393 | 00 | 01 | 01 | 94 | | 1771 | 00 | 00 | 71 |
| 394 | 00 | 00 | 00 | 81 | | 1773 | 00 | 00 | 16 |
| 405 | 00 | 00 | 00 | 12 | | 1782 | 00 | 00 | 81 |
| 395 | 00 | 00 | 00 | 16 | | 1777 | 00 | 00 | 71 |
| 396 | 00 | 00 | 00 | 65 | | 1778 | 00 | 00 | 10 |

| क्र.सं. | वर्ग | प्रमाण | मूल्य | कुल मूल्य | विवरण |
|---------|------|--------|-------|-----------|-------|
| 1 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 2 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 3 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 4 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 5 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 6 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 7 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 8 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 9 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 10 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 11 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 12 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 13 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 14 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 15 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 16 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 17 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 18 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 19 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 20 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 21 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 22 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 23 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 24 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 25 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 26 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 27 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 28 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 29 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 30 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 31 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 32 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 33 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 34 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 35 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 36 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 37 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 38 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 39 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 40 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 41 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 42 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 43 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 44 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 45 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 46 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 47 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 48 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 49 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 50 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 51 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 52 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 53 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 54 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 55 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 56 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 57 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 58 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 59 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 60 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 61 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 62 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 63 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 64 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 65 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 66 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 67 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 68 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 69 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 70 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 71 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 72 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 73 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 74 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 75 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 76 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 77 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 78 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 79 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 80 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 81 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 82 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 83 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 84 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 85 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 86 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 87 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 88 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 89 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 90 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 91 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 92 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 93 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 94 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 95 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 96 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 97 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 98 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 99 | 10 | 10 | 10 | 10 | |
| 100 | 10 | 10 | 10 | 10 | |

New Delhi: 1st September, 1959

WHEREAS, it is expedient that the Central Government should, for the purpose of laying a pipeline, it is necessary to acquire the rights in the land described in the schedule annexed to this order;

And whereas, it appears that the Government of Orissa for the purpose of laying a pipeline, it is necessary to acquire the rights in the land described in the schedule annexed to this order;

Now, therefore, it is hereby ordered that the following section (1) of the Indian Oil Corporation Act, 1947 (No. 45 of 1947) shall have effect as if it contained the following provisions, namely:—

Any person interested in the land described in the schedule may, within six months from the date on which the copies of this order published in the Gazette of India, are made available to the General Public, send in writing to the Government of Orissa, a request for laying of the pipeline in the land described in the schedule to Sri Jaganath Kumar Pradhan, Commissioner, Indian Oil Corporation Limited, Parade Ground, Cuttack, Orissa (Project, 1295, Forest Park, Cuttack, Orissa 751009, Orissa).

Schedule

| Dist. | Block | Area (Acres) | Orissa |
|---------------------|-------|--------------|--------|
| Name of the Village | Pl. | Area (Acres) | Mtr. |
| 1 | 2 | 3 | 5 |
| Rangapara | 88 | 12 | 71 |
| | 88 | 12 | 12 |
| Bandara | 107 | 12 | 49 |
| | 143 | 12 | 14 |
| | 144 | 12 | 20 |
| | 154 | 12 | 45 |
| | 155 | 12 | 78 |
| | 156 | 12 | 10 |
| | 157 | 12 | 25 |
| | 158 | 12 | 42 |
| | 159 | 12 | 90 |
| | 160 | 12 | 63 |
| | 161 | 12 | 74 |
| | 162 | 12 | 96 |
| | 163 | 12 | 04 |
| | 164 | 12 | 33 |
| | 165 | 12 | 59 |
| | 166 | 12 | 45 |
| | 167 | 12 | 92 |
| | 168 | 12 | 14 |
| | 169 | 12 | 59 |
| | 170 | 12 | 28 |
| | 171 | 12 | 56 |
| | 172 | 12 | 23 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------|------|----|----|----|
| Sabalabhang | 252 | 00 | 01 | 12 |
| Jangal | 251 | 00 | 08 | 27 |
| | 249 | 00 | 03 | 79 |
| | 214 | 00 | 06 | 94 |
| | 216 | 00 | 00 | 36 |
| | 217 | 00 | 13 | 82 |
| | 222 | 00 | 22 | 33 |
| | 221 | 00 | 00 | 45 |
| | 223 | 00 | 00 | 10 |
| | 476 | 00 | 03 | 56 |
| | 153 | 00 | 01 | 20 |
| | 123 | 00 | 01 | 20 |
| | 122 | 00 | 01 | 16 |
| | 121 | 00 | 01 | 11 |
| | 44 | 00 | 02 | 01 |
| | 45 | 00 | 23 | 86 |
| | 46 | 00 | 01 | 35 |
| | 50 | 00 | 11 | 06 |
| | 49 | 00 | 04 | 04 |
| | 105 | 00 | 05 | 97 |
| | 57 | 00 | 02 | 80 |
| | 58 | 00 | 08 | 62 |
| | 496 | 00 | 03 | 61 |
| | 495 | 00 | 07 | 11 |
| | 56 | 00 | 03 | 28 |
| Baluakata | 1098 | 00 | 03 | 88 |
| | 1097 | 00 | 11 | 76 |
| | 1068 | 00 | 00 | 87 |
| | 1063 | 00 | 10 | 51 |
| | 1062 | 00 | 01 | 78 |
| | 1003 | 01 | 16 | 84 |
| | 1061 | 00 | 08 | 68 |
| | 1058 | 00 | 09 | 18 |
| | 1052 | 00 | 10 | 02 |
| | 1028 | 00 | 01 | 14 |
| | 1029 | 00 | 00 | 21 |
| | 1057 | 00 | 16 | 08 |
| | 1010 | 00 | 10 | 99 |
| | 1007 | 00 | 07 | 26 |
| | 1002 | 00 | 04 | 93 |
| | 998 | 00 | 03 | 54 |
| | 185 | 00 | 05 | 91 |
| | 184 | 00 | 02 | 36 |
| | 177 | 00 | 35 | 22 |
| | 176 | 00 | 03 | 67 |
| | 173 | 00 | 02 | 42 |
| | 174 | 00 | 11 | 16 |
| | 172 | 00 | 18 | 60 |
| | 171 | 00 | 01 | 18 |
| | 169 | 00 | 12 | 81 |
| | 179 | 00 | 00 | 30 |
| | 168 | 00 | 04 | 44 |
| | 155 | 00 | 01 | 87 |

| | 2 | 3 | 4 | 5 | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------|------|----|----|----|----------------|------|----|----|----|---|
| Baluakata | 144 | 00 | 05 | 10 | Balaramapur | 525 | 00 | 02 | 03 | |
| | 143 | 00 | 08 | 99 | | 527 | 00 | 00 | 39 | |
| | 138 | 00 | 08 | 14 | | 528 | 00 | 00 | 50 | |
| | 136 | 00 | 13 | 11 | | 529 | 00 | 00 | 45 | |
| | 134 | 00 | 02 | 59 | | 530 | 00 | 01 | 38 | |
| | 135 | 00 | 03 | 13 | | 522 | 00 | 00 | 36 | |
| | 117 | 00 | 21 | 01 | | 531 | 00 | 02 | 87 | |
| | 119 | 00 | 02 | 04 | | 531 | 00 | 02 | 25 | |
| | 26 | 00 | 08 | 37 | | 447 | 00 | 00 | 61 | |
| | 27 | 00 | 08 | 36 | | 446 | 00 | 02 | 06 | |
| | 25 | 00 | 00 | 30 | | 448 | 00 | 02 | 83 | |
| | 24 | 00 | 02 | 61 | | 450 | 00 | 01 | 83 | |
| | 23 | 00 | 07 | 30 | | 449 | 00 | 00 | 10 | |
| | 1592 | 00 | 00 | 10 | | 445 | 00 | 02 | 86 | |
| | 22 | 00 | 07 | 68 | | 444 | 00 | 11 | 10 | |
| | 36 | 00 | 14 | 91 | | 411 | 00 | 02 | 02 | |
| | 40 | 00 | 09 | 50 | | 412 | 00 | 00 | 62 | |
| | 42 | 00 | 08 | 15 | | 410 | 00 | 06 | 29 | |
| | 47 | 00 | 13 | 62 | | 409 | 00 | 00 | 17 | |
| | 46 | 00 | 01 | 08 | | 408 | 00 | 00 | 80 | |
| | 45 | 00 | 00 | 51 | | 407 | 00 | 01 | 68 | |
| Balaramapur | 776 | 00 | 00 | 20 | | 337 | 00 | 00 | 20 | |
| | 775 | 00 | 00 | 38 | | 406 | 00 | 10 | 17 | |
| | 752 | 00 | 03 | 81 | | 389 | 00 | 00 | 10 | |
| | 751 | 00 | 01 | 89 | | 390 | 00 | 00 | 16 | |
| | 750 | 00 | 00 | 10 | | 391 | 00 | 00 | 50 | |
| | 745 | 00 | 00 | 53 | | 393 | 00 | 01 | 94 | |
| | 744 | 00 | 00 | 64 | | 394 | 00 | 00 | 81 | |
| | 743 | 00 | 00 | 73 | | 405 | 00 | 00 | 12 | |
| | 741 | 00 | 00 | 30 | | 395 | 00 | 00 | 16 | |
| | 632 | 00 | 00 | 48 | | 396 | 00 | 00 | 65 | |
| | 631 | 00 | 02 | 84 | | 397 | 00 | 07 | 79 | |
| | 630 | 00 | 00 | 10 | | 399 | 00 | 00 | 10 | |
| | 608 | 00 | 03 | 82 | | 398 | 00 | 00 | 40 | |
| | 609 | 00 | 02 | 24 | | 401 | 00 | 00 | 10 | |
| | 610 | 00 | 00 | 77 | | 1266 | 00 | 00 | 16 | |
| | 611 | 00 | 01 | 77 | | 385 | 00 | 13 | 39 | |
| | 626 | 00 | 00 | 90 | | 278 | 00 | 29 | 26 | |
| | 625 | 00 | 00 | 68 | | 279 | 00 | 06 | 31 | |
| | 614 | 00 | 01 | 33 | | 1318 | 00 | 04 | 02 | |
| | 612 | 00 | 01 | 57 | | 284 | 00 | 01 | 83 | |
| | 613 | 00 | 02 | 71 | | 1316 | 00 | 00 | 10 | |
| | 592 | 00 | 00 | 21 | | 1315 | 00 | 01 | 55 | |
| | 591 | 00 | 03 | 75 | | 248 | 00 | 00 | 70 | |
| | 589 | 00 | 02 | 37 | | 1314 | 00 | 00 | 62 | |
| | 585 | 00 | 00 | 90 | | 253 | 00 | 05 | 18 | |
| | 508 | 00 | 00 | 32 | | 252 | 00 | 07 | 37 | |
| | 588 | 00 | 04 | 17 | | 251 | 00 | 18 | 06 | |
| | 569 | 00 | 00 | 40 | | 212 | 00 | 01 | 13 | |
| | 509 | 00 | 01 | 35 | | 211 | 00 | 00 | 62 | |
| | 1268 | 00 | 00 | 81 | Syamasundarpur | 1848 | 00 | 03 | 09 | |
| | 587 | 00 | 02 | 37 | | 1849 | 00 | 68 | 27 | |
| | 526 | 00 | 00 | 40 | | 1826 | 00 | 00 | 10 | |

[No. R-25011/15/2010-OR-I]
B. K. DUTTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1823.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पारादीप (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं राँची (झारखण्ड) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा "पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन" बिछाई जानी चाहिये;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि, जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री सुकांत कुमार प्रधान, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन परियोजना, 1295, फॉरेस्ट पार्क, भुवनेश्वर-751009 (उड़ीसा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेंगा।

अनुसूची

| तहसील-बैरपाल | जिला-अनुगुल | राज्य-उड़ीसा | | |
|--------------|-------------|--------------|-----|-----------|
| गांव का नाम | प्लॉट नं. | क्षेत्रफल | | |
| | | हेक्टर | एयर | वर्ग मीटर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| तलाहल | 789 | 00 | 17 | 61 |
| | 788 | 00 | 00 | 94 |
| | 475 | 00 | 11 | 64 |
| | 477 | 00 | 01 | 01 |
| | 476 | 00 | 01 | 81 |
| | 478 | 00 | 05 | 43 |
| | 479 | 00 | 03 | 85 |
| | 484 | 00 | 00 | 68 |
| | 483 | 00 | 01 | 33 |
| | 480 | 00 | 04 | 14 |
| | 481 | 00 | 07 | 59 |
| | 482 | 00 | 00 | 62 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|-----|----|----|----|
| तलाहल | 466 | 00 | 04 | 16 |
| | 467 | 00 | 00 | 69 |
| | 465 | 00 | 08 | 81 |
| | 464 | 00 | 01 | 46 |
| | 459 | 00 | 03 | 53 |
| | 460 | 00 | 04 | 79 |
| | 461 | 00 | 03 | 24 |
| | 462 | 00 | 00 | 74 |
| | 463 | 00 | 04 | 38 |
| | 340 | 00 | 38 | 85 |
| | 1 | 00 | 13 | 68 |
| | 339 | 00 | 00 | 86 |
| | 338 | 00 | 01 | 00 |
| | 337 | 00 | 00 | 72 |
| पुरुकीया | 658 | 00 | 01 | 39 |
| | 657 | 00 | 05 | 39 |
| | 659 | 00 | 04 | 50 |
| | 653 | 00 | 03 | 56 |
| | 654 | 00 | 03 | 35 |
| | 648 | 00 | 08 | 45 |
| | 643 | 00 | 11 | 14 |
| | 647 | 00 | 06 | 27 |
| | 646 | 00 | 05 | 23 |
| | 635 | 00 | 13 | 38 |
| | 631 | 00 | 09 | 74 |
| | 630 | 00 | 04 | 48 |
| | 629 | 00 | 04 | 86 |
| | 628 | 00 | 02 | 23 |
| | 627 | 00 | 12 | 09 |
| | 571 | 00 | 02 | 34 |
| | 478 | 00 | 00 | 36 |
| | 480 | 00 | 14 | 57 |
| | 479 | 00 | 01 | 26 |
| | 482 | 00 | 11 | 53 |
| | 456 | 00 | 13 | 55 |
| | 430 | 00 | 06 | 32 |
| | 429 | 00 | 00 | 89 |
| | 432 | 00 | 00 | 61 |
| | 434 | 00 | 02 | 49 |
| | 435 | 00 | 05 | 66 |
| | 405 | 00 | 00 | 46 |
| | 824 | 00 | 04 | 01 |
| | 404 | 00 | 28 | 92 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|------|----|----|----|----------|------|----|----|----|
| पुरुकिया | 388 | 00 | 25 | 11 | बारसिया | 945 | 00 | 00 | 10 |
| | 382 | 00 | 03 | 75 | | 946 | 00 | 07 | 85 |
| | 20 | 00 | 02 | 94 | | 950 | 00 | 01 | 44 |
| | 14 | 00 | 00 | 95 | | 948 | 00 | 13 | 50 |
| | 13 | 00 | 28 | 79 | | 947 | 00 | 00 | 10 |
| | 8 | 00 | 13 | 80 | | 960 | 00 | 06 | 65 |
| | 1 | 00 | 13 | 38 | | 961 | 00 | 05 | 22 |
| | 25 | 00 | 01 | 76 | | 1058 | 00 | 00 | 52 |
| | 28 | 00 | 17 | 26 | | 1059 | 00 | 04 | 44 |
| | 35 | 00 | 17 | 03 | | 1061 | 00 | 03 | 94 |
| | 36 | 00 | 10 | 56 | | 1062 | 00 | 05 | 64 |
| अराहाट | 577 | 00 | 33 | 90 | | 1253 | 00 | 02 | 23 |
| | 578 | 00 | 10 | 87 | | 1255 | 00 | 12 | 81 |
| | 572 | 00 | 16 | 44 | | 1256 | 00 | 03 | 45 |
| | 1969 | 00 | 00 | 55 | | 1254 | 00 | 00 | 31 |
| | 1970 | 00 | 15 | 05 | | 1252 | 00 | 07 | 27 |
| | 571 | 00 | 01 | 06 | | 1246 | 00 | 01 | 20 |
| | 570 | 00 | 08 | 10 | | 1245 | 00 | 00 | 80 |
| | 566 | 00 | 00 | 10 | | 1244 | 00 | 00 | 90 |
| | 569 | 00 | 05 | 91 | | 1208 | 00 | 01 | 95 |
| | 568 | 00 | 04 | 44 | | 1211 | 00 | 5 | 47 |
| | 591 | 00 | 01 | 72 | | 1213 | 00 | 04 | 70 |
| | 628 | 00 | 16 | 61 | | 1214 | 00 | 05 | 00 |
| | 627 | 00 | 02 | 59 | | 1215 | 00 | 00 | 44 |
| | 621 | 00 | 10 | 49 | | 1217 | 00 | 17 | 79 |
| | 620 | 00 | 09 | 96 | | 1224 | 00 | 04 | 03 |
| | 595 | 00 | 07 | 14 | | 1318 | 00 | 05 | 55 |
| | 596 | 00 | 09 | 34 | अंगारबंद | 1886 | 00 | 06 | 30 |
| | 597 | 00 | 14 | 23 | | 3301 | 00 | 00 | 70 |
| | 598 | 00 | 08 | 20 | | 3304 | 00 | 00 | 98 |
| | 600 | 00 | 03 | 76 | | 3303 | 00 | 05 | 91 |
| | 599 | 00 | 09 | 36 | | 3302 | 00 | 00 | 44 |
| | 750 | 00 | 01 | 12 | | 3348 | 00 | 20 | 27 |
| | 432 | 00 | 04 | 83 | | 3341 | 00 | 04 | 39 |
| | 752 | 00 | 07 | 32 | | 3343 | 00 | 05 | 83 |
| | 751 | 00 | 00 | 10 | | 3462 | 00 | 10 | 14 |
| | 753 | 00 | 04 | 55 | | 3461 | 00 | 03 | 84 |
| | 754 | 00 | 05 | 53 | | 3424 | 00 | 03 | 16 |
| | 755 | 00 | 00 | 46 | | 4102 | 00 | 04 | 52 |
| | 138 | 00 | 11 | 81 | | 3425 | 00 | 01 | 71 |
| | 1942 | 00 | 05 | 16 | | 4101 | 00 | 01 | 90 |
| | 759 | 00 | 03 | 02 | | 3427 | 00 | 03 | 79 |
| | 136 | 00 | 01 | 11 | | 3428 | 00 | 00 | 10 |
| | 135 | 00 | 01 | 48 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|------|----|----|----|-----------|------|----|----|----|
| अंगारबन्ध | 3429 | 00 | 01 | 01 | अंगारबन्ध | 2716 | 00 | 01 | 67 |
| | 3431 | 00 | 02 | 20 | | 2761 | 00 | 00 | 65 |
| | 3927 | 00 | 00 | 77 | | 2715 | 00 | 01 | 67 |
| | 3432 | 00 | 02 | 12 | | 2714 | 00 | 02 | 28 |
| | 3928 | 00 | 00 | 77 | | 2762 | 00 | 01 | 84 |
| | 3926 | 00 | 01 | 93 | | 2713 | 00 | 02 | 69 |
| | 3433 | 00 | 01 | 93 | | 2767 | 00 | 01 | 38 |
| | 3434 | 00 | 00 | 24 | | 2712 | 00 | 03 | 30 |
| | 2971 | 00 | 01 | 67 | | 2765 | 00 | 04 | 94 |
| | 2970 | 00 | 03 | 70 | | 2620 | 00 | 01 | 21 |
| | 2969 | 00 | 02 | 25 | | 2438 | 00 | 00 | 77 |
| | 2968 | 00 | 00 | 10 | | 2437 | 00 | 02 | 67 |
| | 3922 | 00 | 01 | 50 | | 2436 | 00 | 04 | 05 |
| | 3924 | 00 | 00 | 50 | | 2434 | 00 | 02 | 80 |
| | 2959 | 00 | 00 | 10 | | 2431 | 00 | 02 | 48 |
| | 3558 | 00 | 00 | 27 | | 2430 | 00 | 03 | 54 |
| | 2944 | 00 | 00 | 50 | | 4071 | 00 | 00 | 10 |
| | 2958 | 00 | 02 | 48 | | 2427 | 00 | 03 | 65 |
| | 2943 | 00 | 01 | 85 | | 2425 | 00 | 00 | 10 |
| | 3921 | 00 | 00 | 12 | | 2424 | 00 | 00 | 10 |
| | 3557 | 00 | 01 | 76 | | 2423 | 00 | 00 | 29 |
| | 2942 | 00 | 00 | 80 | | 2422 | 00 | 00 | 33 |
| | 2940 | 00 | 02 | 00 | | 3651 | 00 | 01 | 08 |
| | 2938 | 00 | 00 | 25 | | 3650 | 00 | 00 | 70 |
| | 2941 | 00 | 00 | 92 | | 3649 | 00 | 00 | 79 |
| | 2890 | 00 | 01 | 79 | | 2421 | 00 | 04 | 74 |
| | 2736 | 00 | 01 | 97 | | 3652 | 00 | 03 | 15 |
| | 2737 | 00 | 01 | 29 | | 2366 | 00 | 05 | 74 |
| | 2735 | 00 | 01 | 71 | | 2385 | 00 | 11 | 92 |
| | 2734 | 00 | 00 | 10 | | 2378 | 00 | 04 | 19 |
| | 2738 | 00 | 01 | 05 | | 2382 | 00 | 00 | 99 |
| | 2740 | 00 | 00 | 34 | | 2381 | 00 | 03 | 88 |
| | 2739 | 00 | 03 | 87 | | 2380 | 00 | 06 | 32 |
| | 2741 | 00 | 01 | 90 | | 3969 | 00 | 08 | 33 |
| | 2742 | 00 | 01 | 94 | | 2379 | 00 | 00 | 76 |
| | 2732 | 00 | 00 | 10 | | 2184 | 00 | 00 | 10 |
| | 2743 | 00 | 01 | 60 | | 4175 | 00 | 00 | 22 |
| | 2746 | 00 | 04 | 18 | | 2181 | 00 | 00 | 32 |
| | 2745 | 00 | 00 | 27 | | 2182 | 00 | 03 | 46 |
| | 2747 | 00 | 02 | 02 | | 2185 | 00 | 03 | 13 |
| | 2751 | 00 | 01 | 89 | | 2186 | 00 | 06 | 23 |
| | 2749 | 00 | 01 | 22 | | 2193 | 00 | 05 | 38 |
| | 2750 | 00 | 03 | 31 | | 2197 | 00 | 02 | 31 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|------|----|----|----|-----------|-------|----|----|----|
| अंगारबन्ध | 2198 | 00 | 00 | 94 | अंगारबन्ध | 331 | 00 | 12 | 44 |
| | 2199 | 00 | 02 | 53 | | 358 | 00 | 08 | 30 |
| | 2156 | 00 | 01 | 97 | | 334 | 00 | 03 | 88 |
| | 2155 | 00 | 04 | 69 | | 341 | 00 | 04 | 02 |
| | 2153 | 00 | 00 | 10 | | 340 | 00 | 12 | 62 |
| | 2154 | 00 | 02 | 16 | | 336 | 00 | 09 | 92 |
| | 1021 | 00 | 02 | 98 | | 339 | 00 | 00 | 38 |
| | 1022 | 00 | 01 | 02 | | 337 | 00 | 00 | 40 |
| | 1020 | 00 | 04 | 51 | | 288 | 00 | 02 | 06 |
| | 976 | 00 | 00 | 10 | | 287 | 00 | 05 | 54 |
| | 1019 | 00 | 00 | 17 | | 286 | 00 | 12 | 27 |
| | 3839 | 00 | 04 | 73 | कपुरत | 11447 | 00 | 06 | 46 |
| | 987 | 00 | 01 | 22 | | 11446 | 00 | 07 | 54 |
| | 4146 | 00 | 03 | 77 | | 11448 | 00 | 01 | 62 |
| | 988 | 00 | 00 | 95 | | 13287 | 00 | 01 | 34 |
| | 991 | 00 | 00 | 09 | | 13478 | 00 | 01 | 42 |
| | 992 | 00 | 05 | 72 | | 13479 | 00 | 00 | 10 |
| | 993 | 00 | 00 | 17 | | 13473 | 00 | 15 | 37 |
| | 996 | 00 | 08 | 76 | | 13472 | 00 | 00 | 12 |
| | 994 | 00 | 00 | 10 | | 13471 | 00 | 02 | 47 |
| | 995 | 00 | 11 | 68 | | 13291 | 00 | 06 | 76 |
| | 1008 | 00 | 01 | 03 | | 13292 | 00 | 01 | 73 |
| | 1007 | 00 | 11 | 87 | | 13293 | 00 | 07 | 51 |
| | 1006 | 00 | 00 | 19 | | 13306 | 00 | 00 | 69 |
| | 1031 | 00 | 01 | 89 | | 13310 | 00 | 01 | 68 |
| | 1030 | 00 | 01 | 23 | | 13311 | 00 | 02 | 91 |
| | 1032 | 00 | 05 | 01 | | 13314 | 00 | 01 | 18 |
| | 926 | 00 | 02 | 07 | | 13315 | 00 | 00 | 62 |
| | 916 | 00 | 00 | 81 | | 13312 | 00 | 00 | 37 |
| | 917 | 00 | 07 | 65 | | 13313 | 00 | 01 | 90 |
| | 912 | 00 | 07 | 28 | | 13316 | 00 | 00 | 10 |
| | 4114 | 00 | 02 | 71 | | 13317 | 00 | 06 | 23 |
| | 913 | 00 | 05 | 83 | | 13318 | 00 | 00 | 10 |
| | 4179 | 00 | 07 | 53 | | 13272 | 00 | 12 | 90 |
| | 910 | 00 | 01 | 77 | | 12840 | 00 | 09 | 15 |
| | 911 | 00 | 12 | 73 | | 12839 | 00 | 00 | 54 |
| | 907 | 00 | 13 | 33 | | 12838 | 00 | 02 | 86 |
| | 906 | 00 | 08 | 26 | | 12837 | 00 | 15 | 65 |
| | 905 | 00 | 72 | 83 | | 12834 | 00 | 04 | 37 |
| | 370 | 00 | 00 | 13 | | 12833 | 00 | 04 | 11 |
| | 3901 | 00 | 01 | 92 | | 12860 | 00 | 01 | 27 |
| | 368 | 00 | 00 | 10 | | 12861 | 00 | 14 | 04 |
| | 369 | 00 | 23 | 21 | | 14599 | 00 | 00 | 12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------|-------|----|----|----|--------|-------|----|----|----|
| कंगुला | 14600 | 00 | 00 | 71 | कंगुला | 12246 | 00 | 06 | 30 |
| | 14601 | 00 | 02 | 13 | | 12247 | 00 | 03 | 07 |
| | 12862 | 00 | 00 | 87 | | 12250 | 00 | 02 | 68 |
| | 12817 | 00 | 07 | 88 | | 13665 | 00 | 22 | 93 |
| | 14698 | 00 | 03 | 07 | | 12285 | 00 | 06 | 73 |
| | 12816 | 00 | 01 | 29 | | 12276 | 00 | 01 | 73 |
| | 12818 | 00 | 04 | 73 | | 12277 | 00 | 03 | 19 |
| | 12815 | 00 | 00 | 45 | | 12275 | 00 | 03 | 83 |
| | 14686 | 00 | 01 | 32 | | 12269 | 00 | 00 | 10 |
| | 12814 | 00 | 11 | 33 | | 12270 | 00 | 04 | 45 |
| | 12813 | 00 | 03 | 71 | | 12268 | 00 | 00 | 34 |
| | 14356 | 00 | 06 | 94 | | 12260 | 00 | 09 | 68 |
| | 12807 | 00 | 04 | 96 | | 12263 | 00 | 07 | 24 |
| | 12806 | 00 | 07 | 94 | | 12262 | 00 | 03 | 54 |
| | 13822 | 00 | 00 | 20 | जुकुव | 706 | 00 | 01 | 24 |
| | 12808 | 00 | 37 | 78 | | 700 | 00 | 02 | 10 |
| | 12602 | 00 | 00 | 10 | | 701 | 00 | 02 | 69 |
| | 12601 | 00 | 02 | 29 | | 702 | 00 | 01 | 67 |
| | 12598 | 00 | 02 | 60 | | 703 | 00 | 00 | 10 |
| | 12597 | 00 | 09 | 76 | | 698 | 00 | 01 | 90 |
| | 12590 | 00 | 00 | 10 | | 697 | 00 | 02 | 92 |
| | 12592 | 00 | 02 | 96 | | 696 | 00 | 05 | 20 |
| | 12593 | 00 | 05 | 43 | | 695 | 00 | 03 | 20 |
| | 12595 | 0 | 06 | 97 | | 694 | 00 | 01 | 67 |
| | 12594 | 00 | 04 | 37 | | 646 | 00 | 00 | 97 |
| | 12624 | 00 | 00 | 50 | | 677 | 00 | 02 | 98 |
| | 12625 | 00 | 00 | 10 | | 678 | 00 | 02 | 93 |
| | 12499 | 00 | 03 | 16 | | 679 | 00 | 04 | 89 |
| | 12500 | 00 | 02 | 83 | | 673 | 00 | 00 | 10 |
| | 12495 | 00 | 07 | 40 | | 671 | 00 | 01 | 25 |
| | 12496 | 00 | 08 | 17 | | 680 | 00 | 00 | 19 |
| | 12497 | 00 | 10 | 89 | | 670 | 00 | 03 | 75 |
| | 12399 | 00 | 00 | 38 | | 669 | 00 | 03 | 68 |
| | 12398 | 00 | 04 | 00 | | 668 | 00 | 00 | 10 |
| | 12397 | 00 | 04 | 99 | | 666 | 00 | 01 | 19 |
| | 12396 | 00 | 04 | 47 | | 667 | 00 | 00 | 98 |
| | 12395 | 00 | 01 | 99 | | 665 | 00 | 00 | 65 |
| | 12394 | 00 | 04 | 38 | | 661 | 00 | 03 | 53 |
| | 12242 | 00 | 01 | 89 | | 660 | 00 | 00 | 14 |
| | 12243 | 00 | 08 | 42 | | 662 | 00 | 02 | 61 |
| | 12244 | 00 | 01 | 20 | | 622 | 00 | 04 | 43 |
| | 12245 | 00 | 07 | 29 | | 621 | 00 | 00 | 22 |
| | 12315 | 00 | 01 | 94 | | 614 | 00 | 01 | 93 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|------|----|----|------|---------|----|----|---|---|
| उकुब | उकुब | | | | उकुब | | | | |
| 613 | 00 | 01 | 13 | 187 | 00 | 01 | 52 | | |
| 615 | 00 | 00 | 23 | 177 | 00 | 00 | 66 | | |
| 612 | 00 | 02 | 03 | 174 | 00 | 00 | 97 | | |
| 611 | 00 | 01 | 30 | 175 | 00 | 02 | 07 | | |
| 609 | 00 | 00 | 72 | 176 | 00 | 00 | 52 | | |
| 610 | 00 | 01 | 55 | 164 | 00 | 05 | 31 | | |
| 607 | 00 | 00 | 18 | 162 | 00 | 00 | 20 | | |
| 466 | 00 | 00 | 68 | 163 | 00 | 01 | 05 | | |
| 467 | 00 | 01 | 99 | 119 | 00 | 08 | 49 | | |
| 468 | 00 | 00 | 44 | 120 | 00 | 01 | 08 | | |
| 461 | 00 | 01 | 83 | 116 | 00 | 01 | 73 | | |
| 462 | 00 | 00 | 53 | 118 | 00 | 01 | 78 | | |
| 460 | 00 | 02 | 38 | 121 | 00 | 00 | 10 | | |
| 459 | 00 | 01 | 66 | 117 | 00 | 02 | 13 | | |
| 447 | 00 | 00 | 30 | 65 | 00 | 03 | 60 | | |
| 458 | 00 | 00 | 10 | 71 | 00 | 00 | 10 | | |
| 448 | 00 | 02 | 61 | 66 | 00 | 08 | 33 | | |
| 449 | 00 | 00 | 26 | 60 | 00 | 00 | 10 | | |
| 446 | 00 | 00 | 10 | 67 | 00 | 03 | 21 | | |
| 431 | 00 | 02 | 33 | 68 | 00 | 00 | 15 | | |
| 432 | 00 | 01 | 49 | 53 | 00 | 10 | 55 | | |
| 433 | 00 | 01 | 82 | 15 | 00 | 00 | 44 | | |
| 434 | 00 | 05 | 71 | 14 | 00 | 00 | 10 | | |
| 435 | 00 | 02 | 40 | 11 | 00 | 05 | 14 | | |
| 408 | 00 | 00 | 31 | 10 | 00 | 01 | 27 | | |
| 437 | 00 | 00 | 24 | 12 | 00 | 01 | 53 | | |
| 436 | 00 | 01 | 43 | 9 | 00 | 03 | 03 | | |
| 407 | 00 | 02 | 41 | 8 | 00 | 00 | 17 | | |
| 406 | 00 | 01 | 37 | 2294 | 00 | 00 | 25 | | |
| 1612 | 00 | 02 | 87 | 2293 | 00 | 03 | 32 | | |
| 390 | 00 | 03 | 82 | 2292 | 00 | 03 | 28 | | |
| 392 | 00 | 00 | 42 | 2291 | 00 | 03 | 26 | | |
| 391 | 00 | 01 | 98 | 2290 | 00 | 04 | 60 | | |
| 389 | 00 | 00 | 77 | 1522 | 00 | 02 | 22 | | |
| 223 | 00 | 03 | 50 | 1523 | 00 | 04 | 32 | | |
| 225 | 00 | 05 | 94 | 1524 | 00 | 07 | 30 | | |
| 222 | 00 | 00 | 26 | 1521 | 00 | 02 | 10 | | |
| 224 | 00 | 02 | 43 | 1525 | 00 | 00 | 12 | | |
| 221 | 00 | 00 | 10 | 1527 | 00 | 04 | 62 | | |
| 203 | 00 | 01 | 09 | 1526 | 00 | 03 | 48 | | |
| 185 | 00 | 02 | 44 | 1621 | 00 | 05 | 63 | | |
| 184 | 00 | 04 | 12 | 1622 | 00 | 02 | 66 | | |
| 186 | 00 | 00 | 75 | 1623 | 00 | 01 | 50 | | |
| | | | | | डेराजंग | | | | |
| | | | | | मराठिया | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------|------|----|----|----|----------|------|----|----|----|
| मराठिरा | 1624 | 00 | 00 | 92 | मराठिरा | 1720 | 00 | 01 | 02 |
| | 1625 | 00 | 01 | 38 | | 1719 | 00 | 01 | 58 |
| | 1617 | 00 | 03 | 38 | | 1718 | 00 | 02 | 24 |
| | 1629 | 00 | 03 | 01 | | 1714 | 00 | 00 | 10 |
| | 1632 | 00 | 01 | 44 | | 1717 | 00 | 00 | 20 |
| | 1628 | 00 | 02 | 39 | | 1716 | 00 | 01 | 67 |
| | 1633 | 00 | 00 | 80 | | 1715 | 00 | 01 | 22 |
| | 1634 | 00 | 00 | 24 | | 1713 | 00 | 02 | 76 |
| | 1635 | 00 | 02 | 68 | | 1712 | 00 | 04 | 74 |
| | 1636 | 00 | 01 | 73 | | 1705 | 00 | 00 | 10 |
| | 1492 | 00 | 02 | 38 | | 1703 | 00 | 05 | 78 |
| | 1637 | 00 | 02 | 74 | | 1700 | 00 | 00 | 10 |
| | 1638 | 00 | 08 | 32 | | 2072 | 00 | 01 | 71 |
| | 1639 | 00 | 00 | 10 | | 2071 | 00 | 01 | 28 |
| | 1640 | 00 | 00 | 10 | | 2070 | 00 | 03 | 79 |
| | 1645 | 00 | 02 | 51 | | 2065 | 00 | 00 | 10 |
| | 1643 | 00 | 00 | 66 | | 2064 | 00 | 02 | 88 |
| | 1644 | 00 | 02 | 08 | | 2063 | 00 | 01 | 26 |
| | 1646 | 00 | 04 | 99 | | 2060 | 00 | 00 | 20 |
| | 1816 | 00 | 00 | 10 | | 2078 | 00 | 03 | 16 |
| | 1769 | 00 | 02 | 73 | | 2079 | 00 | 05 | 00 |
| | 1768 | 00 | 00 | 18 | | 2080 | 00 | 01 | 71 |
| | 1767 | 00 | 02 | 81 | | 2081 | 00 | 03 | 44 |
| | 1762 | 00 | 03 | 71 | | 2082 | 00 | 02 | 59 |
| | 1763 | 00 | 01 | 11 | | 2086 | 00 | 00 | 84 |
| | 1764 | 00 | 03 | 98 | | 2084 | 00 | 00 | 10 |
| | 1664 | 00 | 01 | 74 | | 2085 | 00 | 01 | 18 |
| | 1745 | 00 | 00 | 10 | | 2134 | 00 | 04 | 30 |
| | 1744 | 00 | 00 | 40 | | 445 | 00 | 00 | 10 |
| | 1742 | 00 | 00 | 54 | | 444 | 00 | 05 | 94 |
| | 1741 | 00 | 00 | 73 | | 443 | 00 | 02 | 09 |
| | 1740 | 00 | 01 | 03 | | 442 | 00 | 00 | 10 |
| | 1739 | 00 | 01 | 43 | | 441 | 00 | 06 | 85 |
| | 1738 | 00 | 00 | 90 | | 439 | 00 | 00 | 10 |
| | 1729 | 00 | 01 | 15 | | 2135 | 00 | 12 | 64 |
| | 1728 | 00 | 00 | 21 | | 2136 | 00 | 02 | 58 |
| | 1766 | 00 | 00 | 34 | | 2141 | 00 | 52 | 32 |
| | 1727 | 00 | 01 | 62 | संतगापुर | 636 | 00 | 11 | 71 |
| | 1726 | 00 | 02 | 07 | | 637 | 00 | 00 | 10 |
| | 1725 | 00 | 02 | 36 | | 609 | 00 | 18 | 09 |
| | 1723 | 00 | 00 | 10 | | 617 | 00 | 00 | 13 |
| | 1722 | 00 | 00 | 18 | | 618 | 00 | 00 | 81 |
| | 1721 | 00 | 00 | 57 | | 619 | 00 | 01 | 09 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|------|----|----|----|----------|------|----|----|----|
| संतरापुर | 616 | 00 | 01 | 58 | संतरापुर | 245 | 00 | 02 | 57 |
| | 615 | 00 | 02 | 00 | | 251 | 00 | 00 | 36 |
| | 614 | 00 | 00 | 49 | | 250 | 00 | 02 | 40 |
| | 612 | 00 | 00 | 94 | | 249 | 00 | 01 | 13 |
| | 1329 | 00 | 01 | 62 | | 247 | 00 | 03 | 53 |
| | 613 | 00 | 01 | 25 | | 248 | 00 | 01 | 54 |
| | 507 | 00 | 05 | 04 | | 44 | 00 | 00 | 20 |
| | 620 | 00 | 08 | 44 | जरडा | 3414 | 00 | 00 | 67 |
| | 621 | 00 | 00 | 83 | | 3419 | 00 | 02 | 94 |
| | 622 | 00 | 01 | 60 | | 3420 | 00 | 02 | 00 |
| | 506 | 00 | 00 | 85 | | 3421 | 00 | 00 | 63 |
| | 623 | 00 | 00 | 15 | | 3423 | 00 | 04 | 23 |
| | 208 | 00 | 12 | 42 | | 3424 | 00 | 04 | 95 |
| | 207 | 00 | 00 | 14 | | 3426 | 00 | 04 | 42 |
| | 502 | 00 | 00 | 10 | | 3398 | 00 | 00 | 25 |
| | 211 | 00 | 02 | 41 | | 3397 | 00 | 02 | 80 |
| | 212 | 00 | 03 | 81 | | 3427 | 00 | 03 | 80 |
| | 216 | 00 | 01 | 50 | | 3396 | 00 | 04 | 70 |
| | 215 | 00 | 01 | 60 | | 3123 | 00 | 03 | 49 |
| | 217 | 00 | 13 | 79 | | 3121 | 00 | 08 | 11 |
| | 218 | 00 | 01 | 06 | | 3124 | 00 | 01 | 81 |
| | 224 | 00 | 01 | 43 | | 3115 | 00 | 02 | 09 |
| | 223 | 00 | 01 | 06 | | 3120 | 00 | 01 | 61 |
| | 229 | 00 | 01 | 64 | | 3116 | 00 | 03 | 46 |
| | 228 | 00 | 02 | 80 | | 3118 | 00 | 02 | 31 |
| | 232 | 00 | 00 | 93 | | 3117 | 00 | 01 | 21 |
| | 231 | 00 | 02 | 12 | | 3108 | 00 | 01 | 40 |
| | 233 | 00 | 01 | 98 | | 3104 | 00 | 03 | 59 |
| | 270 | 00 | 01 | 28 | | 3099 | 00 | 11 | 40 |
| | 234 | 00 | 02 | 12 | | 3097 | 00 | 00 | 10 |
| | 269 | 00 | 02 | 20 | | 3098 | 00 | 02 | 62 |
| | 268 | 00 | 00 | 10 | | 3092 | 00 | 03 | 73 |
| | 267 | 00 | 03 | 20 | | 3091 | 00 | 03 | 54 |
| | 235 | 00 | 02 | 08 | | 3090 | 00 | 01 | 78 |
| | 266 | 00 | 02 | 32 | | 3093 | 00 | 00 | 45 |
| | 236 | 00 | 02 | 57 | | 3055 | 00 | 05 | 43 |
| | 237 | 00 | 03 | 88 | | 3066 | 00 | 04 | 96 |
| | 45 | 00 | 00 | 63 | | 3067 | 00 | 15 | 28 |
| | 239 | 00 | 00 | 10 | | 3141 | 00 | 02 | 21 |
| | 238 | 00 | 04 | 91 | | 3151 | 00 | 00 | 23 |
| | 240 | 00 | 00 | 49 | | 3150 | 00 | 01 | 41 |
| | 243 | 00 | 09 | 51 | | 3143 | 00 | 11 | 77 |
| | 242 | 00 | 00 | 48 | | 3144 | 00 | 01 | 44 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|------|----|----|----|--------|------|----|----|----|
| जरडा | 2217 | 00 | 10 | 72 | जरडा | 1706 | 00 | 01 | 56 |
| | 2216 | 00 | 00 | 10 | | 1707 | 00 | 05 | 27 |
| | 2214 | 00 | 07 | 13 | | 1716 | 00 | 03 | 36 |
| | 2215 | 00 | 00 | 30 | | 1717 | 00 | 06 | 80 |
| | 2213 | 00 | 00 | 29 | | 1718 | 00 | 00 | 10 |
| | 2204 | 00 | 05 | 93 | | 1694 | 00 | 01 | 33 |
| | 2202 | 00 | 04 | 50 | | 1695 | 00 | 00 | 96 |
| | 2201 | 00 | 00 | 77 | | 1696 | 00 | 01 | 36 |
| | 2207 | 00 | 00 | 88 | | 1725 | 00 | 04 | 49 |
| | 2206 | 00 | 03 | 97 | | 1726 | 00 | 04 | 39 |
| | 2043 | 00 | 07 | 80 | | 1689 | 00 | 03 | 68 |
| | 2044 | 00 | 00 | 10 | | 1687 | 00 | 08 | 34 |
| | 1946 | 00 | 03 | 20 | | 1691 | 00 | 00 | 85 |
| | 1947 | 00 | 02 | 38 | | 1693 | 00 | 01 | 99 |
| | 1945 | 00 | 00 | 86 | | 1686 | 00 | 00 | 98 |
| | 1944 | 00 | 00 | 10 | | 1685 | 00 | 02 | 54 |
| | 2040 | 00 | 02 | 64 | | 1690 | 00 | 00 | 53 |
| | 2039 | 00 | 00 | 74 | | 1670 | 00 | 00 | 11 |
| | 2041 | 00 | 00 | 23 | | 1671 | 00 | 00 | 36 |
| | 1948 | 00 | 02 | 50 | | 1672 | 00 | 01 | 37 |
| | 1951 | 00 | 01 | 10 | | 1679 | 00 | 01 | 81 |
| | 1952 | 00 | 04 | 19 | | 1640 | 00 | 03 | 78 |
| | 1953 | 00 | 07 | 08 | | 1641 | 00 | 03 | 73 |
| | 1954 | 00 | 00 | 13 | | 1642 | 00 | 03 | 26 |
| | 1922 | 00 | 10 | 31 | | 1643 | 00 | 00 | 10 |
| | 1923 | 00 | 00 | 41 | | 1645 | 00 | 02 | 76 |
| | 1911 | 00 | 03 | 69 | | 1646 | 00 | 03 | 19 |
| | 1912 | 00 | 03 | 55 | | 1647 | 00 | 03 | 57 |
| | 1913 | 00 | 03 | 48 | | 1650 | 00 | 04 | 06 |
| | 1914 | 00 | 02 | 53 | | 1651 | 00 | 03 | 97 |
| | 1916 | 00 | 03 | 69 | | 1657 | 00 | 17 | 96 |
| | 1917 | 00 | 00 | 50 | बडहिसर | 184 | 00 | 00 | 10 |
| | 1893 | 00 | 02 | 55 | | 185 | 00 | 07 | 56 |
| | 1892 | 00 | 02 | 69 | | 186 | 00 | 00 | 10 |
| | 1891 | 00 | 01 | 32 | | 188 | 00 | 02 | 55 |
| | 1888 | 00 | 05 | 25 | | 189 | 00 | 04 | 37 |
| | 1887 | 00 | 06 | 32 | | 199 | 00 | 00 | 10 |
| | 1894 | 00 | 02 | 43 | | 200 | 00 | 02 | 95 |
| | 1895 | 00 | 01 | 21 | | 201 | 00 | 03 | 31 |
| | 1896 | 00 | 01 | 26 | | 202 | 00 | 06 | 62 |
| | 1879 | 00 | 01 | 64 | | 254 | 00 | 00 | 29 |
| | 1704 | 00 | 02 | 37 | | 204 | 00 | 01 | 15 |
| | 1705 | 00 | 02 | 82 | | 253 | 00 | 02 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------|-----|----|----|----|------------|------|----|----|----|
| बडसिहर | 205 | 00 | 00 | 30 | बिमलाबेड़ा | 206 | 00 | 00 | 08 |
| | 252 | 00 | 03 | 11 | | 50 | 00 | 00 | 10 |
| | 206 | 00 | 00 | 30 | | 51 | 00 | 01 | 36 |
| | 212 | 00 | 07 | 22 | | 52 | 00 | 00 | 71 |
| | 213 | 00 | 00 | 10 | | 53 | 00 | 00 | 10 |
| | 211 | 00 | 00 | 10 | | 207 | 00 | 04 | 95 |
| | 214 | 00 | 02 | 49 | | 208 | 00 | 01 | 40 |
| | 210 | 00 | 00 | 97 | | 209 | 00 | 06 | 30 |
| | 215 | 00 | 04 | 72 | | 227 | 00 | 00 | 10 |
| | 51 | 00 | 03 | 51 | | 228 | 00 | 00 | 45 |
| | 52 | 00 | 01 | 37 | | 691 | 00 | 02 | 04 |
| | 55 | 00 | 04 | 53 | | 214 | 00 | 03 | 76 |
| | 57 | 0 | 00 | 69 | | 211 | 00 | 00 | 10 |
| | 56 | 00 | 03 | 14 | | 213 | 00 | 07 | 95 |
| | 50 | 00 | 04 | 44 | कंजरा | 3770 | 00 | 00 | 10 |
| | 16 | 00 | 22 | 59 | | 3769 | 00 | 01 | 55 |
| | 18 | 00 | 02 | 00 | | 3768 | 00 | 00 | 91 |
| | 19 | 00 | 03 | 72 | | 3757 | 00 | 01 | 71 |
| | 20 | 00 | 07 | 22 | | 3829 | 00 | 04 | 21 |
| | 25 | 00 | 00 | 96 | | 3830 | 00 | 00 | 92 |
| | 24 | 00 | 12 | 53 | | 3833 | 00 | 00 | 68 |
| बिमलाबेड़ा | 131 | 00 | 04 | 15 | | 3832 | 00 | 04 | 92 |
| | 692 | 00 | 01 | 05 | | 3831 | 00 | 00 | 81 |
| | 160 | 00 | 01 | 96 | | 4154 | 00 | 03 | 13 |
| | 133 | 00 | 00 | 10 | | 4155 | 00 | 00 | 10 |
| | 132 | 00 | 04 | 92 | | 4157 | 00 | 04 | 75 |
| | 135 | 00 | 03 | 44 | | 4153 | 00 | 00 | 51 |
| | 136 | 00 | 04 | 25 | | 4152 | 00 | 00 | 52 |
| | 150 | 00 | 03 | 09 | | 4158 | 00 | 04 | 00 |
| | 151 | 00 | 04 | 33 | | 4151 | 00 | 01 | 15 |
| | 149 | 00 | 08 | 21 | | 4150 | 00 | 01 | 96 |
| | 190 | 00 | 00 | 20 | | 4149 | 00 | 02 | 29 |
| | 191 | 00 | 00 | 34 | | 4148 | 00 | 00 | 10 |
| | 148 | 00 | 05 | 32 | | 4147 | 00 | 02 | 79 |
| | 194 | 00 | 00 | 26 | | 4146 | 00 | 02 | 65 |
| | 195 | 00 | 02 | 29 | | 4144 | 00 | 00 | 35 |
| | 196 | 00 | 01 | 69 | | 4145 | 00 | 02 | 45 |
| | 197 | 00 | 01 | 24 | | 4143 | 00 | 02 | 16 |
| | 198 | 00 | 03 | 08 | | 4142 | 00 | 00 | 28 |
| | 199 | 00 | 02 | 61 | | 4141 | 00 | 03 | 11 |
| | 200 | 00 | 02 | 53 | | 4140 | 00 | 01 | 67 |
| | 201 | 00 | 03 | 03 | | 4137 | 00 | 01 | 68 |
| | 205 | 00 | 03 | 89 | | 4136 | 00 | 00 | 66 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------|------|----|----|----|--------|------|----|----|----|
| कंजरा | 4138 | 00 | 04 | 48 | कंजरा | 3560 | 00 | 03 | 25 |
| | 4078 | 00 | 00 | 10 | | 3559 | 00 | 03 | 95 |
| | 4079 | 00 | 01 | 49 | | 3558 | 00 | 04 | 90 |
| | 4080 | 00 | 06 | 68 | | 3479 | 00 | 00 | 47 |
| | 4071 | 00 | 00 | 24 | | 3557 | 00 | 04 | 00 |
| | 4068 | 00 | 04 | 00 | | 3574 | 00 | 02 | 25 |
| | 4066 | 00 | 02 | 68 | | 3477 | 00 | 00 | 58 |
| | 4067 | 00 | 05 | 07 | | 3575 | 00 | 00 | 14 |
| | 4018 | 00 | 04 | 64 | | 3476 | 00 | 24 | 70 |
| | 4019 | 00 | 01 | 98 | | 3475 | 00 | 00 | 84 |
| | 4010 | 00 | 09 | 23 | | 3474 | 00 | 04 | 00 |
| | 3956 | 00 | 02 | 93 | | 3471 | 00 | 05 | 96 |
| | 3957 | 00 | 01 | 00 | | 3470 | 00 | 05 | 83 |
| | 3958 | 00 | 02 | 10 | | 3472 | 00 | 02 | 73 |
| | 4007 | 00 | 00 | 10 | तुकुडा | 4317 | 00 | 02 | 78 |
| | 3959 | 00 | 00 | 83 | | 4310 | 00 | 10 | 70 |
| | 3960 | 00 | 03 | 43 | | 4309 | 00 | 04 | 94 |
| | 3961 | 00 | 00 | 13 | | 4308 | 00 | 01 | 22 |
| | 3962 | 00 | 00 | 66 | | 4305 | 00 | 06 | 55 |
| | 4005 | 00 | 00 | 20 | | 4338 | 00 | 02 | 30 |
| | 3964 | 00 | 04 | 06 | | 4306 | 00 | 00 | 11 |
| | 3965 | 00 | 03 | 00 | | 4304 | 00 | 15 | 26 |
| | 3967 | 00 | 00 | 94 | | 4303 | 00 | 03 | 67 |
| | 3966 | 00 | 01 | 53 | | 4297 | 00 | 03 | 47 |
| | 3968 | 00 | 06 | 32 | | 4298 | 00 | 00 | 25 |
| | 3969 | 00 | 00 | 10 | | 4300 | 00 | 00 | 10 |
| | 3974 | 00 | 01 | 50 | | 4299 | 00 | 20 | 08 |
| | 3975 | 00 | 04 | 07 | | 4288 | 00 | 03 | 96 |
| | 3985 | 00 | 01 | 66 | | 4283 | 00 | 04 | 61 |
| | 3981 | 00 | 03 | 23 | | 4282 | 00 | 15 | 34 |
| | 3984 | 00 | 00 | 26 | | 4237 | 00 | 00 | 10 |
| | 3982 | 00 | 02 | 73 | | 4280 | 00 | 05 | 11 |
| | 3979 | 00 | 02 | 29 | | 4278 | 00 | 05 | 40 |
| | 3978 | 00 | 00 | 17 | | 4370 | 00 | 09 | 61 |
| | 3983 | 00 | 01 | 00 | | 4276 | 00 | 00 | 40 |
| | 3569 | 00 | 05 | 91 | | 4275 | 00 | 01 | 63 |
| | 3543 | 00 | 04 | 40 | | 4277 | 00 | 01 | 58 |
| | 3566 | 00 | 05 | 40 | | 4387 | 00 | 06 | 55 |
| | 3565 | 00 | 00 | 66 | | 4274 | 00 | 04 | 95 |
| | 3564 | 00 | 00 | 20 | | 4272 | 00 | 00 | 93 |
| | 3568 | 00 | 00 | 71 | | 4273 | 00 | 20 | 43 |
| | 3567 | 00 | 05 | 51 | | 4268 | 00 | 00 | 97 |
| | 3573 | 00 | 00 | 10 | | 4267 | 00 | 01 | 81 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|------|----|----|----|------------|------|-----|----|----|
| मालिसाहि | 1102 | 00 | 15 | 10 | पडा | 2184 | 00 | 05 | 49 |
| | 1104 | 00 | 12 | 65 | | 2183 | 00 | 00 | 10 |
| | 1124 | 00 | 01 | 13 | | 2181 | 00 | 17 | 10 |
| | 1125 | 00 | 01 | 25 | | 2182 | 00 | 00 | 25 |
| | 1126 | 00 | 00 | 97 | | 2155 | 00 | 00 | 30 |
| | 906 | 00 | 12 | 10 | | 590 | 00 | 00 | 12 |
| | 896 | 00 | 00 | 53 | | 589 | 00 | 09 | 71 |
| | 905 | 00 | 01 | 47 | | 588 | 00 | 05 | 98 |
| | 899 | 00 | 19 | 38 | | 587 | 00 | 08 | 53 |
| | 897 | 00 | 01 | 21 | कुमुरसिंगि | 569 | 00 | 02 | 79 |
| | 901 | 00 | 06 | 95 | | 568 | 00 | 07 | 24 |
| | 902 | 00 | 01 | 52 | | 567 | 00 | 05 | 57 |
| | 868 | 00 | 00 | 10 | | 566 | 00 | 05 | 54 |
| | 867 | 00 | 01 | 78 | | 565 | 00 | 04 | 64 |
| | 860 | 00 | 11 | 76 | | 561 | 00 | 01 | 60 |
| | 859 | 00 | 02 | 82 | | 584 | 001 | 02 | 82 |
| | 818 | 00 | 05 | 60 | | 560 | 00 | 14 | 52 |
| | 817 | 00 | 05 | 70 | | 559 | 00 | 17 | 79 |
| | 316 | 00 | 16 | 58 | | 558 | 00 | 02 | 01 |
| | 812 | 00 | 17 | 87 | | 556 | 00 | 00 | 44 |
| | 814 | 00 | 01 | 40 | | 557 | 00 | 19 | 92 |
| | 813 | 00 | 15 | 54 | | 587 | 00 | 01 | 69 |
| | 728 | 00 | 05 | 38 | | 554 | 00 | 19 | 82 |
| | 723 | 00 | 00 | 20 | | 552 | 00 | 15 | 26 |
| | 722 | 00 | 00 | 66 | गोपिनाथपुर | 85 | 00 | 05 | 75 |
| | 751 | 00 | 64 | 72 | | 47 | 00 | 07 | 29 |
| | 721 | 00 | 08 | 37 | | 48 | 00 | 00 | 95 |
| | 720 | 00 | 03 | 64 | | 49 | 00 | 04 | 18 |
| | 715 | 00 | 03 | 99 | | 50 | 00 | 00 | 61 |
| | 460 | 00 | 35 | 32 | | 45 | 00 | 15 | 58 |
| | 454 | 00 | 01 | 48 | | 44 | 00 | 14 | 69 |
| | 453 | 00 | 08 | 83 | | 42 | 00 | 12 | 23 |
| | 431 | 00 | 27 | 89 | | 41 | 00 | 02 | 34 |
| पडा | 2190 | 00 | 00 | 26 | | 94 | 00 | 01 | 33 |
| | 2189 | 00 | 00 | 97 | | 43 | 00 | 00 | 10 |
| | 2188 | 00 | 00 | 81 | | 37 | 00 | 00 | 24 |
| | 2187 | 00 | 01 | 32 | | 36 | 00 | 08 | 87 |
| | 2180 | 00 | 10 | 88 | | 79 | 00 | 03 | 50 |
| | 2186 | 00 | 00 | 10 | | 9 | 00 | 05 | 72 |
| | | | | | | 92 | 00 | 00 | 13 |
| | | | | | | 10 | 00 | 00 | 79 |
| | | | | | | 7 | 00 | 12 | 90 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------|-----|----|----|----|-----------------|-----|----|----|----|
| पडा | 87 | 00 | 03 | 10 | सौरिया | 57 | 00 | 03 | 07 |
| | 86 | 00 | 03 | 78 | | 28 | 00 | 00 | 10 |
| | 12 | 00 | 02 | 07 | | 29 | 00 | 09 | 51 |
| | 91 | 00 | 06 | 59 | | 31 | 00 | 00 | 10 |
| | 4 | 00 | 03 | 57 | | 30 | 00 | 01 | 03 |
| | 6 | 00 | 03 | 82 | | 9 | 00 | 16 | 29 |
| | 95 | 00 | 09 | 05 | | 10 | 00 | 07 | 10 |
| | 5 | 00 | 06 | 44 | | 1 | 00 | 04 | 03 |
| | 1 | 00 | 00 | 85 | | 11 | 00 | 09 | 27 |
| | 2 | 00 | 00 | 80 | | 12 | 00 | 04 | 15 |
| | 3 | 00 | 02 | 25 | गोबिन्दपाणासाहि | 465 | 00 | 12 | 78 |
| सौरिया | 165 | 00 | 01 | 98 | | 401 | 00 | 15 | 18 |
| | 164 | 00 | 02 | 11 | | 405 | 00 | 00 | 95 |
| | 186 | 00 | 08 | 63 | | 399 | 00 | 15 | 58 |
| | 163 | 00 | 09 | 92 | | 406 | 00 | 00 | 76 |
| | 126 | 00 | 06 | 88 | | 408 | 00 | 06 | 70 |
| | 190 | 00 | 00 | 43 | | 409 | 00 | 06 | 94 |
| | 125 | 00 | 14 | 66 | | 396 | 00 | 08 | 56 |
| | 118 | 00 | 02 | 08 | | 395 | 00 | 18 | 90 |
| | 127 | 00 | 00 | 66 | | 385 | 00 | 00 | 60 |
| | 182 | 00 | 06 | 55 | | 386 | 00 | 08 | 90 |
| | 129 | 00 | 08 | 89 | | 387 | 00 | 01 | 03 |
| | 130 | 00 | 00 | 10 | | 378 | 00 | 12 | 45 |
| | 117 | 00 | 00 | 10 | | 379 | 00 | 01 | 69 |
| | 110 | 00 | 00 | 10 | | 366 | 00 | 02 | 43 |
| | 108 | 00 | 01 | 60 | | 367 | 00 | 01 | 12 |
| | 187 | 00 | 02 | 11 | | 365 | 00 | 01 | 43 |
| | 106 | 00 | 07 | 62 | | 364 | 00 | 01 | 74 |
| | 107 | 00 | 09 | 44 | | 363 | 00 | 01 | 78 |
| | 101 | 00 | 00 | 29 | | 362 | 00 | 02 | 06 |
| | 135 | 00 | 00 | 67 | | 329 | 00 | 02 | 92 |
| | 100 | 00 | 02 | 91 | | 360 | 00 | 01 | 33 |
| | 99 | 00 | 04 | 75 | | 361 | 00 | 01 | 50 |
| | 179 | 00 | 00 | 63 | | 328 | 00 | 03 | 15 |
| | 85 | 00 | 06 | 00 | | 322 | 00 | 00 | 85 |
| | 63 | 00 | 00 | 15 | | 323 | 00 | 00 | 10 |
| | 64 | 00 | 04 | 14 | | 327 | 00 | 03 | 85 |
| | 62 | 00 | 00 | 10 | | 326 | 00 | 06 | 60 |
| | 61 | 00 | 00 | 10 | | 317 | 00 | 13 | 65 |
| | 65 | 00 | 04 | 77 | | 315 | 00 | 06 | 92 |
| | 59 | 00 | 00 | 46 | | 87 | 00 | 04 | 75 |
| | 66 | 00 | 03 | 43 | | 88 | 00 | 00 | 76 |
| | 58 | 00 | 01 | 97 | | 92 | 00 | 05 | 17 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------------|------|----|----|----|-------|------|----|----|----|
| मोक्षिन्द्याणासाहि | 95 | 00 | 05 | 27 | जरपडा | 2587 | 00 | 11 | 01 |
| | 96 | 00 | 03 | 43 | | 2589 | 00 | 00 | 36 |
| | 102 | 00 | 02 | 98 | | 2588 | 00 | 06 | 46 |
| | 106 | 00 | 04 | 26 | | 2562 | 00 | 04 | 41 |
| | 107 | 00 | 01 | 88 | | 2591 | 00 | 00 | 35 |
| | 110 | 00 | 03 | 81 | | 2540 | 00 | 01 | 15 |
| | 111 | 00 | 05 | 01 | | 2541 | 00 | 01 | 32 |
| | 118 | 00 | 14 | 57 | | 2542 | 00 | 01 | 53 |
| | 123 | 00 | 23 | 04 | | 2543 | 00 | 01 | 97 |
| | 122 | 00 | 00 | 10 | | 2544 | 00 | 05 | 55 |
| | 57 | 00 | 07 | 41 | | 2876 | 00 | 03 | 65 |
| | 55 | 00 | 00 | 16 | | 2548 | 00 | 03 | 15 |
| | 53 | 00 | 25 | 44 | | 2557 | 00 | 01 | 24 |
| | 54 | 00 | 31 | 23 | | 2556 | 00 | 03 | 39 |
| | 39 | 00 | 09 | 00 | | 2555 | 00 | 02 | 20 |
| | 38 | 00 | 00 | 10 | | 2554 | 00 | 02 | 25 |
| | 36 | 00 | 44 | 22 | | 2553 | 00 | 02 | 77 |
| | 20 | 00 | 14 | 39 | | 2552 | 00 | 01 | 65 |
| | 21 | 00 | 14 | 21 | | 2551 | 00 | 00 | 10 |
| | 19 | 00 | 07 | 17 | | 2550 | 00 | 00 | 10 |
| | 13 | 00 | 19 | 21 | | 2487 | 00 | 08 | 66 |
| | 7 | 00 | 10 | 98 | | 2450 | 00 | 09 | 43 |
| | 5 | 00 | 08 | 63 | | 2451 | 00 | 02 | 61 |
| | | 00 | 06 | 63 | | 2454 | 00 | 15 | 15 |
| | 2720 | 00 | 00 | 87 | | 2455 | 00 | 02 | 70 |
| | 2721 | 00 | 00 | 37 | | 2456 | 00 | 15 | 07 |
| | 2727 | 00 | 20 | 91 | | 2457 | 00 | 04 | 42 |
| | 2726 | 00 | 00 | 05 | | 2430 | 00 | 00 | 14 |
| | 2730 | 00 | 03 | 32 | | 2426 | 00 | 07 | 10 |
| | 2731 | 00 | 11 | 65 | | 2428 | 00 | 02 | 61 |
| | 2732 | 00 | 01 | 15 | | 2427 | 00 | 10 | 3 |
| | 2733 | 00 | 03 | 48 | | 2413 | 00 | 00 | 1 |
| | 2707 | 00 | 04 | 90 | | 2277 | 00 | 01 | 10 |
| | 2706 | 00 | 11 | 22 | | 2275 | 00 | 04 | 20 |
| | 2705 | 00 | 04 | 82 | | 2276 | 00 | 00 | 43 |
| | 2704 | 00 | 00 | 44 | | 2274 | 00 | 03 | 54 |
| | 2697 | 00 | 01 | 10 | | 2273 | 00 | 00 | 10 |
| | 2696 | 00 | 00 | 25 | | 2272 | 00 | 01 | 63 |
| | 2695 | 00 | 06 | 11 | | 2282 | 00 | 00 | 29 |
| | 2583 | 00 | 08 | 75 | | 2271 | 00 | 04 | 98 |
| | 2584 | 00 | 01 | 51 | | 2264 | 00 | 02 | 79 |
| | 2582 | 00 | 09 | 25 | | 2270 | 00 | 00 | 49 |
| | 2586 | 00 | 00 | 09 | | 2265 | 00 | 00 | 32 |
| | 2585 | 00 | 02 | 09 | | | | 03 | |

जरपडा

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------|------|----|----|----|-------|------|----|----|----|
| जरपडा | 2257 | 00 | 00 | 26 | जरपडा | 1948 | 00 | 06 | 74 |
| | 2256 | 00 | 01 | 22 | | 1758 | 00 | 0 | 27 |
| | 2266 | 00 | 00 | 10 | | 1946 | 00 | 00 | 14 |
| | 2223 | 00 | 04 | 37 | | 1759 | 00 | 05 | 59 |
| | 2224 | 00 | 01 | 54 | | 1851 | 00 | 00 | 10 |
| | 2222 | 00 | 00 | 34 | | 1762 | 00 | 03 | 23 |
| | 2225 | 00 | 05 | 14 | | 1763 | 00 | 01 | 31 |
| | 2226 | 00 | 00 | 17 | | 1764 | 00 | 03 | 05 |
| | 2144 | 00 | 01 | 75 | | 1765 | 00 | 00 | 97 |
| | 2227 | 00 | 01 | 22 | | 1767 | 00 | 02 | 55 |
| | 2143 | 00 | 03 | 57 | | 1766 | 00 | 04 | 19 |
| | 2145 | 00 | 00 | 10 | | 1769 | 00 | 05 | 51 |
| | 2148 | 00 | 02 | 59 | | 1728 | 00 | 03 | 10 |
| | 2142 | 00 | 00 | 29 | | 1770 | 00 | 01 | 37 |
| | 2137 | 00 | 03 | 15 | | 1784 | 00 | 00 | 10 |
| | 2136 | 00 | 00 | 10 | | 1781 | 00 | 03 | 83 |
| | 2138 | 00 | 01 | 78 | | 1782 | 00 | 00 | 12 |
| | 2135 | 00 | 03 | 54 | | 1780 | 00 | 03 | 73 |
| | 2139 | 00 | 02 | 19 | | 1805 | 00 | 02 | 53 |
| | 2140 | 00 | 00 | 10 | | 1806 | 00 | 00 | 83 |
| | 2134 | 00 | 02 | 12 | | 1808 | 00 | 01 | 37 |
| | 2019 | 00 | 02 | 06 | | 1807 | 00 | 02 | 71 |
| | 2020 | 00 | 01 | 00 | | 1811 | 00 | 00 | 10 |
| | 2018 | 00 | 00 | 27 | | 1809 | 00 | 04 | 36 |
| | 2022 | 00 | 03 | 40 | | 1810 | 00 | 03 | 49 |
| | 2027 | 00 | 01 | 00 | | 1562 | 00 | 00 | 87 |
| | 2026 | 00 | 02 | 35 | | 1548 | 00 | 06 | 86 |
| | 2025 | 00 | 00 | 10 | | 1538 | 00 | 02 | 92 |
| | 2029 | 00 | 03 | 67 | | 1539 | 00 | 02 | 17 |
| | 2028 | 00 | 00 | 01 | | 1537 | 00 | 03 | 59 |
| | 2030 | 00 | 00 | 75 | | 1540 | 00 | 00 | 20 |
| | 2032 | 00 | 01 | 72 | | 1536 | 00 | 02 | 17 |
| | 2033 | 00 | 02 | 78 | | 1535 | 00 | 00 | 10 |
| | 2051 | 00 | 04 | 08 | | 1314 | 00 | 05 | 54 |
| | 2052 | 00 | 06 | 95 | | 1315 | 00 | 03 | 26 |
| | 2053 | 00 | 00 | 67 | | 1318 | 00 | 00 | 10 |
| | 1960 | 00 | 00 | 56 | | 1312 | 00 | 03 | 29 |
| | 1959 | 00 | 00 | 10 | | 1311 | 00 | 02 | 45 |
| | 1952 | 00 | 10 | 88 | | 1302 | 00 | 03 | 03 |
| | 1953 | 00 | 00 | 95 | | 1310 | 00 | 00 | 11 |
| | 1942 | 00 | 00 | 43 | | 1301 | 00 | 00 | 10 |
| | 1949 | 00 | 02 | 41 | | 1303 | 00 | 01 | 31 |
| | 1947 | 00 | 04 | 74 | | 1304 | 00 | 02 | 72 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------|------|----|----|----|------|------|----|----|----|
| जरपडा | 1309 | 00 | 02 | 48 | तुबे | 4740 | 00 | 02 | 30 |
| | 1305 | 00 | 02 | 84 | | 4741 | 00 | 02 | 28 |
| | 1227 | 00 | 02 | 08 | | 4742 | 00 | 02 | 06 |
| | 1228 | 00 | 03 | 42 | | 4745 | 00 | 02 | 79 |
| | 1225 | 00 | 01 | 72 | | 4746 | 00 | 03 | 23 |
| | 1236 | 00 | 00 | 23 | | 4788 | 00 | 03 | 65 |
| | 1238 | 00 | 07 | 54 | | 4787 | 00 | 03 | 89 |
| | 1239 | 00 | 02 | 88 | | 4784 | 00 | 00 | 85 |
| | 1252 | 00 | 00 | 80 | | 4783 | 00 | 06 | 82 |
| | 1251 | 00 | 01 | 05 | | 4782 | 00 | 02 | 87 |
| | 1254 | 00 | 03 | 07 | | 4780 | 00 | 01 | 90 |
| | 1255 | 00 | 00 | 38 | | 4781 | 00 | 01 | 18 |
| | 1253 | 00 | 04 | 89 | | 4758 | 00 | 02 | 71 |
| | 1261 | 00 | 00 | 71 | | 4757 | 00 | 10 | 42 |
| | 1259 | 00 | 03 | 09 | | 4756 | 00 | 00 | 99 |
| | 1263 | 00 | 03 | 52 | | 4529 | 00 | 02 | 87 |
| | 1264 | 00 | 00 | 45 | | 4530 | 00 | 02 | 82 |
| | 1262 | 00 | 04 | 72 | | 4535 | 00 | 14 | 60 |
| | 1267 | 00 | 00 | 20 | | 4536 | 00 | 01 | 70 |
| | 1265 | 00 | 01 | 11 | | 4537 | 00 | 00 | 75 |
| | 1266 | 00 | 00 | 80 | | 4538 | 00 | 02 | 56 |
| | 1275 | 00 | 01 | 69 | | 4539 | 00 | 00 | 10 |
| | 1286 | 00 | 00 | 26 | | 4541 | 00 | 02 | 43 |
| | 1282 | 00 | 00 | 38 | | 4542 | 00 | 02 | 09 |
| | 1284 | 00 | 03 | 50 | | 4545 | 00 | 02 | 26 |
| तुबे | 4832 | 00 | 08 | 58 | | 4546 | 00 | 01 | 92 |
| | 4831 | 00 | 11 | 71 | | 4549 | 00 | 01 | 95 |
| | 4829 | 00 | 06 | 43 | | 4550 | 00 | 01 | 53 |
| | 4828 | 00 | 20 | 24 | | 4551 | 00 | 02 | 15 |
| | 4843 | 00 | 02 | 79 | | 4556 | 00 | 02 | 11 |
| | 4827 | 00 | 11 | 32 | | 4559 | 00 | 04 | 27 |
| | 4820 | 00 | 04 | 25 | | 4203 | 00 | 01 | 29 |
| | 4819 | 00 | 03 | 36 | | 3897 | 00 | 01 | 99 |
| | 4817 | 00 | 00 | 10 | | 3898 | 00 | 01 | 93 |
| | 4816 | 00 | 00 | 71 | | 3896 | 00 | 06 | 56 |
| | 4815 | 00 | 01 | 97 | | 3894 | 00 | 01 | 69 |
| | 4814 | 00 | 04 | 21 | | 3895 | 00 | 03 | 53 |
| | 4813 | 00 | 04 | 38 | | 3899 | 00 | 00 | 72 |
| | 4812 | 00 | 01 | 55 | | 3845 | 00 | 03 | 09 |
| | 4803 | 00 | 01 | 86 | | 3846 | 00 | 02 | 45 |
| | 4804 | 00 | 02 | 41 | | 3844 | 00 | 02 | 09 |
| | 4802 | 00 | 00 | 83 | | 3843 | 00 | 03 | 50 |
| | 4801 | 00 | 00 | 10 | | 3841 | 00 | 04 | 71 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|------|----|----|----|------|------|----|----|----|
| सुबे | 3840 | 00 | 00 | 99 | सुबे | 1728 | 00 | 04 | 55 |
| | 3839 | 00 | 08 | 09 | | 1682 | 00 | 00 | 67 |
| | 3834 | 00 | 00 | 10 | | 1683 | 00 | 05 | 39 |
| | 3838 | 00 | 04 | 14 | | 1684 | 00 | 04 | 29 |
| | 3835 | 00 | 00 | 10 | | 1725 | 00 | 00 | 10 |
| | 3837 | 00 | 02 | 07 | | 1723 | 00 | 03 | 69 |
| | 3836 | 00 | 00 | 40 | | 1724 | 00 | 00 | 68 |
| | 3830 | 00 | 06 | 57 | | 1722 | 00 | 02 | 90 |
| | 3831 | 00 | 00 | 30 | | 1721 | 00 | 00 | 1 |
| | 3829 | 00 | 02 | 93 | | 1692 | 00 | 03 | 76 |
| | 3828 | 00 | 03 | 72 | | 1693 | 00 | 03 | 85 |
| | 3827 | 00 | 00 | 26 | | 1568 | 00 | 07 | 97 |
| | 3808 | 00 | 05 | 38 | | 1567 | 00 | 00 | 83 |
| | 3809 | 00 | 03 | 02 | | 1569 | 00 | 04 | 40 |
| | 3810 | 00 | 02 | 78 | | 1570 | 00 | 02 | 41 |
| | 3811 | 00 | 02 | 88 | | 1572 | 00 | 02 | 48 |
| | 3804 | 00 | 07 | 04 | | 1571 | 00 | 00 | 84 |
| | 3803 | 00 | 04 | 87 | | 1497 | 00 | 11 | 30 |
| | 3798 | 00 | 07 | 53 | | 1553 | 00 | 03 | 76 |
| | 3797 | 00 | 04 | 12 | | 1549 | 00 | 01 | 39 |
| | 3763 | 00 | 00 | 52 | | 1550 | 00 | 05 | 12 |
| | 3794 | 00 | 04 | 82 | | 1544 | 00 | 11 | 11 |
| | 3789 | 00 | 08 | 05 | | 1543 | 00 | 03 | 23 |
| | 3768 | 00 | 00 | 86 | | 1541 | 00 | 03 | 27 |
| | 3788 | 00 | 04 | 23 | | 1540 | 00 | 03 | 40 |
| | 3787 | 00 | 02 | 81 | | 1288 | 00 | 11 | 47 |
| | 3786 | 00 | 01 | 49 | | 1287 | 00 | 05 | 13 |
| | 3785 | 00 | 01 | 99 | | 1291 | 00 | 00 | 23 |
| | 3784 | 00 | 00 | 10 | | 1286 | 00 | 04 | 74 |
| | 3778 | 00 | 02 | 91 | | 1285 | 00 | 01 | 17 |
| | 3779 | 00 | 02 | 21 | | 1284 | 00 | 00 | 29 |
| | 3777 | 00 | 00 | 13 | | 1280 | 00 | 02 | 21 |
| | 3439 | 00 | 01 | 60 | | 1278 | 00 | 11 | 04 |
| | 3356 | 00 | 00 | 76 | | 1277 | 00 | 01 | 89 |
| | 3355 | 00 | 02 | 17 | | 1276 | 00 | 00 | 27 |
| | 3354 | 00 | 01 | 50 | | 1279 | 00 | 00 | 15 |
| | 3353 | 00 | 00 | 10 | | 1275 | 00 | 04 | 72 |
| | 3352 | 00 | 04 | 61 | | 1274 | 00 | 00 | 10 |
| | 1730 | 00 | 04 | 72 | | 1095 | 00 | 02 | 18 |
| | 1731 | 00 | 00 | 10 | | 978 | 00 | 06 | 46 |
| | 1734 | 00 | 00 | 25 | | 972 | 00 | 27 | 40 |
| | 1729 | 00 | 04 | 54 | | 976 | 00 | 00 | 62 |
| | 1735 | 00 | 00 | 34 | | 975 | 00 | 04 | 69 |
| | 1681 | 00 | 00 | 49 | | 974 | 00 | 14 | 81 |
| | | | | | | 866 | 00 | 10 | 14 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------|-----|----|----|----|
| तुवे | 864 | 00 | 08 | 63 |
| | 863 | 00 | 04 | 73 |
| | 862 | 00 | 02 | 21 |
| | 870 | 00 | 02 | 02 |
| | 861 | 00 | 08 | 51 |
| | 859 | 00 | 15 | 70 |
| | 860 | 00 | 00 | 10 |
| | 878 | 00 | 00 | 48 |
| | 858 | 00 | 09 | 74 |
| | 857 | 00 | 12 | 82 |
| | 855 | 00 | 00 | 10 |
| | 856 | 00 | 04 | 02 |
| | 768 | 00 | 00 | 10 |
| | 757 | 00 | 06 | 15 |
| | 758 | 00 | 09 | 53 |
| | 756 | 00 | 00 | 40 |
| | 752 | 00 | 00 | 54 |
| | 759 | 00 | 01 | 69 |
| | 760 | 00 | 02 | 59 |
| | 751 | 00 | 05 | 92 |
| जेरंग | 486 | 00 | 04 | 11 |
| | 487 | 00 | 00 | 83 |
| | 351 | 00 | 03 | 15 |
| | 349 | 00 | 02 | 90 |
| | 491 | 00 | 14 | 17 |
| | 341 | 00 | 28 | 17 |
| | 340 | 00 | 00 | 10 |
| | 342 | 00 | 00 | 20 |

[सं. आर-25011/16/2010-ओ.आर.-1]

बी. के. दत्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O 1823.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Paradip (Orissa) to Raipur (Chhattisgarh) & Ranchi (Jharkhand), a "Paradip- Sambalpur - Raipur - Ranchi Pipeline" should be laid by Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the General Public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Sri Sukanta Kumar Pradhan, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Paradip - Sambalpur - Raipur - Ranchi Pipeline Project, 1295, Forest Park, Bhubaneswar-751009, (Orissa).

SCHEDULE

| Tehsil : Banarpal | | Distt. : Angul | | State : Orissa | |
|---------------------|----------|----------------|-----|----------------|--|
| Name of the Village | Plot No. | Area | | | |
| | | Hect. | Are | Sq. Mtr. | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
| Talatali | 789 | 00 | 17 | 61 | |
| | 788 | 00 | 00 | 94 | |
| | 475 | 00 | 11 | 64 | |
| | 477 | 00 | 01 | 01 | |
| | 476 | 00 | 01 | 81 | |
| | 478 | 00 | 05 | 43 | |
| | 479 | 00 | 03 | 25 | |
| | 484 | 00 | 00 | 62 | |
| | 483 | 00 | 01 | 33 | |
| | 480 | 00 | 04 | 14 | |
| | 481 | 00 | 07 | 59 | |
| | 482 | 00 | 00 | 62 | |
| | 466 | 00 | 04 | 16 | |
| | 467 | 00 | 00 | 69 | |
| | 465 | 00 | 08 | 81 | |
| | 464 | 00 | 01 | 46 | |
| | 459 | 00 | 03 | 53 | |
| | 460 | 00 | 04 | 79 | |
| | 461 | 00 | 03 | 24 | |
| | 462 | 00 | 00 | 74 | |
| | 463 | 00 | 04 | 38 | |
| Purukia | 340 | 00 | 38 | 85 | |
| | 1 | 00 | 13 | 68 | |
| | 339 | 00 | 09 | 86 | |
| | 338 | 00 | 01 | 00 | |
| | 337 | 00 | 00 | 72 | |
| | 658 | 00 | 01 | 39 | |
| | 657 | 00 | 05 | 39 | |
| | 659 | 00 | 04 | 50 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------|------|----|----|----|-----------|------|----|----|----|
| Purukia | 653 | 00 | 03 | 56 | Arahat | 570 | 00 | 08 | 10 |
| | 654 | 00 | 03 | 35 | | 566 | 00 | 00 | 10 |
| | 648 | 00 | 08 | 45 | | 569 | 00 | 05 | 91 |
| | 643 | 00 | 11 | 14 | | 568 | 00 | 04 | 44 |
| | 647 | 00 | 06 | 27 | | 591 | 00 | 01 | 72 |
| | 646 | 00 | 05 | 23 | | 628 | 00 | 16 | 61 |
| | 635 | 00 | 13 | 38 | | 627 | 00 | 02 | 59 |
| | 631 | 00 | 09 | 74 | | 621 | 00 | 10 | 49 |
| | 630 | 00 | 04 | 48 | | 620 | 00 | 09 | 96 |
| | 629 | 00 | 04 | 36 | | 595 | 00 | 07 | 14 |
| | 628 | 00 | 02 | 23 | | 596 | 00 | 09 | 34 |
| | 627 | 00 | 12 | 09 | | 597 | 00 | 14 | 23 |
| | 571 | 00 | 02 | 34 | | 598 | 00 | 08 | 20 |
| | 478 | 00 | 00 | 36 | | 600 | 00 | 03 | 76 |
| | 480 | 00 | 14 | 57 | | 599 | 00 | 09 | 36 |
| | 479 | 00 | 01 | 26 | | 750 | 00 | 01 | 12 |
| | 482 | 00 | 11 | 53 | | 432 | 00 | 04 | 83 |
| | 456 | 00 | 13 | 55 | | 752 | 00 | 07 | 32 |
| | 430 | 00 | 06 | 32 | | 751 | 00 | 00 | 10 |
| | 429 | 00 | 00 | 89 | | 753 | 00 | 04 | 55 |
| | 432 | 00 | 00 | 61 | | 754 | 00 | 05 | 53 |
| | 434 | 00 | 02 | 49 | | 755 | 00 | 00 | 46 |
| | 435 | 00 | 05 | 66 | | 138 | 00 | 11 | 81 |
| | 405 | 00 | 00 | 46 | | 1942 | 00 | 05 | 16 |
| | 824 | 00 | 04 | 01 | | 759 | 00 | 03 | 02 |
| | 404 | 00 | 28 | 92 | | 136 | 00 | 01 | 11 |
| | 388 | 00 | 25 | 11 | | 135 | 00 | 01 | 48 |
| | 382 | 00 | 03 | 75 | Barasinga | 945 | 00 | 00 | 10 |
| | 20 | 00 | 02 | 94 | | 946 | 00 | 07 | 85 |
| | 14 | 00 | 00 | 95 | | 950 | 00 | 01 | 44 |
| | 13 | 00 | 28 | 79 | | 948 | 00 | 13 | 50 |
| | 8 | 00 | 13 | 80 | | 947 | 00 | 00 | 10 |
| | 1 | 00 | 13 | 38 | | 960 | 00 | 06 | 65 |
| | 25 | 00 | 01 | 76 | | 961 | 00 | 05 | 22 |
| | 28 | 00 | 17 | 26 | | 1058 | 00 | 00 | 52 |
| | 35 | 00 | 17 | 03 | | 1059 | 00 | 04 | 44 |
| | 36 | 00 | 10 | 56 | | 1061 | 00 | 03 | 94 |
| Arahat | 577 | 00 | 33 | 90 | | 1062 | 00 | 05 | 64 |
| | 578 | 00 | 10 | 87 | | 1253 | 00 | 02 | 23 |
| | 572 | 00 | 16 | 44 | | 1255 | 00 | 12 | 81 |
| | 1969 | 00 | 00 | 55 | | 1256 | 00 | 03 | 45 |
| | 1970 | 00 | 15 | 05 | | 1254 | 00 | 00 | 31 |
| | 571 | 00 | 01 | 06 | | 1252 | 00 | 07 | 27 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------|------|----|----|----|-------------|------|----|----|----|
| Barasinga | 1246 | 00 | 01 | 20 | Angarabandh | 3558 | 00 | 00 | 27 |
| | 1245 | 00 | 00 | 80 | | 2944 | 00 | 00 | 50 |
| | 1244 | 00 | 00 | 90 | | 2958 | 00 | 02 | 48 |
| | 1208 | 00 | 01 | 95 | | 2943 | 00 | 01 | 85 |
| | 1211 | 00 | 05 | 47 | | 3921 | 00 | 00 | 12 |
| | 1213 | 00 | 04 | 70 | | 3557 | 00 | 01 | 76 |
| | 1214 | 00 | 05 | 00 | | 2942 | 00 | 00 | 80 |
| | 1215 | 00 | 00 | 44 | | 2940 | 00 | 02 | 00 |
| | 1217 | 00 | 17 | 79 | | 2938 | 00 | 00 | 25 |
| | 1224 | 00 | 04 | 03 | | 2941 | 00 | 00 | 92 |
| | 1318 | 00 | 05 | 55 | | 2890 | 00 | 01 | 79 |
| Angarabandh | 1886 | 00 | 06 | 30 | | 2736 | 00 | 01 | 97 |
| | 3301 | 00 | 00 | 70 | | 2737 | 00 | 01 | 29 |
| | 3304 | 00 | 00 | 98 | | 2735 | 00 | 01 | 71 |
| | 3303 | 00 | 05 | 91 | | 2734 | 00 | 00 | 10 |
| | 3302 | 00 | 00 | 44 | | 2738 | 00 | 01 | 05 |
| | 3348 | 00 | 20 | 27 | | 2740 | 00 | 00 | 34 |
| | 3341 | 00 | 04 | 39 | | 2739 | 00 | 03 | 87 |
| | 3343 | 00 | 05 | 83 | | 2741 | 00 | 01 | 90 |
| | 3462 | 00 | 10 | 14 | | 2742 | 00 | 01 | 94 |
| | 3461 | 00 | 03 | 84 | | 2732 | 00 | 00 | 10 |
| | 3424 | 00 | 03 | 16 | | 2743 | 00 | 01 | 60 |
| | 4102 | 00 | 04 | 52 | | 2746 | 00 | 04 | 18 |
| | 3425 | 00 | 01 | 71 | | 2745 | 00 | 00 | 27 |
| | 4101 | 00 | 01 | 90 | | 2747 | 00 | 02 | 02 |
| | 3427 | 00 | 03 | 79 | | 2751 | 00 | 01 | 89 |
| | 3428 | 00 | 00 | 10 | | 2749 | 00 | 01 | 22 |
| | 3429 | 00 | 01 | 01 | | 2750 | 00 | 03 | 31 |
| | 3431 | 00 | 02 | 20 | | 2716 | 00 | 01 | 67 |
| | 3927 | 00 | 00 | 77 | | 2761 | 00 | 00 | 65 |
| | 3432 | 00 | 02 | 12 | | 2715 | 00 | 01 | 67 |
| | 3928 | 00 | 00 | 77 | | 2714 | 00 | 02 | 28 |
| | 3926 | 00 | 01 | 93 | | 2762 | 00 | 01 | 84 |
| | 3433 | 00 | 01 | 93 | | 2713 | 00 | 02 | 69 |
| | 3434 | 00 | 00 | 24 | | 2763 | 00 | 01 | 38 |
| | 2971 | 00 | 01 | 67 | | 2712 | 00 | 03 | 30 |
| | 2970 | 00 | 03 | 70 | | 2765 | 00 | 04 | 94 |
| | 2969 | 00 | 02 | 25 | | 2620 | 00 | 01 | 21 |
| | 2968 | 00 | 00 | 10 | | 2438 | 00 | 00 | 77 |
| | 3922 | 00 | 01 | 50 | | 2437 | 00 | 02 | 67 |
| | 3924 | 00 | 00 | 50 | | 2436 | 00 | 04 | 05 |
| | 2959 | 00 | 00 | 10 | | 2434 | 00 | 02 | 80 |
| | | | | | | 2431 | 00 | 02 | 48 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------|------|----|----|----|-------------|-------|----|----|----|
| Angarabandh | 2430 | 00 | 03 | 54 | Angarabandh | 991 | 00 | 00 | 69 |
| | 4071 | 00 | 00 | 10 | | 992 | 00 | 05 | 72 |
| | 2427 | 00 | 03 | 65 | | 993 | 00 | 00 | 17 |
| | 2425 | 00 | 00 | 10 | | 996 | 00 | 08 | 76 |
| | 2424 | 00 | 00 | 10 | | 994 | 00 | 00 | 10 |
| | 2423 | 00 | 00 | 29 | | 995 | 00 | 11 | 68 |
| | 2422 | 00 | 00 | 33 | | 1008 | 00 | 01 | 03 |
| | 3651 | 00 | 01 | 08 | | 1007 | 00 | 11 | 87 |
| | 3650 | 00 | 00 | 70 | | 1006 | 00 | 00 | 19 |
| | 3649 | 00 | 00 | 79 | | 1031 | 00 | 01 | 89 |
| | 2421 | 00 | 04 | 74 | | 1030 | 00 | 01 | 23 |
| | 3652 | 00 | 03 | 15 | | 1032 | 00 | 05 | 01 |
| | 2366 | 00 | 05 | 74 | | 926 | 00 | 02 | 07 |
| | 2385 | 00 | 11 | 92 | | 916 | 00 | 00 | 81 |
| | 2378 | 00 | 04 | 19 | | 917 | 00 | 07 | 65 |
| | 2382 | 00 | 00 | 99 | | 912 | 00 | 07 | 28 |
| | 2381 | 00 | 03 | 88 | | 4114 | 00 | 02 | 71 |
| | 2380 | 00 | 06 | 32 | | 913 | 00 | 05 | 83 |
| | 3969 | 00 | 08 | 33 | | 4179 | 00 | 07 | 53 |
| | 2379 | 00 | 00 | 76 | | 910 | 00 | 01 | 77 |
| | 2184 | 00 | 00 | 10 | | 911 | 00 | 12 | 73 |
| | 4175 | 00 | 00 | 22 | | 907 | 00 | 13 | 33 |
| | 2181 | 00 | 00 | 32 | | 906 | 00 | 08 | 26 |
| | 2182 | 00 | 03 | 46 | | 905 | 00 | 72 | 83 |
| | 2185 | 00 | 03 | 13 | | 370 | 00 | 00 | 13 |
| | 2186 | 00 | 06 | 23 | | 3901 | 00 | 01 | 92 |
| | 2193 | 00 | 05 | 38 | | 368 | 00 | 00 | 10 |
| | 2197 | 00 | 02 | 31 | | 369 | 00 | 23 | 21 |
| | 2198 | 00 | 00 | 94 | | 331 | 00 | 12 | 44 |
| | 2199 | 00 | 02 | 53 | | 358 | 00 | 08 | 30 |
| | 2156 | 00 | 01 | 97 | | 334 | 00 | 03 | 88 |
| | 2155 | 00 | 04 | 69 | | 341 | 00 | 04 | 02 |
| | 2153 | 00 | 00 | 10 | | 340 | 00 | 12 | 62 |
| | 2154 | 00 | 02 | 16 | | 336 | 00 | 09 | 92 |
| | 1021 | 00 | 02 | 98 | | 339 | 00 | 00 | 38 |
| | 1022 | 00 | 01 | 02 | | 337 | 00 | 00 | 40 |
| | 1020 | 00 | 04 | 51 | | 288 | 00 | 02 | 06 |
| | 976 | 00 | 00 | 10 | | 287 | 00 | 05 | 54 |
| | 1019 | 00 | 00 | 17 | | 286 | 00 | 12 | 27 |
| | 3839 | 00 | 04 | 73 | Kangula | 11447 | 00 | 06 | 46 |
| | 987 | 00 | 01 | 22 | | 11446 | 00 | 07 | 54 |
| | 4146 | 00 | 03 | 77 | | 11448 | 00 | 01 | 62 |
| | 988 | 00 | 00 | 95 | | 13287 | 00 | 01 | 34 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------|-------|----|----|----|---------|-------|----|----|----|
| Kangula | 13478 | 00 | 01 | 42 | Kangula | 12808 | 00 | 37 | 78 |
| | 13479 | 00 | 00 | 10 | | 12602 | 00 | 00 | 10 |
| | 13473 | 00 | 15 | 37 | | 12601 | 00 | 02 | 29 |
| | 13472 | 00 | 00 | 12 | | 12598 | 00 | 02 | 60 |
| | 13471 | 00 | 02 | 47 | | 12597 | 00 | 09 | 76 |
| | 13291 | 00 | 06 | 76 | | 12590 | 00 | 00 | 10 |
| | 13292 | 00 | 01 | 73 | | 12592 | 00 | 02 | 96 |
| | 13293 | 00 | 07 | 51 | | 12593 | 00 | 05 | 43 |
| | 13306 | 00 | 00 | 69 | | 12595 | 0 | 06 | 97 |
| | 13310 | 00 | 01 | 68 | | 12594 | 00 | 04 | 37 |
| | 13311 | 00 | 02 | 91 | | 12624 | 00 | 00 | 50 |
| | 13314 | 00 | 01 | 18 | | 12625 | 00 | 00 | 10 |
| | 13315 | 00 | 00 | 62 | | 12499 | 00 | 03 | 16 |
| | 13312 | 00 | 00 | 37 | | 12500 | 00 | 02 | 83 |
| | 13313 | 00 | 01 | 90 | | 12495 | 00 | 07 | 40 |
| | 13316 | 00 | 00 | 10 | | 12496 | 00 | 08 | 17 |
| | 13317 | 00 | 06 | 23 | | 12497 | 00 | 10 | 89 |
| | 13318 | 00 | 00 | 10 | | 12399 | 00 | 00 | 38 |
| | 13272 | 00 | 12 | 90 | | 12398 | 00 | 04 | 00 |
| | 12840 | 00 | 09 | 15 | | 12397 | 00 | 04 | 99 |
| | 12839 | 00 | 00 | 54 | | 12396 | 00 | 04 | 47 |
| | 12838 | 00 | 02 | 86 | | 12395 | 00 | 01 | 99 |
| | 12837 | 00 | 15 | 65 | | 12394 | 00 | 04 | 38 |
| | 12834 | 00 | 04 | 37 | | 12242 | 00 | 01 | 89 |
| | 12833 | 00 | 04 | 11 | | 12243 | 00 | 08 | 42 |
| | 12860 | 00 | 01 | 27 | | 12244 | 00 | 01 | 20 |
| | 12861 | 00 | 14 | 04 | | 12245 | 00 | 07 | 29 |
| | 14599 | 00 | 00 | 12 | | 12315 | 00 | 01 | 94 |
| | 14600 | 00 | 00 | 71 | | 12246 | 00 | 06 | 30 |
| | 14601 | 00 | 02 | 13 | | 12247 | 00 | 03 | 07 |
| | 12862 | 00 | 00 | 87 | | 12250 | 00 | 02 | 68 |
| | 12817 | 00 | 07 | 88 | | 13665 | 00 | 22 | |
| | 14698 | 00 | 03 | 07 | | 12285 | 00 | 06 | |
| | 12816 | 00 | 01 | 29 | | 12276 | 00 | 01 | 73 |
| | 12818 | 00 | 04 | 73 | | 12277 | 00 | 03 | 19 |
| | 12815 | 00 | 00 | 45 | | 12275 | 00 | 05 | 83 |
| | 14686 | 00 | 01 | 32 | | 12269 | 00 | 00 | 10 |
| | 12814 | 00 | 11 | 33 | | 12270 | 00 | 04 | 45 |
| | 12813 | 00 | 03 | 71 | | 12268 | 00 | 00 | 34 |
| | 14356 | 00 | 06 | 94 | | 12260 | 00 | 09 | 68 |
| | 12807 | 00 | 04 | 96 | | 12263 | 00 | 07 | 24 |
| | 12806 | 00 | 07 | 94 | | 12262 | 00 | 03 | 54 |
| | 13822 | 00 | 00 | 20 | Jukub | 706 | 00 | 01 | 24 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------|-----|----|----|----|-------|------|----|----|----|
| Jukub | 700 | 00 | 02 | 10 | Jukub | 458 | 00 | 00 | 10 |
| | 701 | 00 | 02 | 69 | | 448 | 00 | 02 | 61 |
| | 702 | 00 | 01 | 67 | | 449 | 00 | 00 | 26 |
| | 703 | 00 | 00 | 10 | | 446 | 00 | 00 | 10 |
| | 698 | 00 | 01 | 90 | | 431 | 00 | 02 | 33 |
| | 697 | 00 | 02 | 92 | | 432 | 00 | 01 | 49 |
| | 696 | 00 | 03 | 20 | | 433 | 00 | 01 | 82 |
| | 695 | 00 | 03 | 20 | | 434 | 00 | 05 | 71 |
| | 694 | 00 | 01 | 67 | | 435 | 00 | 02 | 40 |
| | 646 | 00 | 00 | 97 | | 408 | 00 | 00 | 31 |
| | 677 | 00 | 02 | 98 | | 437 | 00 | 00 | 24 |
| | 678 | 00 | 02 | 93 | | 436 | 00 | 01 | 43 |
| | 679 | 00 | 04 | 89 | | 407 | 00 | 02 | 41 |
| | 673 | 00 | 00 | 10 | | 406 | 00 | 01 | 37 |
| | 671 | 00 | 01 | 25 | | 1612 | 00 | 02 | 87 |
| | 680 | 00 | 00 | 19 | | 390 | 00 | 03 | 82 |
| | 670 | 00 | 03 | 75 | | 392 | 00 | 00 | 42 |
| | 669 | 00 | 03 | 68 | | 391 | 00 | 01 | 98 |
| | 668 | 00 | 00 | 10 | | 389 | 00 | 00 | 77 |
| | 666 | 00 | 01 | 19 | | 223 | 00 | 03 | 50 |
| | 667 | 00 | 00 | 98 | | 225 | 00 | 05 | 94 |
| | 665 | 00 | 00 | 65 | | 222 | 00 | 00 | 26 |
| | 661 | 00 | 03 | 53 | | 224 | 00 | 02 | 43 |
| | 660 | 00 | 00 | 14 | | 221 | 00 | 00 | 10 |
| | 662 | 00 | 02 | 61 | | 203 | 00 | 01 | 09 |
| | 622 | 00 | 04 | 43 | | 185 | 00 | 02 | 44 |
| | 621 | 00 | 00 | 22 | | 184 | 00 | 04 | 12 |
| | 614 | 00 | 01 | 95 | | 186 | 00 | 00 | 75 |
| | 613 | 00 | 01 | 13 | | 187 | 00 | 01 | 52 |
| | 615 | 00 | 00 | 23 | | 177 | 00 | 00 | 66 |
| | 612 | 00 | 02 | 03 | | 174 | 00 | 00 | 97 |
| | 611 | 00 | 01 | 30 | | 175 | 00 | 02 | 07 |
| | 609 | 00 | 00 | 72 | | 176 | 00 | 00 | 52 |
| | 610 | 00 | 01 | 55 | | 164 | 00 | 05 | 31 |
| | 607 | 00 | 00 | 18 | | 162 | 00 | 00 | 20 |
| | 466 | 00 | 00 | 68 | | 163 | 00 | 01 | 05 |
| | 467 | 00 | 01 | 59 | | 119 | 00 | 03 | 49 |
| | 468 | 00 | 00 | 44 | | 120 | 00 | 01 | 08 |
| | 461 | 00 | 01 | 83 | | 116 | 00 | 01 | 73 |
| | 462 | 00 | 00 | 53 | | 118 | 00 | 01 | 78 |
| | 460 | 00 | 02 | 38 | | 121 | 00 | 00 | 10 |
| | 459 | 00 | 01 | 66 | | 117 | 00 | 02 | 13 |
| | 447 | 00 | 00 | 30 | | 65 | 00 | 03 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|------|----|----|----|----------|------|----|----|----|
| Jukub | 71 | 00 | 00 | 10 | Maratira | 1639 | 00 | 00 | 10 |
| | 66 | 00 | 08 | 33 | | 1640 | 00 | 00 | 10 |
| | 60 | 00 | 00 | 10 | | 1645 | 00 | 02 | 51 |
| | 67 | 00 | 03 | 21 | | 1643 | 00 | 00 | 66 |
| | 68 | 00 | 00 | 15 | | 1644 | 00 | 02 | 08 |
| | 53 | 00 | 10 | 55 | | 1646 | 00 | 04 | 99 |
| | 15 | 00 | 00 | 44 | | 1816 | 00 | 00 | 10 |
| | 14 | 00 | 00 | 10 | | 1769 | 00 | 02 | 73 |
| | 11 | 00 | 05 | 14 | | 1768 | 00 | 00 | 18 |
| | 10 | 00 | 01 | 27 | | 1767 | 00 | 02 | 81 |
| | 12 | 00 | 01 | 53 | | 1762 | 00 | 03 | 71 |
| | 9 | 00 | 03 | 03 | | 1763 | 00 | 01 | 11 |
| | 8 | 00 | 00 | 17 | | 1764 | 00 | 03 | 98 |
| | | | | | | 1664 | 00 | 01 | 74 |
| Derjang | 2294 | 00 | 00 | 25 | | 1745 | 00 | 00 | 10 |
| | 2293 | 00 | 03 | 32 | | 1744 | 00 | 00 | 40 |
| | 2292 | 00 | 03 | 28 | | 1742 | 00 | 00 | 54 |
| | 2291 | 00 | 03 | 26 | | 1741 | 00 | 00 | 73 |
| | 2290 | 00 | 04 | 60 | | 1740 | 00 | 01 | 03 |
| Maratira | 1552 | 00 | 02 | 22 | | 1739 | 00 | 01 | 43 |
| | 1523 | 00 | 04 | 32 | | 1738 | 00 | 00 | 90 |
| | 1524 | 00 | 07 | 30 | | 1729 | 00 | 01 | 15 |
| | 1521 | 00 | 02 | 10 | | 1728 | 00 | 00 | 21 |
| | 1525 | 00 | 00 | 12 | | 1766 | 00 | 00 | 34 |
| | 1527 | 00 | 04 | 62 | | 1727 | 00 | 01 | 62 |
| | 1526 | 00 | 03 | 48 | | 1726 | 00 | 02 | 07 |
| | 1621 | 00 | 05 | 63 | | 1725 | 00 | 02 | 36 |
| | 1622 | 00 | 02 | 66 | | 1723 | 00 | 00 | 10 |
| | 1623 | 00 | 01 | 50 | | 1722 | 00 | 00 | 18 |
| | 1624 | 00 | 00 | 92 | | 1721 | 00 | 00 | 57 |
| | 1625 | 00 | 01 | 38 | | 1720 | 00 | 01 | 02 |
| | 1617 | 00 | 03 | 38 | | 1719 | 00 | 01 | 58 |
| | 1629 | 00 | 03 | 01 | | 1718 | 00 | 02 | 24 |
| | 1632 | 00 | 01 | 44 | | 1714 | 00 | 00 | 10 |
| | 1628 | 00 | 02 | 39 | | 1717 | 00 | 00 | 20 |
| | 1633 | 00 | 00 | 80 | | 1716 | 00 | 01 | 67 |
| | 1634 | 00 | 00 | 24 | | 1715 | 00 | 01 | 22 |
| | 1635 | 00 | 02 | 68 | | 1713 | 00 | 02 | 76 |
| | 1636 | 00 | 01 | 73 | | 1712 | 00 | 04 | 74 |
| | 1492 | 00 | 02 | 38 | | 1705 | 00 | 00 | 10 |
| | 1637 | 00 | 02 | 74 | | 1703 | 00 | 05 | 78 |
| | 1638 | 00 | 08 | 32 | | 1700 | 00 | 00 | 10 |
| | | | | | | 2072 | 00 | 01 | 71 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|------|----|----|----|-----------|------|----|----|----|
| Maratira | 2071 | 00 | 01 | 28 | Santrapur | 207 | 00 | 00 | 14 |
| | 2070 | 00 | 03 | 79 | | 502 | 00 | 00 | 10 |
| | 2065 | 00 | 00 | 10 | | 211 | 00 | 02 | 41 |
| | 2064 | 00 | 02 | 88 | | 212 | 00 | 03 | 81 |
| | 2063 | 00 | 01 | 26 | | 216 | 00 | 01 | 50 |
| | 2060 | 00 | 00 | 20 | | 215 | 00 | 01 | 60 |
| | 2078 | 00 | 03 | 16 | | 217 | 00 | 13 | 79 |
| | 2079 | 00 | 05 | 00 | | 218 | 00 | 01 | 06 |
| | 2080 | 00 | 01 | 71 | | 224 | 00 | 01 | 43 |
| | 2081 | 00 | 03 | 44 | | 223 | 00 | 01 | 06 |
| | 2082 | 00 | 02 | 59 | | 229 | 00 | 01 | 64 |
| | 2086 | 00 | 00 | 84 | | 228 | 00 | 02 | 80 |
| | 2084 | 00 | 00 | 10 | | 232 | 00 | 00 | 93 |
| | 2085 | 00 | 01 | 18 | | 231 | 00 | 02 | 12 |
| | 2134 | 00 | 04 | 30 | | 233 | 00 | 01 | 98 |
| | 445 | 00 | 00 | 10 | | 270 | 00 | 01 | 28 |
| | 444 | 00 | 05 | 94 | | 234 | 00 | 02 | 12 |
| | 443 | 00 | 02 | 09 | | 269 | 00 | 02 | 20 |
| | 442 | 00 | 00 | 10 | | 268 | 00 | 00 | 10 |
| | 441 | 00 | 06 | 85 | | 267 | 00 | 03 | 20 |
| | 439 | 00 | 00 | 10 | | 235 | 00 | 02 | 08 |
| | 2135 | 00 | 12 | 64 | | 266 | 00 | 02 | 32 |
| | 2136 | 00 | 02 | 58 | | 236 | 00 | 02 | 57 |
| | 2141 | 00 | 52 | 32 | | 237 | 00 | 03 | 88 |
| Santrapur | 636 | 00 | 11 | 71 | | 45 | 00 | 00 | 63 |
| | 637 | 00 | 00 | 10 | | 239 | 00 | 00 | 10 |
| | 609 | 00 | 18 | 09 | | 238 | 00 | 04 | 91 |
| | 617 | 00 | 00 | 13 | | 240 | 00 | 00 | 49 |
| | 618 | 00 | 00 | 81 | | 243 | 00 | 09 | 51 |
| | 619 | 00 | 01 | 09 | | 242 | 00 | 00 | 48 |
| | 616 | 00 | 01 | 58 | | 245 | 00 | 02 | 57 |
| | 615 | 00 | 02 | 00 | | 251 | 00 | 00 | 36 |
| | 614 | 00 | 00 | 49 | | 250 | 00 | 02 | 40 |
| | 612 | 00 | 00 | 94 | | 249 | 00 | 01 | 13 |
| | 1329 | 00 | 01 | 62 | | 247 | 00 | 03 | 53 |
| | 613 | 00 | 01 | 25 | | 248 | 00 | 01 | 54 |
| | 507 | 00 | 05 | 04 | | 44 | 00 | 00 | 20 |
| | 620 | 00 | 00 | 44 | Jarara | 3414 | 00 | 00 | 67 |
| | 621 | 00 | 00 | 83 | | 3419 | 00 | 02 | 94 |
| | 622 | 00 | 01 | 60 | | 3420 | 00 | 02 | 00 |
| | 506 | 00 | 00 | 85 | | 3421 | 00 | 00 | 63 |
| | 623 | 00 | 00 | 15 | | 3423 | 00 | 04 | 23 |
| | 208 | 00 | 12 | 42 | | 3424 | 00 | 04 | 95 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------|------|----|----|----|--------|------|----|----|----|
| Jarara | 3426 | 00 | 04 | 42 | Jarara | 1947 | 00 | 02 | 38 |
| | 3398 | 00 | 00 | 25 | | 1945 | 00 | 00 | 86 |
| | 3397 | 00 | 02 | 80 | | 1944 | 00 | 00 | 10 |
| | 3427 | 00 | 03 | 80 | | 2040 | 00 | 02 | 64 |
| | 3396 | 00 | 04 | 70 | | 2039 | 00 | 00 | 74 |
| | 3123 | 00 | 03 | 49 | | 2041 | 00 | 00 | 23 |
| | 3121 | 00 | 08 | 11 | | 1948 | 00 | 02 | 50 |
| | 3124 | 00 | 01 | 81 | | 1951 | 00 | 01 | 10 |
| | 3115 | 00 | 02 | 09 | | 1952 | 00 | 04 | 19 |
| | 3120 | 00 | 01 | 61 | | 1953 | 00 | 07 | 08 |
| | 3116 | 00 | 03 | 46 | | 1954 | 00 | 00 | 13 |
| | 3118 | 00 | 02 | 31 | | 1922 | 00 | 10 | 31 |
| | 3117 | 00 | 01 | 21 | | 1923 | 00 | 00 | 41 |
| | 3108 | 00 | 01 | 40 | | 1911 | 00 | 03 | 69 |
| | 3104 | 00 | 03 | 59 | | 1912 | 00 | 03 | 55 |
| | 3099 | 00 | 11 | 40 | | 1913 | 00 | 03 | 48 |
| | 3097 | 00 | 00 | 10 | | 1914 | 00 | 02 | 53 |
| | 3098 | 00 | 02 | 62 | | 1916 | 00 | 03 | 69 |
| | 3092 | 00 | 03 | 73 | | 1917 | 00 | 03 | 50 |
| | 3091 | 00 | 03 | 54 | | 1893 | 00 | 02 | 55 |
| | 3090 | 00 | 01 | 78 | | 1892 | 00 | 02 | 69 |
| | 3093 | 00 | 00 | 45 | | 1891 | 00 | 01 | 32 |
| | 3055 | 00 | 05 | 43 | | 1888 | 00 | 05 | 25 |
| | 3066 | 00 | 04 | 96 | | 1887 | 00 | 06 | 32 |
| | 3067 | 00 | 15 | 28 | | 1894 | 00 | 02 | 43 |
| | 3141 | 00 | 02 | 21 | | 1895 | 00 | 01 | 21 |
| | 3151 | 00 | 00 | 23 | | 1896 | 00 | 01 | 26 |
| | 3150 | 00 | 01 | 41 | | 1879 | 00 | 01 | 64 |
| | 3143 | 00 | 11 | 77 | | 1704 | 00 | 02 | 37 |
| | 3144 | 00 | 01 | 44 | | 1705 | 00 | 02 | 82 |
| | 2217 | 00 | 10 | 72 | | 1706 | 00 | 01 | 56 |
| | 2216 | 00 | 00 | 10 | | 1707 | 00 | 05 | 27 |
| | 2214 | 00 | 07 | 13 | | 1716 | 00 | 03 | 36 |
| | 2215 | 00 | 00 | 30 | | 1717 | 00 | 06 | 80 |
| | 2213 | 00 | 00 | 29 | | 1718 | 00 | 00 | 10 |
| | 2204 | 00 | 05 | 93 | | 1694 | 00 | 01 | 33 |
| | 2202 | 00 | 04 | 50 | | 1695 | 00 | 00 | 96 |
| | 2201 | 00 | 00 | 77 | | 1696 | 00 | 01 | 36 |
| | 2207 | 00 | 00 | 88 | | 1725 | 00 | 04 | 49 |
| | 2206 | 00 | 03 | 97 | | 1726 | 00 | 04 | 39 |
| | 2043 | 00 | 07 | 80 | | 1689 | 00 | 00 | 68 |
| | 2044 | 00 | 00 | 10 | | 1687 | 00 | 08 | 34 |
| | 1946 | 00 | 03 | 20 | | 1691 | 00 | 00 | 85 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------|------|----|----|----|------------|-----|----|----|----|
| Jarara | 1693 | 00 | 01 | 99 | Barahinsar | 56 | 00 | 03 | 14 |
| | 1686 | 00 | 00 | 98 | | 50 | 00 | 04 | 44 |
| | 1685 | 00 | 02 | 54 | | 16 | 00 | 22 | 59 |
| | 1690 | 00 | 00 | 53 | | 18 | 00 | 02 | 00 |
| | 1670 | 00 | 00 | 11 | | 19 | 00 | 03 | 72 |
| | 1671 | 00 | 00 | 36 | | 20 | 00 | 07 | 22 |
| | 1672 | 00 | 01 | 37 | | 25 | 00 | 00 | 96 |
| | 1679 | 00 | 01 | 81 | | 24 | 00 | 12 | 53 |
| | 1640 | 00 | 03 | 78 | Bimalabera | 131 | 00 | 04 | 15 |
| | 1641 | 00 | 03 | 73 | | 692 | 00 | 01 | 05 |
| | 1642 | 00 | 03 | 26 | | 160 | 00 | 01 | 96 |
| | 1643 | 00 | 00 | 10 | | 133 | 00 | 00 | 10 |
| | 1645 | 00 | 02 | 76 | | 132 | 00 | 04 | 92 |
| | 1646 | 00 | 03 | 19 | | 135 | 00 | 03 | 44 |
| | 1647 | 00 | 03 | 57 | | 136 | 00 | 04 | 25 |
| | 1650 | 00 | 04 | 06 | | 150 | 00 | 03 | 09 |
| | 1651 | 00 | 03 | 97 | | 151 | 00 | 04 | 33 |
| | 1657 | 00 | 17 | 96 | | 149 | 00 | 08 | 21 |
| Barahinsar | 184 | 00 | 00 | 10 | | 190 | 00 | 00 | 20 |
| | 185 | 00 | 07 | 56 | | 191 | 00 | 00 | 34 |
| | 186 | 00 | 00 | 10 | | 148 | 00 | 05 | 32 |
| | 188 | 00 | 02 | 55 | | 194 | 00 | 00 | 26 |
| | 189 | 00 | 04 | 37 | | 195 | 00 | 02 | 29 |
| | 199 | 00 | 00 | 10 | | 196 | 00 | 01 | 69 |
| | 200 | 00 | 02 | 95 | | 197 | 00 | 01 | 24 |
| | 201 | 00 | 03 | 31 | | 198 | 00 | 03 | 08 |
| | 202 | 00 | 06 | 62 | | 199 | 00 | 02 | 61 |
| | 254 | 00 | 00 | 29 | | 200 | 00 | 02 | 53 |
| | 204 | 00 | 01 | 15 | | 201 | 00 | 03 | 03 |
| | 253 | 00 | 02 | 60 | | 205 | 00 | 03 | 89 |
| | 205 | 00 | 00 | 30 | | 206 | 00 | 00 | 08 |
| | 252 | 00 | 03 | 11 | | 50 | 00 | 00 | 10 |
| | 206 | 00 | 00 | 30 | | 51 | 00 | 01 | 36 |
| | 212 | 00 | 07 | 22 | | 52 | 00 | 00 | 71 |
| | 213 | 00 | 00 | 10 | | 53 | 00 | 00 | 10 |
| | 211 | 00 | 00 | 10 | | 207 | 00 | 04 | 95 |
| | 214 | 00 | 02 | 49 | | 208 | 00 | 01 | 40 |
| | 210 | 00 | 00 | 97 | | 209 | 00 | 06 | 30 |
| | 215 | 00 | 04 | 72 | | 227 | 00 | 00 | 10 |
| | 51 | 00 | 03 | 51 | | 228 | 00 | 00 | 45 |
| | 52 | 00 | 01 | 37 | | 691 | 00 | 02 | 04 |
| | 55 | 00 | 04 | 53 | | 214 | 00 | 03 | 76 |
| | 57 | 0 | 00 | 69 | | 211 | 00 | 00 | 10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------|------|----|----|----|---------|------|----|----|----|
| Bimalabera | 213 | 00 | 07 | 95 | Kanjara | 3958 | 00 | 02 | 10 |
| Kanjara | 3770 | 00 | 00 | 10 | | 4007 | 00 | 00 | 10 |
| | 3769 | 00 | 01 | 55 | | 3959 | 00 | 00 | 83 |
| | 3768 | 00 | 00 | 91 | | 3960 | 00 | 03 | 43 |
| | 3757 | 00 | 01 | 71 | | 3961 | 00 | 00 | 13 |
| | 3829 | 00 | 04 | 21 | | 3962 | 00 | 00 | 66 |
| | 3830 | 00 | 00 | 92 | | 4005 | 00 | 00 | 20 |
| | 3833 | 00 | 00 | 68 | | 3964 | 00 | 04 | 06 |
| | 3832 | 00 | 04 | 92 | | 3965 | 00 | 03 | 00 |
| | 3831 | 00 | 00 | 81 | | 3967 | 00 | 00 | 94 |
| | 4154 | 00 | 03 | 13 | | 3966 | 00 | 01 | 53 |
| | 4155 | 00 | 00 | 10 | | 3968 | 00 | 06 | 32 |
| | 4157 | 00 | 04 | 75 | | 3969 | 00 | 00 | 10 |
| | 4153 | 00 | 00 | 51 | | 3974 | 00 | 01 | 50 |
| | 4152 | 00 | 00 | 52 | | 3975 | 00 | 04 | 07 |
| | 4158 | 00 | 04 | 00 | | 3985 | 00 | 01 | 66 |
| | 4151 | 00 | 01 | 15 | | 3981 | 00 | 03 | 23 |
| | 4150 | 00 | 01 | 96 | | 3984 | 00 | 00 | 26 |
| | 4149 | 00 | 02 | 29 | | 3982 | 00 | 02 | 73 |
| | 4148 | 00 | 00 | 10 | | 3979 | 00 | 02 | 29 |
| | 4147 | 00 | 02 | 79 | | 3978 | 00 | 00 | 17 |
| | 4146 | 00 | 02 | 65 | | 3983 | 00 | 01 | 00 |
| | 4144 | 00 | 00 | 35 | | 3569 | 00 | 05 | 91 |
| | 4145 | 00 | 02 | 45 | | 3543 | 00 | 04 | 40 |
| | 4143 | 00 | 02 | 16 | | 3566 | 00 | 05 | 40 |
| | 4142 | 00 | 00 | 28 | | 3565 | 00 | 00 | 66 |
| | 4141 | 00 | 03 | 14 | | 3564 | 00 | 00 | 20 |
| | 4140 | 00 | 01 | 67 | | 3568 | 00 | 00 | 71 |
| | 4137 | 00 | 01 | 68 | | 3567 | 00 | 05 | 51 |
| | 4136 | 00 | 00 | 66 | | 3573 | 00 | 00 | 10 |
| | 4138 | 00 | 04 | 48 | | 3560 | 00 | 03 | 25 |
| | 4078 | 00 | 00 | 10 | | 3559 | 00 | 03 | 95 |
| | 4079 | 00 | 01 | 49 | | 3558 | 00 | 04 | 90 |
| | 4080 | 00 | 06 | 68 | | 3479 | 00 | 00 | 47 |
| | 4071 | 00 | 00 | 24 | | 3557 | 00 | 04 | 00 |
| | 4068 | 00 | 04 | 00 | | 3574 | 00 | 02 | 25 |
| | 4066 | 00 | 02 | 68 | | 3477 | 00 | 00 | 58 |
| | 4067 | 00 | 05 | 07 | | 3575 | 00 | 00 | 14 |
| | 4018 | 00 | 04 | 64 | | 3476 | 00 | 24 | 70 |
| | 4019 | 00 | 01 | 98 | | 3475 | 00 | 00 | 84 |
| | 4010 | 00 | 09 | 23 | | 3474 | 00 | 04 | 00 |
| | 3956 | 00 | 02 | 93 | | 3471 | 00 | 05 | 96 |
| | 3957 | 00 | 01 | 00 | | 3470 | 00 | 05 | 83 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|------|----|----|----|-------------|------|----|----|----|
| Kanjara | 3472 | 00 | 02 | 73 | Malisahi | 867 | 00 | 01 | 78 |
| Tukura | 4317 | 00 | 02 | 78 | | 860 | 00 | 11 | 76 |
| | 4310 | 00 | 10 | 70 | | 859 | 00 | 02 | 82 |
| | 4309 | 00 | 04 | 94 | | 818 | 00 | 05 | 60 |
| | 4308 | 00 | 01 | 22 | | 817 | 00 | 05 | 70 |
| | 4305 | 00 | 06 | 55 | | 816 | 00 | 16 | 58 |
| | 4338 | 00 | 02 | 30 | | 812 | 00 | 17 | 87 |
| | 4306 | 00 | 00 | 11 | | 814 | 00 | 01 | 40 |
| | 4304 | 00 | 15 | 26 | | 813 | 00 | 15 | 54 |
| | 4303 | 00 | 03 | 67 | | 728 | 00 | 05 | 38 |
| | 4297 | 00 | 03 | 47 | | 723 | 00 | 00 | 20 |
| | 4298 | 00 | 00 | 25 | | 722 | 00 | 00 | 66 |
| | 4300 | 00 | 00 | 10 | | 751 | 00 | 64 | 72 |
| | 4299 | 00 | 20 | 08 | | 721 | 00 | 08 | 37 |
| | 4288 | 00 | 03 | 96 | | 720 | 00 | 03 | 64 |
| | 4283 | 00 | 04 | 61 | | 715 | 00 | 03 | 99 |
| | 4282 | 00 | 15 | 34 | | 460 | 00 | 35 | 32 |
| | 4237 | 00 | 00 | 10 | | 454 | 00 | 01 | 48 |
| | 4280 | 00 | 05 | 11 | | 453 | 00 | 08 | 83 |
| | 4278 | 00 | 05 | 40 | | 431 | 00 | 27 | 89 |
| | 4370 | 00 | 09 | 61 | Para | 2190 | 00 | 00 | 26 |
| | 4276 | 00 | 00 | 40 | | 2189 | 00 | 00 | 97 |
| | 4275 | 00 | 01 | 63 | | 2188 | 00 | 00 | 81 |
| | 4277 | 00 | 01 | 58 | | 2187 | 00 | 01 | 32 |
| | 4387 | 00 | 06 | 55 | | 2180 | 00 | 10 | 88 |
| | 4274 | 00 | 04 | 95 | | 2186 | 00 | 00 | 10 |
| | 4272 | 00 | 00 | 93 | | 2184 | 00 | 05 | 49 |
| | 4273 | 00 | 20 | 43 | | 2183 | 00 | 00 | 10 |
| | 4268 | 00 | 00 | 97 | | 2181 | 00 | 17 | 10 |
| | 4267 | 00 | 01 | 81 | | 2182 | 00 | 00 | 25 |
| Malisahi | 1102 | 00 | 15 | 10 | | 2155 | 00 | 00 | 30 |
| | 1104 | 00 | 12 | 65 | | 590 | 00 | 00 | 12 |
| | 1124 | 00 | 01 | 13 | | 589 | 00 | 09 | 71 |
| | 1125 | 00 | 01 | 25 | | 588 | 00 | 05 | 98 |
| | 1126 | 00 | 00 | 97 | | 587 | 00 | 08 | 53 |
| | 906 | 00 | 12 | 10 | Kumurasingi | 569 | 00 | 02 | 79 |
| | 896 | 00 | 00 | 53 | | 568 | 00 | 07 | 24 |
| | 905 | 00 | 01 | 47 | | 567 | 00 | 05 | 57 |
| | 899 | 00 | 19 | 38 | | 566 | 00 | 05 | 54 |
| | 897 | 00 | 01 | 21 | | 565 | 00 | 04 | 64 |
| | 901 | 00 | 06 | 95 | | 561 | 00 | 01 | 60 |
| | 902 | 00 | 01 | 52 | | 584 | 01 | 02 | 82 |
| | 868 | 00 | 00 | 10 | | 560 | 00 | 14 | 52 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------|-----|----|----|----|-----------------|-----|----|----|----|
| Kumurasingi | 559 | 00 | 17 | 79 | Sauria | 118 | 00 | 02 | 08 |
| | 558 | 00 | 02 | 01 | | 127 | 00 | 00 | 66 |
| | 556 | 00 | 00 | 44 | | 182 | 00 | 06 | 55 |
| | 557 | 00 | 19 | 92 | | 129 | 00 | 08 | 89 |
| | 587 | 00 | 01 | 69 | | 130 | 00 | 00 | 10 |
| | 554 | 00 | 19 | 82 | | 117 | 00 | 00 | 10 |
| | 552 | 00 | 15 | 26 | | 110 | 00 | 00 | 10 |
| Gopinathapur | 85 | 00 | 05 | 75 | | 108 | 00 | 01 | 60 |
| | 47 | 00 | 07 | 29 | | 187 | 00 | 02 | 11 |
| | 48 | 00 | 00 | 95 | | 106 | 00 | 07 | 62 |
| | 49 | 00 | 04 | 18 | | 107 | 00 | 09 | 44 |
| | 50 | 00 | 00 | 61 | | 101 | 00 | 00 | 29 |
| | 45 | 00 | 15 | 58 | | 135 | 00 | 00 | 67 |
| | 44 | 00 | 14 | 69 | | 100 | 00 | 02 | 91 |
| | 42 | 00 | 12 | 23 | | 99 | 00 | 04 | 75 |
| | 41 | 00 | 02 | 34 | | 179 | 00 | 00 | 63 |
| | 94 | 00 | 01 | 33 | | 85 | 00 | 06 | 00 |
| | 43 | 00 | 00 | 10 | | 63 | 00 | 00 | 15 |
| | 37 | 00 | 00 | 24 | | 64 | 00 | 04 | 14 |
| | 36 | 00 | 08 | 87 | | 62 | 00 | 00 | 10 |
| | 79 | 00 | 03 | 50 | | 61 | 00 | 00 | 10 |
| | 9 | 00 | 05 | 72 | | 65 | 00 | 04 | 77 |
| | 92 | 00 | 00 | 13 | | 59 | 00 | 00 | 46 |
| | 10 | 00 | 00 | 79 | | 66 | 00 | 03 | 43 |
| | 7 | 00 | 12 | 90 | | 58 | 00 | 01 | 97 |
| | 87 | 00 | 03 | 10 | | 57 | 00 | 03 | 07 |
| | 86 | 00 | 03 | 78 | | 28 | 00 | 00 | 10 |
| | 12 | 00 | 02 | 07 | | 29 | 00 | 09 | 51 |
| | 91 | 00 | 06 | 59 | | 31 | 00 | 00 | 10 |
| | 4 | 00 | 03 | 57 | | 30 | 00 | 01 | 03 |
| | 6 | 00 | 03 | 82 | | 9 | 00 | 16 | 29 |
| | 95 | 00 | 09 | 05 | | 10 | 00 | 07 | 10 |
| | 5 | 00 | 06 | 44 | | 1 | 00 | 04 | 03 |
| | 1 | 00 | 00 | 85 | | 11 | 00 | 09 | 27 |
| | 2 | 00 | 00 | 80 | | 12 | 00 | 04 | 15 |
| | 3 | 00 | 02 | 25 | | | | | |
| Sauria | 165 | 00 | 01 | 98 | Gobindapanasahi | 465 | 00 | 12 | 78 |
| | 164 | 00 | 02 | 11 | | 401 | 00 | 15 | 18 |
| | 186 | 00 | 08 | 63 | | 405 | 00 | 00 | 95 |
| | 163 | 00 | 09 | 92 | | 399 | 00 | 15 | 58 |
| | 126 | 00 | 06 | 88 | | 406 | 00 | 00 | 76 |
| | 190 | 00 | 00 | 43 | | 408 | 00 | 06 | 70 |
| | 125 | 00 | 14 | 66 | | 409 | 00 | 06 | 94 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------|-----|----|----|----|-----------------|------|----|----|----|
| Gobindapanasahi | 396 | 00 | 08 | 56 | Gobindapanasahi | 20 | 00 | 14 | 39 |
| | 395 | 00 | 18 | 90 | | 21 | 00 | 14 | 21 |
| | 385 | 00 | 00 | 60 | | 19 | 00 | 07 | 17 |
| | 386 | 00 | 08 | 90 | | 13 | 00 | 19 | 21 |
| | 387 | 00 | 01 | 03 | | 7 | 00 | 10 | 98 |
| | 378 | 00 | 12 | 45 | | 5 | 00 | 08 | 63 |
| | 379 | 00 | 01 | 69 | Jarapara | 2720 | 00 | 06 | 63 |
| | 366 | 00 | 02 | 43 | | 2721 | 00 | 00 | 87 |
| | 367 | 00 | 01 | 12 | | 2727 | 00 | 20 | 37 |
| | 365 | 00 | 01 | 43 | | 2726 | 00 | 00 | 91 |
| | 364 | 00 | 01 | 74 | | 2730 | 00 | 03 | 05 |
| | 363 | 00 | 01 | 78 | | 2731 | 00 | 11 | 32 |
| | 362 | 00 | 02 | 06 | | 2732 | 00 | 01 | 65 |
| | 329 | 00 | 02 | 92 | | 2733 | 00 | 03 | 15 |
| | 360 | 00 | 01 | 33 | | 2707 | 00 | 04 | 48 |
| | 361 | 00 | 01 | 50 | | 2706 | 00 | 11 | 90 |
| | 328 | 00 | 03 | 15 | | 2705 | 00 | 04 | 22 |
| | 322 | 00 | 00 | 85 | | 2704 | 00 | 00 | 82 |
| | 323 | 00 | 00 | 10 | | 2697 | 00 | 01 | 44 |
| | 327 | 00 | 03 | 85 | | 2696 | 00 | 00 | 10 |
| | 326 | 00 | 06 | 60 | | 2695 | 00 | 06 | 25 |
| | 317 | 00 | 13 | 65 | | 2583 | 00 | 08 | 11 |
| | 315 | 00 | 06 | 92 | | 2584 | 00 | 01 | 75 |
| | 87 | 00 | 04 | 75 | | 2582 | 00 | 09 | 51 |
| | 88 | 00 | 00 | 76 | | 2586 | 00 | 00 | 25 |
| | 92 | 00 | 05 | 17 | | 2585 | 00 | 02 | 09 |
| | 95 | 00 | 05 | 27 | | 2587 | 00 | 11 | 01 |
| | 96 | 00 | 03 | 43 | | 2589 | 00 | 00 | 36 |
| | 102 | 00 | 02 | 98 | | 2588 | 00 | 06 | 46 |
| | 106 | 00 | 04 | 26 | | 2562 | 00 | 04 | 41 |
| | 107 | 00 | 01 | 88 | | 2591 | 00 | 00 | 35 |
| | 110 | 00 | 03 | 81 | | 2540 | 00 | 01 | 15 |
| | 111 | 00 | 05 | 01 | | 2541 | 00 | 01 | 32 |
| | 118 | 00 | 14 | 57 | | 2542 | 00 | 01 | 53 |
| | 123 | 00 | 23 | 04 | | 2543 | 00 | 01 | 97 |
| | 122 | 00 | 00 | 10 | | 2544 | 00 | 05 | 55 |
| | 57 | 00 | 07 | 41 | | 2876 | 00 | 03 | 65 |
| | 55 | 00 | 00 | 16 | | 2548 | 00 | 03 | 15 |
| | 53 | 00 | 25 | 44 | | 2557 | 00 | 01 | 24 |
| | 54 | 00 | 31 | 23 | | 2556 | 00 | 03 | 39 |
| | 39 | 00 | 09 | 00 | | 2555 | 00 | 02 | 20 |
| | 38 | 00 | 00 | 10 | | 2554 | 00 | 02 | 25 |
| | 36 | 00 | 44 | 22 | | 2553 | 00 | 02 | 77 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|------|----|----|----|----------|------|----|----|----|
| Jarapara | 2552 | 00 | 01 | 65 | Jarapara | 2135 | 00 | 03 | 54 |
| | 2551 | 00 | 00 | 10 | | 2139 | 00 | 02 | 19 |
| | 2550 | 00 | 00 | 10 | | 2140 | 00 | 00 | 10 |
| | 2487 | 00 | 08 | 66 | | 2134 | 00 | 02 | 12 |
| | 2450 | 00 | 09 | 43 | | 2019 | 00 | 02 | 06 |
| | 2451 | 00 | 02 | 61 | | 2020 | 00 | 01 | 00 |
| | 2454 | 00 | 15 | 15 | | 2018 | 00 | 00 | 27 |
| | 2455 | 00 | 02 | 70 | | 2022 | 00 | 03 | 40 |
| | 2456 | 00 | 15 | 07 | | 2027 | 00 | 01 | 00 |
| | 2457 | 00 | 04 | 42 | | 2026 | 00 | 02 | 35 |
| | 2430 | 00 | 00 | 14 | | 2025 | 00 | 00 | 10 |
| | 2426 | 00 | 07 | 10 | | 2029 | 00 | 03 | 67 |
| | 2428 | 00 | 02 | 61 | | 2028 | 00 | 00 | 01 |
| | 2427 | 00 | 10 | 31 | | 2030 | 00 | 00 | 75 |
| | 2413 | 00 | 00 | 10 | | 2032 | 00 | 01 | 72 |
| | 2277 | 00 | 01 | 10 | | 2033 | 00 | 02 | 78 |
| | 2275 | 00 | 04 | 20 | | 2051 | 00 | 04 | 08 |
| | 2276 | 00 | 00 | 43 | | 2052 | 00 | 06 | 95 |
| | 2274 | 00 | 03 | 54 | | 2053 | 00 | 00 | 67 |
| | 2273 | 00 | 00 | 10 | | 1960 | 00 | 00 | 56 |
| | 2272 | 00 | 01 | 63 | | 1959 | 00 | 00 | 10 |
| | 2282 | 00 | 00 | 29 | | 1952 | 00 | 10 | 88 |
| | 2271 | 00 | 04 | 98 | | 1953 | 00 | 00 | 95 |
| | 2264 | 00 | 02 | 79 | | 1942 | 00 | 00 | 43 |
| | 2270 | 00 | 00 | 49 | | 1949 | 00 | 02 | 41 |
| | 2265 | 00 | 03 | 32 | | 1947 | 00 | 04 | 74 |
| | 2257 | 00 | 00 | 26 | | 1948 | 00 | 06 | 74 |
| | 2256 | 00 | 01 | 22 | | 1758 | 00 | 00 | 27 |
| | 2266 | 00 | 00 | 10 | | 1946 | 00 | 00 | 14 |
| | 2223 | 00 | 04 | 37 | | 1759 | 00 | 05 | 59 |
| | 2224 | 00 | 01 | 54 | | 1851 | 00 | 00 | 10 |
| | 2222 | 00 | 00 | 34 | | 1762 | 00 | 03 | 23 |
| | 2225 | 00 | 05 | 14 | | 1763 | 00 | 01 | 31 |
| | 2226 | 00 | 00 | 17 | | 1764 | 00 | 03 | 05 |
| | 2144 | 00 | 01 | 75 | | 1765 | 00 | 00 | 97 |
| | 2227 | 00 | 01 | 22 | | 1767 | 00 | 02 | 55 |
| | 2143 | 00 | 03 | 57 | | 1766 | 00 | 04 | 19 |
| | 2145 | 00 | 00 | 10 | | 1769 | 00 | 05 | 51 |
| | 2148 | 00 | 02 | 59 | | 1728 | 00 | 00 | 10 |
| | 2142 | 00 | 00 | 29 | | 1770 | 00 | 01 | 37 |
| | 2137 | 00 | 03 | 15 | | 1784 | 00 | 00 | 10 |
| | 2136 | 00 | 00 | 10 | | 1781 | 00 | 03 | 83 |
| | 2138 | 00 | 01 | 78 | | 1782 | 00 | 00 | 12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|------|----|----|----|----------|------|----|----|----|
| Jarapara | 1780 | 00 | 03 | 73 | Jarapara | 1262 | 00 | 04 | 72 |
| | 1805 | 00 | 02 | 53 | | 1267 | 00 | 00 | 20 |
| | 1806 | 00 | 00 | 83 | | 1265 | 00 | 01 | 11 |
| | 1808 | 00 | 01 | 37 | | 1266 | 00 | 00 | 80 |
| | 1807 | 00 | 02 | 71 | | 1275 | 00 | 01 | 69 |
| | 1811 | 00 | 00 | 10 | | 1286 | 00 | 00 | 26 |
| | 1809 | 00 | 04 | 36 | | 1282 | 00 | 00 | 38 |
| | 1810 | 00 | 03 | 49 | | 1284 | 00 | 03 | 50 |
| | 1562 | 00 | 00 | 87 | Tube | 4832 | 00 | 08 | 58 |
| | 1548 | 00 | 06 | 86 | | 4831 | 00 | 11 | 71 |
| | 1538 | 00 | 02 | 92 | | 4829 | 00 | 06 | 43 |
| | 1539 | 00 | 02 | 17 | | 4828 | 00 | 20 | 24 |
| | 1537 | 00 | 03 | 59 | | 4843 | 00 | 02 | 79 |
| | 1540 | 00 | 00 | 20 | | 4827 | 00 | 11 | 32 |
| | 1536 | 00 | 02 | 17 | | 4820 | 00 | 04 | 25 |
| | 1535 | 00 | 00 | 10 | | 4819 | 00 | 03 | 36 |
| | 1314 | 00 | 05 | 54 | | 4817 | 00 | 00 | 10 |
| | 1315 | 00 | 03 | 26 | | 4816 | 00 | 00 | 71 |
| | 1318 | 00 | 00 | 10 | | 4815 | 00 | 01 | 97 |
| | 1312 | 00 | 03 | 29 | | 4814 | 00 | 04 | 21 |
| | 1311 | 00 | 02 | 45 | | 4813 | 00 | 04 | 38 |
| | 1302 | 00 | 03 | 03 | | 4812 | 00 | 01 | 55 |
| | 1310 | 00 | 00 | 11 | | 4803 | 00 | 01 | 86 |
| | 1301 | 00 | 00 | 10 | | 4804 | 00 | 02 | 41 |
| | 1303 | 00 | 01 | 31 | | 4802 | 00 | 00 | 83 |
| | 1304 | 00 | 02 | 72 | | 4801 | 00 | 00 | 10 |
| | 1309 | 00 | 02 | 48 | | 4740 | 00 | 02 | 30 |
| | 1305 | 00 | 02 | 84 | | 4741 | 00 | 02 | 28 |
| | 1227 | 00 | 02 | 05 | | 4742 | 00 | 02 | 06 |
| | 1226 | 00 | 03 | 42 | | 4745 | 00 | 02 | 79 |
| | 1225 | 00 | 01 | 72 | | 4746 | 00 | 03 | 23 |
| | 1236 | 00 | 00 | 23 | | 4788 | 00 | 03 | 65 |
| | 1238 | 00 | 07 | 54 | | 4787 | 00 | 03 | 89 |
| | 1239 | 00 | 02 | 88 | | 4784 | 00 | 00 | 85 |
| | 1252 | 00 | 00 | 80 | | 4783 | 00 | 06 | 82 |
| | 1251 | 00 | 01 | 05 | | 4782 | 00 | 02 | 87 |
| | 1254 | 00 | 03 | 07 | | 4780 | 00 | 01 | 90 |
| | 1255 | 00 | 00 | 38 | | 4781 | 00 | 01 | 18 |
| | 1253 | 00 | 04 | 89 | | 4758 | 00 | 02 | 71 |
| | 1261 | 00 | 00 | 71 | | 4757 | 00 | 10 | 42 |
| | 1259 | 00 | 03 | 09 | | 4756 | 00 | 00 | 99 |
| | 1263 | 00 | 03 | 52 | | 4529 | 00 | 02 | 87 |
| | 1264 | 00 | 00 | 45 | | 4530 | 00 | 02 | 82 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|------|----|----|----|------|------|----|----|----|
| Tube | 4535 | 00 | 14 | 60 | Tube | 3803 | 00 | 04 | 87 |
| | 4536 | 00 | 01 | 70 | | 3798 | 00 | 07 | 53 |
| | 4537 | 00 | 00 | 75 | | 3797 | 00 | 04 | 12 |
| | 4538 | 00 | 02 | 56 | | 3763 | 00 | 00 | 52 |
| | 4539 | 00 | 00 | 10 | | 3794 | 00 | 04 | 82 |
| | 4541 | 00 | 02 | 43 | | 3789 | 00 | 08 | 05 |
| | 4542 | 00 | 02 | 09 | | 3768 | 00 | 00 | 86 |
| | 4545 | 00 | 02 | 26 | | 3788 | 00 | 04 | 23 |
| | 4546 | 00 | 01 | 92 | | 3787 | 00 | 02 | 81 |
| | 4549 | 00 | 01 | 95 | | 3786 | 00 | 01 | 49 |
| | 4550 | 00 | 01 | 53 | | 3785 | 00 | 01 | 99 |
| | 4551 | 00 | 02 | 15 | | 3784 | 00 | 00 | 10 |
| | 4556 | 00 | 02 | 11 | | 3778 | 00 | 02 | 91 |
| | 4559 | 00 | 04 | 27 | | 3779 | 00 | 02 | 21 |
| | 4203 | 00 | 01 | 29 | | 3777 | 00 | 00 | 13 |
| | 3897 | 00 | 01 | 99 | | 3439 | 00 | 01 | 60 |
| | 3898 | 00 | 01 | 93 | | 3356 | 00 | 00 | 76 |
| | 3896 | 00 | 06 | 56 | | 3355 | 00 | 02 | 17 |
| | 3894 | 00 | 01 | 69 | | 3354 | 00 | 01 | 50 |
| | 3895 | 00 | 03 | 53 | | 3353 | 00 | 00 | 10 |
| | 3899 | 00 | 00 | 72 | | 3352 | 00 | 04 | 61 |
| | 3845 | 00 | 03 | 09 | | 1730 | 00 | 04 | 72 |
| | 3846 | 00 | 02 | 45 | | 1731 | 00 | 00 | 10 |
| | 3844 | 00 | 02 | 09 | | 1734 | 00 | 00 | 25 |
| | 3843 | 00 | 03 | 50 | | 1729 | 00 | 04 | 54 |
| | 3841 | 00 | 04 | 71 | | 1735 | 00 | 00 | 34 |
| | 3840 | 00 | 00 | 99 | | 1681 | 00 | 00 | 49 |
| | 3839 | 00 | 08 | 09 | | 1728 | 00 | 04 | 55 |
| | 3834 | 00 | 00 | 10 | | 1682 | 00 | 00 | 67 |
| | 3838 | 00 | 04 | 14 | | 1683 | 00 | 05 | 39 |
| | 3835 | 00 | 00 | 10 | | 1684 | 00 | 04 | 29 |
| | 3837 | 00 | 02 | 07 | | 1725 | 00 | 00 | 10 |
| | 3836 | 00 | 00 | 40 | | 1723 | 00 | 03 | 69 |
| | 3830 | 00 | 06 | 57 | | 1724 | 00 | 00 | 68 |
| | 3831 | 00 | 00 | 30 | | 1722 | 00 | 02 | 90 |
| | 3829 | 00 | 02 | 93 | | 1721 | 00 | 00 | 71 |
| | 3828 | 00 | 03 | 72 | | 1692 | 00 | 03 | 76 |
| | 3827 | 00 | 00 | 26 | | 1693 | 00 | 03 | 85 |
| | 3808 | 00 | 05 | 38 | | 1568 | 00 | 07 | 97 |
| | 3809 | 00 | 03 | 02 | | 1567 | 00 | 00 | 83 |
| | 3810 | 00 | 02 | 78 | | 1569 | 00 | 04 | 40 |
| | 3811 | 00 | 02 | 88 | | 1570 | 00 | 02 | 41 |
| | 3804 | 00 | 07 | 04 | | 1572 | 00 | 02 | 48 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------|------|----|----|----|--------|-----|----|----|----|
| Tube | 1571 | 00 | 00 | 84 | Tube | 758 | 00 | 09 | 53 |
| | 1497 | 00 | 11 | 30 | | 756 | 00 | 00 | 40 |
| | 1553 | 00 | 03 | 76 | | 752 | 00 | 00 | 54 |
| | 1549 | 00 | 01 | 39 | | 759 | 00 | 01 | 69 |
| | 1550 | 00 | 05 | 12 | | 760 | 00 | 02 | 59 |
| | 1544 | 00 | 11 | 11 | | 751 | 00 | 05 | 92 |
| | 1543 | 00 | 03 | 23 | Jerang | 486 | 00 | 04 | 11 |
| | 1541 | 00 | 03 | 27 | | 487 | 00 | 00 | 83 |
| | 1540 | 00 | 03 | 40 | | 351 | 00 | 03 | 15 |
| | 1288 | 00 | 11 | 47 | | 349 | 00 | 02 | 90 |
| | 1287 | 00 | 05 | 13 | | 491 | 00 | 14 | 17 |
| | 1291 | 00 | 00 | 23 | | 341 | 00 | 28 | 17 |
| | 1286 | 00 | 04 | 74 | | 340 | 00 | 00 | 10 |
| | 1285 | 00 | 01 | 17 | | 342 | 00 | 00 | 20 |
| | 1284 | 00 | 00 | 29 | | | | | |
| | 1280 | 00 | 02 | 21 | | | | | |
| | 1278 | 00 | 11 | 04 | | | | | |
| | 1277 | 00 | 01 | 89 | | | | | |
| | 1276 | 00 | 00 | 27 | | | | | |
| | 1279 | 00 | 00 | 15 | | | | | |
| | 1275 | 00 | 04 | 72 | | | | | |
| | 1274 | 00 | 00 | 10 | | | | | |
| | 1095 | 00 | 02 | 18 | | | | | |
| | 978 | 00 | 06 | 46 | | | | | |
| | 972 | 00 | 27 | 40 | | | | | |
| | 976 | 00 | 00 | 62 | | | | | |
| | 975 | 00 | 04 | 69 | | | | | |
| | 974 | 00 | 14 | 81 | | | | | |
| | 866 | 00 | 10 | 14 | | | | | |
| | 864 | 00 | 08 | 63 | | | | | |
| | 863 | 00 | 04 | 73 | | | | | |
| | 862 | 00 | 02 | 21 | | | | | |
| | 870 | 00 | 02 | 02 | | | | | |
| | 861 | 00 | 08 | 51 | | | | | |
| | 859 | 00 | 15 | 70 | | | | | |
| | 860 | 00 | 00 | 10 | | | | | |
| | 878 | 00 | 00 | 48 | | | | | |
| | 858 | 00 | 09 | 74 | | | | | |
| | 857 | 00 | 12 | 82 | | | | | |
| | 855 | 00 | 00 | 10 | | | | | |
| | 856 | 00 | 04 | 02 | | | | | |
| | 768 | 00 | 00 | 10 | | | | | |
| | 757 | 00 | 06 | 15 | | | | | |

[No. R-25011/16/2010-OR-I]

B. K. DATTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1824.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पारादीप (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं राँची (झारखण्ड) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा “पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन” बिछाई जानी चाहिये;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि, जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध है, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री सुकान्त कुमार प्रधान, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन परियोजना, 1295, फॉरेस्ट पार्क, भुवनेश्वर-751009 (उड़ीसा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

| अनुसूची | | | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|-------------|--------------|-----|-----------|------|------|----|----|----|
| तहसील-छेंडिपदा | जिला-अनुगुल | राज्य-उड़ीसा | | | कटडा | 1447 | 00 | 06 | 22 |
| गांव का नाम | प्लॉट नं. | क्षेत्रफल | | | | 1448 | 00 | 04 | 54 |
| | | हेक्टेयर | एयर | वर्ग मीटर | | 1449 | 00 | 04 | 57 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | 1417 | 00 | 08 | 76 |
| कटडा | 1548 | 00 | 07 | 95 | | 1416 | 00 | 05 | 78 |
| | 1544 | 00 | 27 | 11 | | 1418 | 00 | 00 | 92 |
| | 1543 | 00 | 09 | 31 | | 1422 | 00 | 00 | 16 |
| | 1531 | 00 | 01 | 76 | | 1402 | 00 | 04 | 74 |
| | 1628 | 00 | 03 | 75 | | 1401 | 00 | 00 | 78 |
| | 1529 | 00 | 00 | 10 | | 1403 | 00 | 01 | 59 |
| | 1528 | 00 | 05 | 31 | | 1404 | 00 | 01 | 40 |
| | 1527 | 00 | 01 | 29 | | 1405 | 00 | 03 | 87 |
| | 1524 | 00 | 02 | 17 | | 1407 | 00 | 04 | 83 |
| | 1525 | 00 | 07 | 41 | | 1408 | 00 | 02 | 10 |
| | 1556 | 00 | 10 | 62 | | 1340 | 00 | 03 | 15 |
| | 1514 | 00 | 08 | 14 | | 1339 | 00 | 04 | 65 |
| | 1515 | 00 | 09 | 57 | | 1338 | 00 | 01 | 13 |
| | 1489 | 00 | 01 | 67 | | 1337 | 00 | 00 | 35 |
| | 1487 | 00 | 00 | 10 | | 1335 | 00 | 01 | 78 |
| | 1490 | 00 | 03 | 23 | | 1344 | 00 | 08 | 32 |
| | 1491 | 00 | 03 | 30 | | 1343 | 00 | 00 | 10 |
| | 1492 | 00 | 03 | 34 | | 1321 | 00 | 05 | 27 |
| | 1493 | 00 | 03 | 29 | | 1320 | 00 | 05 | 88 |
| | 1494 | 00 | 03 | 62 | | 1315 | 00 | 01 | 63 |
| | 1495 | 00 | 03 | 26 | | 1314 | 00 | 02 | 39 |
| | 1496 | 00 | 03 | 88 | | 1313 | 00 | 02 | 92 |
| | 1497 | 00 | 03 | 25 | | 1353 | 00 | 03 | 19 |
| | 1498 | 00 | 03 | 68 | | 721 | 00 | 12 | 10 |
| | 1499 | 00 | 03 | 57 | | 668 | 00 | 00 | 79 |
| | 1577 | 00 | 06 | 28 | | 667 | 00 | 02 | 48 |
| | 1483 | 00 | 03 | 49 | | 665 | 00 | 03 | 61 |
| | 1564 | 00 | 01 | 08 | | 666 | 00 | 00 | 77 |
| | 1481 | 00 | 05 | 10 | | 664 | 00 | 00 | 64 |
| | 1482 | 00 | 00 | 10 | | 662 | 00 | 01 | 04 |
| | 1602 | 00 | 09 | 59 | | 661 | 00 | 01 | 63 |
| | 1474 | 00 | 04 | 23 | | 593 | 00 | 07 | 92 |
| | 1468 | 00 | 05 | 56 | | 592 | 00 | 01 | 40 |
| | 1457 | 00 | 20 | 43 | | 594 | 00 | 02 | 34 |
| | 1458 | 0 | 01 | 59 | | 598 | 00 | 06 | 91 |
| | 1611 | 00 | 03 | 17 | | 601 | 00 | 06 | 07 |
| | 1446 | 00 | 11 | 94 | | 602 | 00 | 00 | 85 |
| | 1445 | 00 | 00 | 20 | | 600 | 00 | 03 | 17 |
| | | | | | | 599 | 00 | 01 | 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------|-----|----|----|----|
| कटड़ा | 591 | 00 | 03 | 47 |
| | 615 | 00 | 00 | 50 |
| | 590 | 00 | 02 | 74 |
| | 589 | 00 | 14 | 15 |
| | 570 | 00 | 00 | 26 |
| | 572 | 00 | 04 | 22 |
| | 571 | 00 | 13 | 25 |
| | 408 | 00 | 11 | 08 |
| | 565 | 00 | 00 | 20 |
| | 410 | 00 | 02 | 52 |
| | 411 | 00 | 00 | 10 |
| | 412 | 00 | 00 | 10 |
| | 413 | 00 | 01 | 91 |
| | 399 | 00 | 02 | 00 |
| | 409 | 00 | 09 | 04 |
| | 398 | 00 | 00 | 56 |
| | 418 | 00 | 22 | 07 |
| | 417 | 00 | 00 | 81 |
| | 427 | 00 | 05 | 32 |
| | 428 | 00 | 03 | 88 |
| | 516 | 00 | 07 | 32 |
| | 514 | 00 | 06 | 91 |
| | 515 | 00 | 00 | 10 |
| | 512 | 00 | 07 | 55 |
| | 513 | 00 | 02 | 04 |
| | 517 | 00 | 00 | 10 |
| | 448 | 00 | 04 | 82 |
| | 498 | 00 | 00 | 10 |
| | 496 | 00 | 05 | 00 |
| | 493 | 00 | 09 | 50 |
| | 465 | 00 | 09 | 49 |
| | 484 | 00 | 01 | 77 |
| | 483 | 00 | 13 | 80 |
| | 479 | 00 | 09 | 42 |
| | 477 | 00 | 07 | 91 |
| | 480 | 00 | 00 | 97 |
| | 475 | 00 | 25 | 88 |
| | 474 | 00 | 81 | 36 |
| | 37 | 00 | 04 | 30 |
| | 36 | 00 | 10 | 76 |
| | 35 | 00 | 05 | 47 |
| | 30 | 00 | 43 | 40 |
| | 19 | 00 | 22 | 95 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------|----|----|----|----|
| कटड़ा | 20 | 00 | 00 | 10 |
| | 16 | 00 | 64 | 04 |
| | 13 | 00 | 02 | 15 |
| | 12 | 00 | 66 | 07 |
| | 1 | 00 | 50 | 31 |
| | 4 | 00 | 63 | 62 |
| | 1 | 00 | 02 | 14 |

[सं. आर-25011/17/2010-ओ.आर.-1]

बी. के. दत्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O. 1824.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Paradip (Orissa) to Raipur (Chhattisgarh) and Ranchi (Jharkhand), a "Paradip - Sambalpur - Raipur - Ranchi Pipeline" should be laid by Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the General Public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Sri Sukanta Kumar Pradhan, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Paradip - Sambalpur Raipur - Ranchi Pipeline Project, 1295, Forest Park, Bhubaneswar-751009, (Orissa).

SCHEDULE

| Tehsil : Chhendipada | | Distt. : Angul | | State : Orissa | |
|----------------------|----------|----------------|-----|----------------|--|
| Name of the Village | Plot No. | Hect. | Are | Sq. Mtr. | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
| Katara | 1548 | 00 | 07 | 95 | |
| | 1544 | 00 | 27 | 11 | |
| | 1543 | 00 | 09 | 31 | |
| | 1531 | 00 | 01 | 76 | |
| | 1628 | 00 | 03 | 75 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------|------|----|----|----|--------|------|----|----|----|
| Katara | 1529 | 00 | 00 | 10 | Katara | 1344 | 00 | 08 | 32 |
| | 1528 | 00 | 05 | 31 | | 1343 | 00 | 00 | 10 |
| | 1527 | 00 | 01 | 29 | | 1321 | 00 | 05 | 27 |
| | 1524 | 00 | 02 | 17 | | 1320 | 00 | 05 | 88 |
| | 1525 | 00 | 07 | 41 | | 1315 | 00 | 01 | 63 |
| | 1556 | 00 | 10 | 62 | | 1314 | 00 | 02 | 39 |
| | 1514 | 00 | 08 | 14 | | 1313 | 00 | 02 | 92 |
| | 1515 | 00 | 09 | 57 | | 1353 | 00 | 03 | 19 |
| | 1489 | 00 | 01 | 67 | | 721 | 00 | 12 | 10 |
| | 1487 | 00 | 00 | 10 | | 668 | 00 | 00 | 79 |
| | 1490 | 00 | 03 | 23 | | 667 | 00 | 02 | 48 |
| | 1491 | 00 | 03 | 30 | | 665 | 00 | 03 | 61 |
| | 1492 | 00 | 03 | 34 | | 666 | 00 | 00 | 77 |
| | 1493 | 00 | 03 | 29 | | 664 | 00 | 00 | 64 |
| | 1494 | 00 | 03 | 62 | | 662 | 00 | 01 | 04 |
| | 1495 | 00 | 03 | 26 | | 661 | 00 | 01 | 63 |
| | 1496 | 00 | 03 | 88 | | 593 | 00 | 07 | 92 |
| | 1497 | 00 | 03 | 25 | | 592 | 00 | 01 | 40 |
| | 1498 | 00 | 03 | 68 | | 594 | 00 | 02 | 34 |
| | 1499 | 00 | 03 | 57 | | 598 | 00 | 06 | 91 |
| | 1577 | 00 | 06 | 28 | | 601 | 00 | 06 | 07 |
| | 1483 | 00 | 03 | 49 | | 602 | 00 | 00 | 85 |
| | 1564 | 00 | 01 | 08 | | 600 | 00 | 03 | 17 |
| | 1481 | 00 | 05 | 10 | | 599 | 00 | 01 | 40 |
| | 1482 | 00 | 00 | 10 | | 591 | 00 | 03 | 47 |
| | 1602 | 00 | 09 | 59 | | 615 | 00 | 00 | 50 |
| | 1474 | 00 | 04 | 23 | | 590 | 00 | 02 | 74 |
| | 1468 | 00 | 05 | 56 | | 589 | 00 | 14 | 15 |
| | 1457 | 00 | 20 | 43 | | 570 | 00 | 00 | 26 |
| | 1458 | 0 | 01 | 59 | | 572 | 00 | 04 | 22 |
| | 1611 | 00 | 03 | 17 | | 571 | 00 | 13 | 25 |
| | 1446 | 00 | 11 | 94 | | 408 | 00 | 11 | 08 |
| | 1445 | 00 | 00 | 20 | | 565 | 00 | 00 | 20 |
| | 1447 | 00 | 06 | 22 | | 410 | 00 | 02 | 52 |
| | 1448 | 00 | 04 | 54 | | 411 | 00 | 00 | 10 |
| | 1449 | 00 | 04 | 57 | | 412 | 00 | 00 | 10 |
| | 1417 | 00 | 08 | 76 | | 413 | 00 | 01 | 91 |
| | 1416 | 00 | 05 | 78 | | 399 | 00 | 02 | 00 |
| | 1418 | 00 | 00 | 92 | | 409 | 00 | 09 | 04 |
| | 1422 | 00 | 00 | 16 | | 398 | 00 | 00 | 56 |
| | 1402 | 00 | 04 | 74 | | 418 | 00 | 22 | 07 |
| | 1401 | 00 | 00 | 78 | | 417 | 00 | 00 | 81 |
| | 1403 | 00 | 01 | 59 | | 427 | 00 | 05 | 32 |
| | 1404 | 00 | 01 | 40 | | 428 | 00 | 03 | 88 |
| | 1405 | 00 | 03 | 87 | | 516 | 00 | 07 | 32 |
| | 1407 | 00 | 04 | 83 | | 514 | 00 | 06 | 91 |
| | 1408 | 00 | 02 | 10 | | 515 | 00 | 00 | 10 |
| | 1340 | 00 | 03 | 15 | | 512 | 00 | 07 | 55 |
| | 1339 | 00 | 04 | 65 | | 513 | 00 | 02 | 04 |
| | 1338 | 00 | 01 | 13 | | 517 | 00 | 00 | 10 |
| | 1337 | 00 | 00 | 35 | | 448 | 00 | 04 | 82 |
| | 1335 | 00 | 01 | 78 | | 498 | 00 | 00 | 10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------|-----|----|----|----|
| Katara | 496 | 00 | 05 | 00 |
| | 493 | 00 | 09 | 50 |
| | 465 | 00 | 09 | 49 |
| | 484 | 00 | 01 | 77 |
| | 483 | 00 | 13 | 80 |
| | 479 | 00 | 09 | 42 |
| | 477 | 00 | 07 | 91 |
| | 480 | 00 | 00 | 97 |
| | 475 | 00 | 25 | 88 |
| | 474 | 00 | 81 | 36 |
| | 37 | 00 | 04 | 30 |
| | 36 | 00 | 10 | 76 |
| | 35 | 00 | 05 | 47 |
| | 30 | 00 | 43 | 40 |
| | 19 | 00 | 22 | 95 |
| | 20 | 00 | 00 | 10 |
| | 16 | 00 | 64 | 04 |
| | 13 | 00 | 02 | 15 |
| | 12 | 00 | 66 | 07 |
| | 11 | 00 | 50 | 31 |
| | 4 | 00 | 63 | 62 |
| | 1 | 00 | 02 | 14 |

[No. R-25011/17/2010-OR-I]

B. K. DATTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2010

का.आ. 1825.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्य प्रदेश राज्य में बीना संस्थापन से राजस्थान राज्य में कोटा तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिये उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के संबंध में श्री किशोर कुमार शर्मा, सक्षम प्राधिकारी, बीना-कोटा पाइपलाइन परियोजना, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बी-105, इन्द्रा विहार तलवण्डी, कोटा-324005 (राजस्थान) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

| तहसील-छबड़ा | जिला-बारां | राज्य-राजस्थान |
|----------------------|------------|------------------------|
| क्र.सं. ग्राम का नाम | सर्वे नंबर | क्षेत्रफल हैक्टेयर में |
| 1 | 2 | 3 |
| 1. दीलोद | 120 | 0.2000 |
| | 125 | 0.0700 |
| 2. बीलखेड़ा | 281 | 0.3600 |

[फा. सं. आर-31015/10/2008-ओ.आर.-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th July, 2010

S.O. 1825.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products Pipeline from Bina terminal in the State of Madhya Pradesh to Kota in the State of Rajasthan should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said schedule may within twenty-one days from the date on which the copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Kishore Kumar Sharma, Competent Authority, Bina-Kota Pipeline Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, B-105, Indra Vihar Talwandi, Kota-324005 (Rajasthan).

SCHEDULE

| Tehsil : Chhabra District : Baran State : Rajasthan | | | |
|---|-----------------|------------|-----------------|
| Sl. | Name of Village | Survey No. | Area in Hectare |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | Dilod | 120 | 0.2000 |
| | | 125 | 0.0700 |
| 2. | Bilkheda | 281 | 0.3600 |

[F.No. R-31015/10/2008-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 जून, 2010

का. आ. 1826.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स बी.सी.सी. एल.के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, सं. 1, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 195/89) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/86/1989-आई आर(सी-1)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 23rd June, 2010

S.O. 1826.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 195/89) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-I, Dhanbad as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. B.C.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 23-6-2010.

[No. L-20012/86/1989-IR(C-I)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD**

Present : Shri H. M. SINGH, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 195 OF 1989

Parties : Employers in relation to the management of Katras Chaitudih Colliery of M/s. BCCL and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : Mr. D. Mukherjee, Authorised representative.

On behalf of the employers : Mr. D. K. Verma, Advocate.

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, Dhanbad, the 14th June, 2010

AWARD

The Govt. of India Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/86/89-D-3(A), dated, 27th November, 1989.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Katras Chaitudih Colliery of M/s. BCCL in denying employment to Sh. Mukteshwar Kumhar, dependent son of Shri Durga Kumhar, Banksman under the Voluntary Retirement Scheme during the year 1980 was justified? If not, to what relief the concerned workman entitled to?"

2. The case of the concerned workman as disclosed in his W.S. is that Durga Kumhar, permanent Banksman at Katras Chaitudih Colliery had submitted his Voluntary resignation under the Voluntary Retirement Scheme on 1-3-1980 for providing employment to his dependent son Shri Mukteshwar Kumhar. It has been alleged that the management illegally and arbitrarily did not provide employment to the dependent son of Durga Kumhar on the ground that he failed to fulfil the condition under the VRS.

3. The concerned workman immediately protested against the illegal and arbitrary vague reasoning of the management and demanded specific ground for not providing employment to the dependent son. At that time the management orally informed the concerned workman that as per Voluntary retirement Scheme only for those persons dependents will be provided employment who had not attained the age of 56 years i.e. application for V.R.S. should be filed atleast 4 years before the date of actual retirement.

4. The concerned workman immediately submitted to the management that his age is much below 56 years and he has challenged the management contention that the age of the concerned workman is more than 56 years. However, the management appreciating the legal position referred the concerned workman to medical board and the medical board determined the age of the concerned workman as 55 years as on 18-2-81. Appreciating the facts the Agent of the Colliery written a letter to the P.M. Katras Area vide reference No. KC/PD/82-F/847 dated 15-4-82 wherein and whereby he has requested the management to provide employment to the dependent son of the concerned workman.

5. It has been stated on behalf of the concerned workman that inspite of the aforesaid facts the anti-labour management did not provide employment to the dependent son of the concerned workman. The union of the workman thereafter raised the industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad which ultimately resulted reference to this Tribunal for adjudication before this Tribunal. It has been prayed on behalf of the workman to pass an Award directing the management to provide employment to the dependent son of the concerned workman w.e.f. 1980 with all arrears of wages consequential benefits.

6. In the W.S. filed on behalf of the management it has been stated by them that the present reference is not legally maintainable. No employer-employee relationship exists between the management and the concerned persons on the date of reference and as such the present reference is out right the preview of industrial dispute Act, 1947, Shri Durga Kumhar was the workman of Katras Chaitudih Colliery and he was superannuated with effect from 18-2-86 on attending the age of sixty years. He did not raise any dispute through any Union during his employment under the management.

7. With a view to increase productivity by inducting young person on piece rated jobs of Miner/Loaders in place of surplus time rated workers the management introduced a voluntary retirement scheme by Circular dated 29-1-79/9-2-79 which remained in force for a short duration. Under that scheme a workman could apply for his premature retirement if he was above the age of 48 years and below the age of 56 years on the date of filling the application for voluntary retirement subject to the condition stipulated in the circular. One of the important conditions was that the vacancy to be created by such retirement would not be required to be filled up from any piece rated workman, which necessarily means the vacancy should be filled up out of surplus time rated workers. Further, the scheme was not intended to cover up productivity workers like Electricians, Fitters, Welders and Moulders who are competent persons under the Coal Mines Regulation 1957. The Banksman and Onsetters are competent persons and are productivity workers as per the conditions of V.R.S.

8. The concerned workman was a productive worker and a competent persons under Coal Mines Regulation 1957 and as such he was not covered within the scheme. There was no possibility of declaring him surplus as he was holding statutory post which is compulsory under the Coal Mines Act, 1947 and he could not be retired without a substitute. To relive such a person a trained and competent Banksman was required to be appointed in his place and there was no surplus time rated workers to shoulder his responsibility.

9. It has been further stated by the management that VRS was not intended to confer any right on the workman to apply for premature retirement. The management was not bound to accept all persons under VRS and permit them to permanently retire. It was purely at the discretion of the management to permit some one to retire permanently and not to permit others to retire permanently. The concerned workman accepted the decision of the management is not permitting him to retire permanently under VRS and did not raise any dispute over the decision of the management. He continued in his employment to the full terms and retired peacefully after completion of 60 years of age. The present issue raised after the superannuation is nothing but gambling in litigation. Accordingly it has been prayed on behalf of the management to pass an Award rejecting the claim of the concerned workman.

10. Both the sides have filed their respective rejoinders admitting and denying the contents of some of the paras of each other's Written Statement.

11. Management in order to substantiate their case has produced Shambhu Nath Verma who has been examined as MW-1. He has proved documents marked as Ext. M-1, M-2, M-3, M-4, M-5, M-6. On behalf of the workman no oral evidence has been adduced but only one documents has been marked as Ext. W-1.

12. Main argument advanced on behalf of the workman is that management has not given employment to Shri Mukteshwar Kumhar, dependent son of Shri Durga

Kumhar, Banksman under VRS Scheme 1980. In this respect the representative of the management argued that the employee Durga Kumhar has retired from service on superannuation. So the question of providing employment to his son does not arise. He was superannuated with effect from 18-2-86. It has also been argued by the management that VRS was not enforceable as regard the Banksman because they are the productive workers as per the conditions of VRS. The concerned workman was a productive workers and a competent person under Coal Mines Regulation 1957 and as such he was not covered within the scheme. All productive workers have not come under VRS. So no question of employment of his son can arise after his retirement. In this respect the Award of Ref. No. 69/89 passed by this Tribunal has also been referred which shows that the action of the management of Katras Chaitudih Colliery of M/s. BCCL in allowing the concerned workman to continue in service till superannuation was held justified and that its action in denying employment to his dependent son under voluntary Retirement Scheme was also held justified. No evidence has been adduced on behalf of the concerned workman to show that the dependent of productive workers has been provided employment by the management. In view of the facts, evidence and circumstances discussed above I find no merit in the claim of the concerned workman and accordingly the following Award is rendered :—

“The action of the management of Katras Chaitudih Colliery of M/s. BCCL in denying employment to Shri Mukteshwar Kumhar dependent son of Shri Durga Kumhar, Banksman under the Voluntary Retirement Scheme during the year 1980 was justified. Consequently, Mukteshwar Kumhar is not entitled to get any relief.”

H. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1827.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं एम.सी.एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट (संदर्भ संख्या 292/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/166/1999-आई आर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1827.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 292/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Bhubaneswar as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 28-6-2010.

[No. L-22012/166/1999-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
BHUBANESHWAR

Present :

Shri J. Srivastava,
Presiding Officer, C.G.I.T.-cum-Labour
Court, Bhubaneshwar.

Tr. INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 292/2001

Date of Passing Award 18th June, 2010

Between :

The Project Officer,
Nandira Colliery of MCL,
P.O. Balanda, Distt. Angul, Orissa.
... 1st Party Management
AND

Shri Narottam Naik,
Ex-Loader, S/o. Jaya Naik,
Vill. Janhapada, Po. Daloma, P.S. Parajang,
Dist. Dhenkanal, Orissa.
... 2nd Party-Workman

APPEARANCES:

| | | |
|-------------------------------|---|------|
| For the 1st Party-Management. | : | None |
| For the 2nd Party-Workman. | : | None |

AWARD

The Government of India in the Ministry of labour in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute existing between the employers in relation to the Management of M.C.L. and their workman vide their letter No. L-22012/166/99/IR (CM-II), dated 31-8-1999 :

“Whether the action of the management of MCL (Nandira Colliery) in terminating the services of Shri Narottam Naik, Ex-Loader due to sickness and resultant long absenteeism justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?”

The disputant-workman in his statement of claim has stated that he was appointed and posted as piece rated loader at Nandira Colliery on 29-12-1984. He rendered unblemished service without any adverse remark. He fell ill on 1-3-1995 and was hospitalized in Parajanga Govt. Hospital from 2-3-1995 to 24-11-1995 for his treatment. Because of his serious illness and unconsciousness he could not take permission from his Authority for hospitalization nor could intimate the Management. On regaining sense and becoming conscious on 6-3-1995 he intimated his Authority about his illness and hospitalization through registered post which was duly received and acknowledged by the Project Officer. After

treatment he was found fit to resume duty from 25-11-1995. He submitted his fitness certificate through registered post to the Medical Officer, Nandira Colliery who referred to the Deputy C.M.O (RH), Regional Hospital at Dera Colliery on 27-11-1995 for an opinion regarding fitness. While the papers were under consideration he again fell ill and reported his illness to the Medical Officer, Nandira Colliery. He refused and denied any help. Finding no other alternative and being seriously ill he got himself admitted in Kamakhyanagar Hospital and remained there from 1-12-1995 to 17-10-1996. He intimated about his illness to the 1st Party-Management by registered post on 30-3-1996 which was duly acknowledged. After being relieved from Kamakhyanagar Government Hospital and found fit he submitted medical fitness certificate to the Project Officer, Nandira Colliery who forwarded the same to the Medical Superintendent of Deulbera Colliery. He was called on 19-3-1997 to appear before the Medical Board which he attended and met the officers several times to join the service, but surprisingly on 23-5-1997 the order of removal from service was served on him by registered post. He applied for the review of the removal order, But on finding no hope of consideration, he moved the Asst. Labour Commissioner-I (Central) for conciliation and made out his case. But the 1st Party-Management did not act upon the advice of the Asst. Labour Commissioner-I (Central) whereupon the dispute was forwarded to the Central Government for reference to this Tribunal. His absence from the work due to illness was neither intentional nor within his control. Hence his removal from service is illegal, unjustified and he may be reinstated into service with full back wages and other service benefits.

The 1st Party-Management in reply to the allegations of the disputant-workman has stated that Shri Naik was in the habit of remaining unauthorizedly absent without leave or without sufficient cause. He had been warned several times to improve his attendance. He worked 130 days, 141 days, 92 days, 132 days, 74 and half days and 10 days in the years 1988, 1991, 1992, 1993, 1994 and 1995 respectively out of 306 working days. He did not work for a single day in the years 1989 and 1990 out of 306 working days. Shri Naik inspite of several warnings has not mended his ways and remained unauthorizedly absent from duty with effect from 1-3-1995 without any intimation to the 1st Party-Management. As such specific charges were framed by the competent authority for his un-authorized and continuous absence without sufficient cause and without permission which construed misconduct on his part under clause 26.24 and 26.30 of the certified Standing Orders in force. The disputant-workman was asked to submit his written explanation after serving charges vide letter dated 27-2-1996 which was duly received by the disputant-workman. The explanation submitted by the disputant-workman was not found satisfactory. Hence one man enquiry committee was constituted by the competent authority under intimation to the 2nd Party-workman who participated in the enquiry. He was given adequate

opportunity in accordance with the principles of natural justice to defend himself. After conclusion of the enquiry the enquiry report was submitted in which the disputant-workman was found guilty of the charges levelled against him. Taking into consideration the enquiry report, the evidence on record and the proceedings, the disciplinary authority vide his letter dated 3-5-1997 has removed Shri Naik from the service of Mahanadi Coalfields Limited. It is incorrect to allege that the 2nd Party-workman has rendered unblemished service. Shri Naik was a habitual absentee and never put in attendance of more than 150 days in any of the years from 1988 to 1995. It is also incorrect to allege that he had intimated about his so-called illness to the Management. He did not submit his treatment papers except two medical certificates, one from Parjang Hospital for a period from 2-3-1995 to 24-11-1995 and the other from Kamakhyanagar Hospital for the period from 1-12-1995 to 17-10-1996. The reason stated for his absence is an after-thought to cover up the period of unauthorized absence and is far from truth. The so called certificate mentioning him as an outdoor patient is arranged as a cover up. It is also incorrect to allege that he was not allowed to resume duty. On the contrary Shri Naik did not report for duty even after producing fitness certificate. As per the existing company rules Shri Naik was referred to Regional Hospital for a specialized examination to ascertain his fitness for the job he is to perform. But Shri Naik instead of reporting to Regional Hospital for specialized examination again absented himself and did not report to Dy. Chief Medical Officer of Regional Hospital along with treatment papers as advised. As such he was rightly terminated from service and he is not entitled for any relief.

On the above pleadings following issues were settled:

ISSUES

1. Whether the action of the Management of MCL (Nandira Colliery) in terminating the services of Shri Narottam Naik, Ex-Loader due to sickness and due to long absenteeism is justified?
2. To what relief the workman is entitled?

At the very outset it has to be mentioned that this reference was set ex parte against the 2nd Party-workman as he failed to adduce any oral evidence. He simply filed the photocopies of certain documents which have not been proved by any oral evidence. The 1st Party-Management has filed affidavit of one Shri Dilip Kumar Behera who was then Senior Personnel Officer of Talcher Colliery, MCL., Talcher Area in ex parte evidence to prove the case of the 1st Party-Management. The 1st Party-Management has also filed certain documents which were exhibited from Ext.-A to Ext.-F. On the strength of the affidavit and documents filed by the 1st Party-Management the then Presiding Officer by his ex parte award came to the conclusion that the order of removal from service passed by the 1st Party-Management against the 2nd party workman is proper and justified and does not suffer from

any irregularity or illegality. Resultantly he found that the disputant-workman Shri Naik is not entitled for any relief.

The disputant-workman went in Writ jurisdiction before the Hon'ble High Court of Orissa and the Hon'ble High Court of Orissa in W.P.(C) No. 17492/2006 vide order dated 22-9-2008 set aside the impugned award dated 1-10-2002 and remitted back the matter to this Tribunal for reconsideration of the same afresh, after giving reasonable opportunity of hearing to the parties.

This Tribunal after receipt of the order of the Hon'ble High Court of Orissa issued notices to the parties on 30-12-2008. Thereafter parties appeared but no witness was produced on five dates of their appearance. Subsequently parties remained absent for four consecutive dates. On 10-12-2009 this Tribunal ordered issuance of fresh notice to the parties. After that the 1st Party-Management appeared on one date, but the 2nd Party-workman did not appear. Thus both the parties absented themselves on the 1st four consecutive dates. Ultimately a last opportunity was afforded to the parties to appear and adduce evidence on 14-6-2010. But on that date also, parties were absent. Hence the case was fixed for passing of award on the basis of the evidence on record.

It is also worth mentioning that the Hon'ble High Court of Orissa has directed this Tribunal to dispose of the matter as expeditiously as possible, preferably within a period of four months. But inspite of giving more than sufficient opportunity to the parties to lead evidence and submit their case, the parties did not act positively and produce any evidence.

FINDINGS

Issue No. 1

It is an undisputed fact that the disputant-workman remained absent from duty from 1-3-1995 to 24-11-1995 and thereafter from 1-12-1995 to 17-10-1996 which was according to the disputant-workman was due to illness and hospitalization. But as per the version of the 1st Party-Management the disputant-workman was in the habit of remaining unauthorizedly absent without sufficient cause and without leave. He never rendered service of more than 150 days in any year out of 306 working days. Remaining absent unauthorizedly without any intimation to the Management construes misconduct under clause 26.24 and 26.30 of the certified Standing Orders in force. The 2nd Party-workman remained absent unauthorizedly and continuously with effect from 1-3-1995 without any intimation to the 1st Party-Management as such he was issued charge-sheet to submit his explanation. The explanation submitted by the 2nd Party- Workman being found unsatisfactory, one man enquiry committee was constituted by the competent Authority. The disputant-workman fully participated in the enquiry proceedings and was given sufficient opportunity to defend himself. In the enquiry the 2nd Party-Workman was found guilty of the charges. The affidavit of Shri Dilip Kumar Behera, Senior

Personnel Officer of the Talcher Colliery, MCL, Talcher Area and the documents filed on behalf of the 1st Party-Management clearly prove that the disputant-workman adopted the habit of remaining unauthorizedly absent from duty without leave or without sufficient cause continuously for several months which construed misconduct under the Certified Standing Orders in force. The disputant-workman has not been successful in proving that he was really incapable of joining duty due to his so called illness and hospitalization. He also could not prove that he intimated the fact of his illness and hospitalization to the 1st Party-Management. As such the contention of the 1st Party-Management that the disputant-workman's procurement of medical certificate is after-thought act to cover up his misconduct of remaining unauthorizedly absent for such a long period. There is no allegation of bias against the enquiry officer. The propriety of the domestic enquiry by one-man committee has been challenged by the 2nd Party-Workman. But no material has been placed before this Tribunal to go against its propriety and the findings recorded by the enquiry officer.

In a recently reported case of the Hon'ble Bombay High Court between Subhash Ramchandra Dumbre -And-Maharashtra State Co-operative Agricultural & Rural Development Bank Ltd. and Others [2010-II-LLJ-632 (Bom.)] it has been held that "termination of service for long absence on the ground of illness without enquiry and without getting him examined by a doctor from the panel of the Bank before termination is not necessary. The bank was justified in issuing notice of termination by paying compensation of discharge simplicitor".

In the present case the disputant-workman was asked to appear before the Medical Board but he did not report nor submitted any reason for his inability to appear before the Medical Board. Therefore, a gross misconduct was caused by the disputant-workman by remaining unauthorizedly absent from duty for several months altogether without any intimation or grant of leave. Therefore, his termination from service cannot be held unjustified and illegal and the action of the 1st Party-Management in terminating his services due to long absenteeism is held justified and proper. This issue is answered accordingly against the disputant-workman.

ISSUE NO. 2

In view of the findings given under Issue No. 1 above the 2nd Party-workman is not entitled to any relief.

The reference is answered accordingly.

Dictated and Corrected by me.

J. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1828.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स एफ.सी.

आई. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 106/92) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/23/एफ/1992-आई आर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1828.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 106/92) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of FCI and their workmen, which was received by the Central Government on 28-6-2010.

[No. L-22012/23/F/1992-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

NO. CGIT/LC/R/106/92

PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

Shri Moharman Singh,

S/o Shri Devi Singh,

A. G. I. (Depot),

Food Corporation of India,

Moti Tabela, Gwalior (MP)

Workman/Union

Versus

1. Managing Director,
Food Corporation of India,
Head Office,
16-20 Barakhambalane,
New Delhi.
2. Sr. Regional Manager,
Food Corporation of India,
Chetak Building,
Maharana Pratap Nagar,
Habibganj, Bhopal.
3. Zonal Manager (West),
Food Corporation of India,
Zonal Office,
Mistry Bhavan, D.W. Road,
Churchgate, Bombay-20

Managements

AWARD

Passed on this 7th day of June-2010

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/23/F/92-IR (Coal-II) dated 9-6-92 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

"Whether the action of the management of Zonal Manager (West) Food Corporation of India, Bombay vide order dated 18-5-90 in modifying the punishment

and thereafter imposing on the applicant fixing his pay at the minimum of the time scale of pay of Asstt. Grade-I(D) and intervening period from the date of his compulsory retirement from the service to the date of the reinstatement his service not treated as leave of any kind due, is justified or not, if not what relief the applicant is entitled for?"

2. The case of the workman, in short, is that the workman Moharman Singh is an employee of Food Corporation of India (in short FCI) and was posted at Rajnandangaon depot under Distt. Manager, FCI Raipur on transfer. He was charge sheeted on 1-2-83 and after departmental enquiry, he was dismissed vide order dated 8-7-83. The appellate authority also rejected his appeal. He preferred a writ petition No. 685/1985 before the Hon'ble High Court of MP. The Hon'ble High Court passed the order dated 1-7-1988 and set aside the dismissal order with the direction to reinstate the workman and to pay emoluments in accordance with condition of service and regulations. It is also directed that the management shall be at liberty to pass fresh order by directing the Enquiry Officer (in short E.O) to submit fresh enquiry report on the materials on record. A fresh enquiry report was submitted by the E.O holding the charges as not proved. The Disciplinary authority Sr. Regional Manager, FCI, Bhopal disagreed with the finding of the E.O and passed the order dated 3-8-1989 of punishment of compulsory retirement and the period of suspension was to be treated as non-duty for all the purposes. The workman preferred appeal before the Zonal Manager (West), FCI, Bombay who after considering the materials on record passed order dated 18-5-90 and set aside the dismissal order and reinstate the workman but passed the order to fix his pay at the minimum of time scale. It is stated that the Zonal Manager (W), FCI Bombay found the enquiry report in accordance with the procedure and therefore illegally passed the order to place the workman on minimum time scale. Under the circumstances, the reference be answered in favour of the workman.

3. The management appeared and filed the Written Statement in the case. The case of the management, inter alia, is that admittedly the workman was chargesheeted and he was punished by the order of dismissal after departmental enquiry. The appeal was admittedly rejected. Thereafter admittedly a Writ petition was filed before the Hon'ble High Court of MP. The Hon'ble Court set aside the dismissal order and directed to reinstate the workman. Admittedly it is directed by the Hon'ble Court that the management is at liberty to pass a fresh order after fresh enquiry report on the same materials by the E.O. The workman was reinstated vide order dated 29-9-88 and simultaneously placed under deemed suspension under Regulation 66(6) of FCI (Staff) Regulation, 1971. The fresh enquiry report dated 12-5-89 was submitted by Shri N.S.Sastry, E.O holding the charges stood not proved. The

Disciplinary Authority disagreed with the enquiry report and awarded the penalty of compulsory retirement vide order dated 3-8-89 and the period of suspension was treated as "not on duty". The Appellate Authority, Zonal Manager (W) FCI, Bombay after considering the appeal modified the order of compulsory retirement by fixing his pay at the minimum of the time scale and the compulsory retirement to the date of reinstatement shall be treated as leave of any kind. Vide order dated 21-3-1990. Hence the workman is not entitled to any relief.

4. The workman after filing statement of claim did not produced any evidence and became absent. Lastly the then Tribunal proceeded the reference exparte against the workman on 12-10-2007.

5. The point for issue is as to whether the action of the management is justified or not as has been referred by the reference?

6. To prove the case, the management has adduced evidence in the case. The management witness Shri D.N.P. Sinha is Sr. Regional Manager, FCI, Raipur. He has supported the case of the management. He has stated that he was reinstated as per direction of the Hon'ble Court and the workman had been paid a sum of Rs. 84,583.40. He has further stated that again the Disciplinary Authority passed order on 3-8-89 and imposed a penalty of compulsory retirement and also directed that the period of suspension shall be treated as period not spent on duty. On appeal before the Appellate authority, the punishment of compulsory retirement was reduced and modified to place the workman on the minimum of the time scale of pay of AG-I(D) and the intervening period from the date of compulsory retirement to the date of reinstatement shall be treated as on leave of any kind due in pursuance to the Regulation 66 of FCI(Staff) Regulation, 1971. There is no other evidence to contradict or rebut the evidence of this witness. There is no reason to disbelieve the evidence of this witness.

7. Another witness Shri Rakesh Kumar Chaturvedi is General Manager, FCI, Chhattisgarh Region, Raipur. He has also supported the case of the management and corroborated the evidence of Shri D.N.P.Sinha. He has stated that the punishment of compulsory retirement was modified by the Appellate authority vide order dated 18-5-90. Exhibit M/9 is the order dated 18-5-90 of the Appellate Authority whereby the punishment order was modified. The said order clearly shows that the Disciplinary authority disagreed with the report of the Enquiry Officer and relied the statement of delinquent workman which was Exhibit-7 and considered that the charges were proved and imposed the penalty of compulsory retirement. The order of the Appellate Authority further shows that the Appellate Authority simply found in appeal that the punishment imposed on the workman was not appropriate to the gravity of the charges proved and as such modified the punishment accordingly. In absence of any other evidence in rebuttal,

I do not find it proper to interfere in the punishment imposed by the Appellate Authority. However I find that the part reference order is that the question, whether the action of the management vide order dated 18-5-90 of intervening period from the date of his compulsory retirement from the service to the date of the reinstatement of his service not treated as leave of any kind due is justified or not appears to be not correct. The order dated 18-5-90 (Exhibit M/9) is itself clear that the intervening period shall be treated as leave of any kind due. With above observation, the reference is, accordingly, answered.

8. In the result, the award is passed without any order to costs.

9. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour and Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer
नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1829.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं एस.ई.सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 100/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/343/1997-आई आर(सीएम-II)]
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी
New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1829.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government here by published the Award (Ref. No. 100/98) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SECL and their workman, which was received by the Central Government on 28-6-2010.

[No. L-22012/343/1997-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

**ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR**

No. CGIT/LC/R/100/98
PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN
The Secretary,
CSMU, Gevra Project, Qtr. MD395,
Deepika Colony, Distt. Bilaspur,
Gevra Project
.... Workman/Union
Versus
The Chief General Manager,
SECL, Gevra Area, PO Gevra Project,
Distt. Bilaspur (MP)
Gevra Project.
.... Management

AWARD

Passed on this 8th day of June, 2010

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/343/97-IR (CM-II) dated 9-6-98 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

“ Whether the promotion of Sh. Mohanlal, S/o Sh. Shivratn Lal Sahu, Driver from Cat. V to Driver-Cum-Mechanic Category next at Category VI vide office order No. SECL/CGM/GA/PER/DPC/97/15, dated 1-1-97 of the Chief General Manager, SECL, Gevra Area, Distt. Bilaspur (MP) without giving back effect is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The case of the Union/workman, in short, is that the workman Mohanlal was initially appointed as Labour in Kobra Geora Project of N.T.P.C. In 1971 he was promoted to Mazdoor Cadre Class II. In 1978 he was asked to work as Mechanical helper. Later in 1982 his Junior was promoted to Mechanical Fitter Grade IV but he was not promoted. In 1983 he was transferred as Driver and on 1984 he was working as Driver Grade V at Kusmunda Geora Project. In 1994, other employees namely Khik Ram, Govind Das, N.G.R. Nair and H.P. Gupta were promoted to Driver-cum-Mechanical Grade V but the workman was denied promotion. On enquiry, it was informed that his service sheet was missing. He had a very good service record but then juniors were promoted causing great injustice to the workman. It is submitted that the workman be accordingly promoted with all monetary benefits from due date.

3. The management appeared and filed statement of claim. The case of the management, inter alia, is that the workman was initially appointed as General Mazdoor Cat-I by the National Coal Development Corporation (in short NCDC) instead of N.T.P.C. at Kobra Colliery. Thereafter he was promoted to General Mazdoor Cat-II and had never worked as mechanical helper. In 1994 DPC was constituted to consider the promotion to the post of Driver-cum-Mechanic but he failed to obtain the required minimum mark and therefore his case was not found fit for promotion. Later after successful completion of training, he along with other were promoted to the post of Driver Category V. Subsequently in partial correction to the office order No. 97.13 dated 1-1-1997 he along with other employees were promoted to the post of Driver-cum-Mechanic Cat VI vide order No. 15 dated 1-1-1997. As such there is no merit in the present reference. The reference be answered in favour of the management.

4. The Union/workman subsequently became absent and had not adduced any evidence. Lastly the then Tribunal proceeded the reference exparte against the Union/workman on 7-7-2008.

5. The point for consideration is as to whether the workman is entitled to claim in view of the reference or not.

6. To prove the case, the management has adduced oral and documentary evidence. The management witness

Mr. Syed Vilayatullah is superintending Engineer (Civil) SECL, Chirimiri Area. He has stated that in 1994, the workman failed to obtain the required minimum mark in the DPC and was not considered for promotion. The management has filed the recommendation of DPC of the year 1994 which is marked as Exhibit M/3. This shows that the workman had not obtained the required marks for promotion and only 9 employees out of 33 employees were found fit for promotion. He has further stated that he was promoted to Driver-cum-Mechanic Cat-VI vide order No. 15 dated 1-1-97. The said order is filed which is Exhibit M/5. This document clearly shows that the workman was promoted to the post of Driver-cum-Mechanic Cat-VI vide order No. 15 dated 1-1-1997 but he was not entitled from back date as the evidence discussed above shows that he was not found fit earlier by the DPC. There is no other evidence to disbelieve the evidence of the management. I find and hold that the action of the management was justified for not giving the order in operation with back effect. Accordingly the reference is answered.

7. In the result, the award is passed without any order to costs.

8. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1830.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल एक्साईज एण्ड कस्टम डिपार्टमेंट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जयपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 56/06) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/19/2006-आई आर(डी.यू.)]
जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1830.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government here by published the Award (Ref. No. 56/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jaipur as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Excise and Custom Department and their workman, which was received by the Central Government on 28-6-2010.

[No. L-42012/19/2006-IR (DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JAIPUR

Present : N. K. PUROHIT, Presiding Officer

I. D. 56/06

Reference No. L-42012/19/06-IR(DU) dated: 24-8-2006

BETWEEN

Shri Girdhari Lal,
S/o Shri Munshi Ram
R/o Dev Nagar
Purani Asbadi, Sri Ganganagar.

AND

1. Commissioner,
Central Excise and Custom Department
Near Statute Circle, Jaipur.
2. The Superintendent,
Central Excise and Custom Department,
Sri Ganganagar.

AWARD

15-6-2010

The Central Government in exercise of the powers conferred under clause D of sub-section 1 & 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following Industrial Dispute to this tribunal for adjudication which is as under :—

“Whether the action of the management of Central Excise and Custom Deptt. Sri Ganganagar through Superintendent in terminating the services of claimant Shri Girdhari Lal S/o Shri Munshi Ram w.e.f. 1-10-2000 legal and justified? If not, what relief the claimant is entitled to and from which date?”

2. Pursuant to the receipt of the reference, the registered, notices were issue to both the parties. It is evident from the record that Shri Sitaram Chaudhary, Advocate put his appearance before the Tribunal on 5-5-2010 and sought adjournment to file his authority letter to appear on behalf of non-applicant but he did not appears on next date i.e. 14-6-2010. It is also evident that despite service of notice on the claimant Shri Girdhari Lal, he has not appeared before the Tribunal to file his claim statement. It shows that the claimant is not willing to plead his claim.

3. In reference under adjudication, the question under consideration is whether the alleged action of the management of Central Excise and Custom Deptt. Sri Ganganagar through Superintendent in terminating the services of Shri Girdhari Lal w.e.f. 1-10-2000 is justified. Initial burden to prove this was on the claimant, but he has failed to file his claim before the Tribunal. Resultantly, there is no material on the record to adjudicate the matter on the merit. It appears that the claimant is not willing to contest the case further. Thus, under these circumstances “No Claim Award” is passed in this matter.

4. Award as above.

Let a copy of the award be sent to the Central Government for publication u/s 17(1) of the Industrial Disputes Act.

N. K. PUROHIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1831.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार साऊथ मालाबार ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, एरनाकुलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 13/2010) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/151/1992-आई आर(बी-1)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1831.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 13/2010) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam as shown in the annexure, in the industrial dispute between the management of South Malabar Gramin Bank and their workmen, received by the Central Government on 28-06-2010.

[No. L-12012/151/1992-IR (B-I)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE**IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM****Present :**

Shri P. L. NORBERT, B.A., LLB., Presiding Officer

(Friday the 18th day of June, 2010/28th jashattam, 1932)

I.D. 13/2010

(I.D. 2/93 of labour Court, Kozhikode)

Union : The General Secretary,
South Malabar Gramin Bank Deposit
Collectors union,
C/o. South Malabar Gramin Bank,
Kizhissery Branch, P.O. Kuzhimanna,
Malappuram, District, Kerala-673 641.

By Adv. Shri. C. Anil Kumar.

Manangement : The Chairman,
South Malabar Gramin Bank,
Head Office, Malappuram,
Kerala-676 565.

By Adv. Sri. Devan Ramachandran.

This case coming up for hearing on 17-06-2010, this Tribunal-cum-Labour Court on 18-06-2010 passed the following.

AWARD

This is a reference made under Section 10 (1)(d) of Industrial Disputes Act. The reference is :

- “(i) Whether the demand of South Malabar Gramin Bank Deposit Collectors Union (Regd.) to absorb Nithya Nidhi Deposit Collectors as bank employees in South Malabar Gramin Bank is justified ? If so, to what relief they are entitled to ?
- (ii) Whether the action of the management of South Malabar Gramin Bank in reducing the commission from 3.5% to 3% in the year 1976 and from 3% to 2.5% w.e.f. 2-5-78 to N.N.D. Collectors is justified ? If not, to what relief they are entitled to ?”

2. The facts of the case in brief are as follows :—

The management South Malabar Gramin Bank engaged Deposit Collectors for canvassing and collecting fixed deposits, loan instalments and for various other banking activities. The Agents were given commission according to the amount they collected. The rate of commission prevailing prior to 01-02-1978 was 3.5%. But it was reduced to 3% from 01-02-1978. Again the commission was reduced to 2.5% w.e.f. 02-05-1978. This was challenged by the union of Deposit collectors. Union also claimed regularisation of deposit collectors in the service of the management bank. As per reference Labour Court, Kozhikode passed an award in ID 2/1993 on 24-01-1998 finding that the deposit collectors are not workmen within the definition of S.2(s) of Industrial Disputes Act and hence they are not entitled for regularisation. Regarding reduction of commission rate the Labour Court found that since the deposit collectors are not workmen that issue did not arise for consideration and hence no relief was granted. The matter was challenged in OP 18978/1998 by judgment dated 22-08-2005 it was held that the issue whether deposit collectors are workmen or not is covered by the decision of Hon'ble Supreme Court in Indian Bank's Association v. Workmen of Syndicate Bank and Ors. (2001) 3 SCC 36. In the said decision it is held by Hon'ble Supreme Court that the deposit collectors are workmen within the definition of S.2(s) of ID Act, but they are not entitled for regularisation. In the light of this decision High Court modified the award of Labour Court holding that the deposit collectors are workmen, but they are not entitled for regularisation. The judgment in O.P. was challenged in appeal as WA 2537/2005. By judgment dated 15-12-2005 it was held in appeal that since the question of reduction of commission was not considered either by Labour Court or by High Court in OP, the Labour Court was directed to reconsider that question. Thereafter a revised award was passed in ID 2/1993 by Labour Court, Kozhikode on 13-03-2006 finding that the reduction of commission from 3% to 2.5% w.e.f. 02-05-1978 is unjustified. This was challenged again in WPs (C) 18025 & 25275/2006.

By judgment dated 28-05-2009 the Hon'ble High Court held that the Labour Court had not gone into the aspect as to how many deposit collectors were in service of bank either on the date of Ext. W-10 or W-11 circulars (marked in award). The Hon'ble High Court however confirmed the finding of Labour Court that the reduction of commission is bad, but directed the Labour Court to reconsider the matter to the limited extent of determining the number of workmen in service during the period of Ext. W-10 and 11. Thereafter Labour Court, Kozhikode wrote to High Court requesting to transfer the case to this court in view of the establishment of Central Government Industrial Tribunal. The High Court by order dated 17-12-2009 directed the Labour Court, Kozhikode to transfer the case to this court and to dispose of the reference within a period of six months from the date of receipt of the file from Labour Court, Kozhikode. The file was received by this court on 15-01-2010. Notices were issued to both sides and provided opportunity to adduce further evidence, if any. The union produced four documents initially, out of which they wanted to rely on only two documents and they alone were received in evidence and marked on consent as Exts. W-43 and 44. Thereafter one more document was produced and was marked as Ext. W-45. The management produced three documents and they too were marked on consent as Exts. M3 to M5. The remaining documents were already marked by Labour Court, Kozhikode. The relevant portion of remand order of Hon'ble High Court in OP 18025/2006 and 25275/2006 dated 28-05-2009 is contained in paragraph 11 and 12 of the judgment. It reads :

- "11. Thus, while affirming the award to the extent to which the Labour Court has found that there should not have been a reduction of the commission payable to the deposit collectors/workmen unilaterally without notice, I am of the view that the Labour Court should again consider how many deposit collectors were in the service of the Bank on the date of W10 and W11. Award should therefore, be passed with specific reference to the said aspect.
12. Accordingly, ID. No.2/93 shall be reconsidered by the Labour Court, Kozhikode, to the limited extent as indicated above. The management and the union shall be entitled to adduce evidence to show how many deposit collectors were in the service of the bank on the date of W10 and W11. Labour Court shall pass an award with specific reference to the said workmen, taking note of the observations already made above. Such revised award shall be passed within six months from the date of receipt of a copy of the judgment".
3. In view of the remand order the only point that requires consideration is :

"How many deposit collectors were there in service of the bank at the time of Exts. W-10 and 11 ?"

4. The Point :—Ext. W-10 circular is dated 13-02-1978. As per Ext. W-10 commission was reduced from 3.5% to 3% w.e.f. 01-02-1978. Ext. W-11 circular is dated 03-05-1978. As per Ext. W-11 commission was reduced from 3% to 2 ½ % w.e.f. 02-05-1978. The management filed a list of deposit collectors engaged by the management on or before 03-05-1978. As per the list thirteen workmen were in service on or before 01-02-1978. The union produced three agreements, Exts. W-43 to 45. They were executed by Sri P. Ummer, P.P. Balakrishnan and M.P. Jayaraj on 26-05-1977, 08-10-1977 and 28-6-1977 respectively. They were thus working prior to the date mentioned in Ext. W-10. Thus there were 16 deposit collectors on the date mentioned in Ext. W-10 i.e. 01-02-1978. They continued to work even thereafter. Ext. W-11 is dated 03-05-1978. As per list of management two persons had joined the service on 07-02-1978 and 25-03-1978 prior to the date mentioned in Ext. W-11 (i.e. 02-05-1978). Therefore altogether 18 persons were in service on the date of Ext. W-11 circular. The Labour Court passed a revised award holding that the reduction of commission from 3% to 2.5% as per Ext. W-11 is illegal and unjustified and it was upheld by the Hon'ble High Court in OP 18025/2006 and 25275/2006 dated 28-05-2009. It was also observed by High Court that on a parity of reasoning Ext. W-10 circular also cannot be justified. Reduction of commission as per Ext. W-10 and 11 circulars cannot affect these 18 deposit collectors as it is already found to be illegal and unjustified due to want of notice under Section 9-A of ID Act. Hence they are entitled to get commission at the old rate of 3.5% (the rate of commission prior to Ext. W-10 is not disputed). Though Ext. W-10 is dated 13-02-1978 the reduction of commission made effective from 01-02-1978. If so the persons engaged prior to 01-02-1978 would be 16 (13 as per list of management and 3 as per documents of union i.e. Exts. W43 to 45) and persons engaged at the time of Ext. W-11 would be 18 (2 as per list of management and 16 already in service). Since reduction of commission is found to be illegal Exts. W-10 & 11 circulars cannot affect these 18 workmen.

In the result an award is passed in the light of the remand order in OP 18025/2006 and 25275/2006 finding that there are 18 deposit collectors (16 as per Ext. W-10 and 2 as per Ext. W-11) falling within the period of Exts. W-10 and 11 and they are entitled to get commission at the old rate or 3.5%.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 18th day of June, 2010.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

Appendix**Witness for the Union**

WW1 --- Viswanadhan S/o. Sankara Pillai.
 WW2 — Kunhimuhammad S/o. Alavi.

Witness for the Management

MW1 — R.P. Rayeendran S/o. Damodaran.
 MW2 — P.N. Gopalakrishna Pillai S/o. Narayana Panicker.

Exhibits for the Union

W1 — True copy of the leaf-let issued by the Management (series) Establishment.
 W2 — True copy of the circular issued by the Management establishment in the year 1976.
 W3 — True attested Photostat copy of the Identity card issued to Shri. P. Vishwanathan on 21-08-1978 by the Branch Manager, S.M.G.B, Chulliyoda Branch.
 W4 — True copy of Regional Rural Bank proceedings of the management bank.
 W5 — True attested photo copy of the RD/NND application-cum-specimen signature card.
 W6 — NND Application-cum-Specimen signature card.
 W7 — True copy of agreement dt. 16-07-1997 executed between Sreedharan. T.K. and South Malabar Gramin Bank, Karuvarakund.
 W8 — True copy of Circular No. 79/77 dated 01-08-1997 of the Management.
 W9 — True copy of Circular No. 106/77 dated 08-11-1997 of the Management.
 W10 — True copy of Circular No. 19/78 dated 13-02-1998 of the Management.
 W11 — True copy of Circular No. 48/78 dated 03-05-1998 of the Management.
 W12 — True copy of Circular No. 59/78 dated 08-07-1998 of the Management.
 W13 — Letter No. AM(ML)ORG/CHOD/325/89-90 dt. 06-07-1989 issued to Mr. Viswanathan by the Area Manager, SMGB, Malappuram.
 W14 — Letter No. 9 SMGB.EF. 4315/88 P&D dt. 21-12-1988 issued to P.Viswanathan, Chulliyode Branch by the Senior Manager, SMGB, Malappuram.
 W15 — True attested photo copy of the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, in I.D. No. 14/1980.

W16 — True copy of Appointment Order No. RN.PD.3/3197 dt. 02-12-1983 issued by the Management of Bank of Baroda.
 W17 — True copy of the Circular No. 46/78 dt. 29-04-78 of the Management.
 W18 — True copy of the Circular No. 11/79 dt. 21-02-79 of the Management.
 W19 — True copy of Circular No. 28/79 dt. 27-03-79 of the Management.
 W20 — True copy of Circular No. 49/79 dt. 18-06-79 of the Management.
 W21 — True copy of the Annual Report 91-92 of South Malabar Gramin Bank.
 W22 — True copy of letter No. 9 SMGB.0095.92-93 IR dt. 08-06-92 issued by the Senior Manager, SMGB to the General Secretary, SMGB.
 W23 — True copy of the letter No. 9/SMGB/610/92-93/IN dt. 25-11-1992 issued to Mr. P.Velayudhan by the Management.
 W24 — True copy of the letter No. 9/SMGB.664/92-93 IR dt. 14-12-1992 issued by the Management to the General Secretary, South Malabar Gramin Bank.
 W25 — True copy of the letter No. 719/92-93/IN dt. 22-12-1992 issued to Mr. P.Kunhu Mohammed, General Secretary, SMGB by the General Manager.
 W26 — True copy of the letter No. 266/92-93 dt. 28-01-93 issued to Sri. Kunhu Mohammad, General Secretary, SMGB by the Sr. Manager, SMGB.
 W27 — N.N.D. Pass Book No. 2448 issued to P.Abbas, by the Manager, Chulliyods Branch.
 W28 — Notice No. 9/SMGB/NND/1186/91-92/IR dt. 27-08-1991 issued to Shri P.Damodaran by the Management (True copy).
 W29 — True copy of Memorandum of settlement dt. 21-10-1991 between the Management of Bank of India and their workman represented by Federation of Bank of India staff union.
 W30 — True copy of termination order issued to Mr. A.K. Chinnan dt. 27-12-1985 by SMGB, Velam Branch.
 W31 — True copy of letter No. SMGB.NND.104488 IR dt. 30-09-1988 issued to M.K. Alavi by the Management.

- W32 — True copy of Circular No. 98/91-92 dt. 15-01-92.
- W33 — True copy of Form No. 16A under the Income Tax Act.
- W34 — True copy of letter No. CWLRS.343295 SUG. 90 dt. 10-02-90 issued by the General Manager, SMGB.
- W35 — True copy of Circular No. 105/90-91 dt. 05-02-1991 issued by the Management.
- W36 — True copy of Circular No. 33/90-91 dt. 20-07-1990 issued by the Management.
- W37 — True copy of Circular No. 51/79 dt. 03-07-79 of the Management.
- W38 — True copy of letter No. 141.DM:4755.90-91 P&D dt. 9-10-1990 issued to Shri.P.Kunhu Mohammed, NND Agent, Kizhissery Branch by the General Manager, SMGB.
- W39 — Letter dt. 07-06-79 issued by the Management to Shri.P.P.Moideenkunhi.
- W40 — Letter dt. 22-05-79 issued by the Management to one Shri.P.P.Moideenkunhi.
- W41 — Copy of the letter No. 11/SMGB/A1 dt. 22-08-1996.
- W42 — Copy of the letter No. 11/SMGB/A1 dt. 22-08-1996.
- W43 — Copy of Agreement dated 26-05-1977.
- W44 — — do — 08-10-1977.
- W45 — — do — 28-06-1977.

Exhibits for the Management

- M1 — Receipt No. 166093 of South Malabar Gramin Bank.
- M2 — South Malabar Gramin Bank Nithya Nidhi Collection Sheet.
- M3 — Copy of Agreement dated 01-09-1978.
- W4 — — do — 20-09-1994.
- W5 — — do — 26-07-1978.

नई दिल्ली, 29 जून, 2010

का. आ. 1832.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्रा के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक

अधिकरण/श्रम न्यायालय, दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 41/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/37/2002-आई आर(बी-1)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 2010

S.O. 1832.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the Award (Ref. No. 41/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Delhi as shown in the annexure, in the industrial dispute between the management of State Bank of Saurashtra of and their workmen, received by the Central Government on 29-06-2010.

[No. L-12012/37/2002-IR (B-I)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT-II, KARKARDOOMA COURT COMPLEX ROOM NO. 33 (GF), A-BLOCK, DELHI

I.D. No. 41/2002

Dated : 21-06-2010

In the matter of dispute between:

Shri Sunil Kumar
S/o Shri Sohan Lal
Through: U.P.L.F. Regd.
8/440 Trilokpuri
Delhi-110 091

... Workman

Versus

The Branch Manager,
State Bank of Saurashtra
A-16, Acharya Niketan
Mayur Vihar, Phase-I,
Patparganj
Delhi-110 092

...Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-12012/37/2002-IR(B-I) dated 19-06-2002 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of State Bank of Saurashtra in terminating the services of Shri Sunil Kumar, Ex-Temporary Peon w.e.f. 02-10-2001 is justified? If not, what relief the applicant is entitled and from which date?”

The statement of claim was filed by the workman on 16-10-2002. Written statement to the same was filed by the

management on 12-06-2003. Thereafter, the workman filed a rejoinder on 16-09-2003. None is present from the side of the workman for the last so many dates of hearing. In fact, ever since the case was transferred to this Tribunal from CGIT-cum-LC-I vide order no. Z-22019/6/2007-IR-C-II dated 11-02-2008; the workman has never attended this Court. Even before CGIT-cum-LC-I, the workman had not been attending the Court. It is thus evident that the workman is no longer interested in the outcome of this reference. In this situation, there is no way out except to pass a no-dispute award, which is passed accordingly. File be consigned to the record room.

Further, it is ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated: 21-06-2010

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 जून, 2010

का. आ. 1833.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एनजीपी/86/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/166/95-आई आर(डी.यू.)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 2010

S.O. 1833.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. CGIT/NGP/86/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workmen, which was received by the Central Government on 29-6-2010.

[No. L-40012/166/95-IR (DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI A.N.YADAV, PRESIDING OFFICER,
CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No. CGIT/NGP/86/2002

Date: 21-6-2010.

Petitioner/Party No.1 Shri Ravindra Shankarrao Wankhede,
At PO: Yerandgaon,
Tah. Nandgaon, Khandeshwar,
Distt. Amravati.

Versus

Respondent/Party No.2 The Chief General Manager,
Telecom (Railway Electrification), 46, Bajaj Nagar,
Nagpur.

AWARD

(Dated 21st June, 2010.)

1. The Central Government after satisfying the existence of dispute between Shri Ravindra Shankarrao Wankhede, Amravati (Party No.1) and the Chief General Manager, Telecom (Railway Electrification), Nagpur (Party No.2) referred the same for adjudication to this Tribunal vide its letter No.L-40012/166/95-IR(DU) dated 15/22-7-1997 under clause (d) of sub Section (1) and sub Section (2A) of Section 10 of Industrial Dispute Act, 1947 [14 of 1947] with the following schedule :

2. "Whether the action of the management of C.G.M., Telecom (Railway Electrification), 46, Bajaj Nagar, Nagpur in allegedly terminating the services of their workman, Shri Ravindra Shankar Rao Wankhede, a casual mazdoor w.e.f. 31-10-88 is legal, proper and justified? If not, what relief the workman is entitled for?"

3. It appears that initially the case was referred to the CGIT, Jabalpur from the Ministry in the month of August, 1997 and on consequent upon establishment of this Tribunal at Nagpur it came to be transferred to this office and issued notices to both the parties on 13-8-2002. The next date was fixed for appearing before the Court on 20-9-2002, on which both the parties were present.

4. In response to the notice, the petitioner appeared before this Tribunal and has filed Statement of Claim on 1-11-2002. The same was replied by the management. After filing the statement of claim and notice to produce original documents, the petitioner and his counsel never appeared in the Court and prosecuted the reference from 16-8-2004. Except filing of the statement of claim, he has not cared to attend the Court. He also did not take any interest in the proceeding.

5. On 14-7-2008 the petitioner and his counsel were also absent. Counsel for Respondent filed pursis on 24-1-2007 to close the case. Petitioner and his counsel both are not attending the Court for more than 4 years. It seems that the Petitioner is not interested in prosecuting the case. I do not think it proper to continue it on the same stage for years together. In the circumstances, no purpose will be served in continuing the case, hence it dismissed for the default of the Petitioner and I pass the negative award that he is not entitled for any relief. Hence this Award.

A. N. YADAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 जून, 2010

का. आ. 1834.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी.डब्ल्यू.डी के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नं. 2 नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 48/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-6-2010 प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/48/92-आई आर(डी.यू.)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 2010

S.O. 1834.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 48/93) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. II New Delhi as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. and their workmen, which was received by the Central Government on 29-6-2010.

[No. L-42012/48/92-IR(DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT- II, KARKARDOOMA COURT COMPLEX ROOM NO. 33 (GF), A-BLOCK,

I.D. No. 48/1993

Dated: 21-6-2010

In the matter of dispute between:

Shri M.G.R. Swami
Through: CPWD Mazdoor Union
E-26 (Old Quarters) Raja Bazar,
Baba Kharag Singh Marg,
New Delhi 110001

....Workman

Versus

The Director General- Works
CPWD
Nirman Bhawan,
Delhi 110001

....Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-42012/48/92-IR(DU) dated 21-07-1993 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the action of the management of C.P.W.D. in terminating the services of Shri M.G.R. Swamy, Frash w.e.f. 10-10-1991 is justified? If not, what relief is the workman entitled to?”

2. The applicant workman has filed his statement of claim in which he has submitted that he was engaged as daily rated Frash/Chowkidar by Executive Engineer K. Division, CPWD, IP Bhavan, New Delhi w.e.f. 13-04-1987 and was retained in service upto 09-10-1991 and from 10-10-1991 his services have been dispensed with and even during the period he was allowed to work, his pay and allowances for 20 (twenty) days earned by him have not been paid to him till date. That the management after the judgment of Hon'ble Supreme Court dated 17-1-1986 in the matter of Surinder Singh & Others v/s Engineer-in Chief, CPWD, have been paying the time scale plus all allowances to the daily rated workers in CPWD. That the daily rated Frash/Chowkidar in CPWD have been getting the wages in the time scale of Rs. 750-940 w.e.f. 1-1-1986. That the work on which the workman was engaged is available but under the garb of management policy, his services have been terminated without following the procedure of law. He has completed more than 240 days of service, as defined under Section 25(b) of the Industrial Disputes Act. That before the termination of his services, the management has not given one month notice, or pay in lieu of that, nor paid the gratuity and other compensation, and, as such, his termination is illegal and unjustified.

3. That juniors to the workmen are still working in the various Divisions of the management. That the workman personally and CPWD Mazdoor Union, of which he is a member, vide letter dated 12-11-1991, requested the management for payment of earned wages and reinstatement with retrospective date but the same was not conceded by the management vide letter dated 19-11-1991. That the management has wrongly and illegally terminated his services as he has approached the Labour Court for payment of equal pay for equal work. The workman, therefore, has prayed for reinstatement in service with full back wages and continuity in service and all consequential benefits as Frash/Chowkidar in the time scale of Rs.750-940.

4. The management has contested the claim of the workman and in its Written Statement has submitted that the claim of the workman is prima facie baseless and devoid of justification. That the appropriate Government has referred the dispute in a stereotyped and mechanical manner, without considering and appreciating the facts. It is submitted that the respondent is not an industry within the meaning of Industrial Disputes Act, 1947. According to the management, the petitioner was appointed as part time Frash w.e.f. 13-4-1987 and he worked on the same position till 31-12-1988 on hand receipt basis on daily rate wages system. Later on, he was engaged as full time Frash w.e.f. 11-1-1989 and he was retained in service upto 20-9-1991. That the terms of reference say that the alleged date of termination is 10-10-1991 but the petitioner worked upto 20-9-1991.

5. That the petitioner was paid daily wages according to the rates prescribed by the Delhi Administration. It is denied that Section 25(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 is applicable. That the services of the petitioner were dispensed with as the work being carried out by him could be done by the labour already appointed by the Department, and no fresh appointment has been made thereafter. That no one-month notice or pay in lieu of that or gratuity or other compensation was applicable to the petitioner as he was engaged on hand receipt basis, having no lien or right on the post. That no junior person to the petitioner is working with the respondent. Regarding claim of the petitioner for 20 (twenty) days earned wages, it is submitted that he should contact the respondent for settlement of his dues, if any.

6. That the services of the petitioner were dispensed with w.e.f. 21-9-1991 and not w.e.f. 10-10-1991, as alleged, and no action of the respondent is unfair, or unjust. The respondent has emphatically denied that the petitioner has any claim for reinstatement or back wages, or continuity in services in the time scale of Rs. 750—940. The workman has, therefore, prayed for the dismissal of the case of the petitioner.

7. By filing a rejoinder, the workman has reiterated his claim made in the statement of claim and has refuted the pleas of the management.

8. In order to prove his case, the workman has filed his evidence on affidavit which Exb. WW1/1. He has been subjected to a detailed cross-examination. In rebuttal to that, management has examined its witness, Mr. D.M. Maurya, Executive Engineer, 'K' Division, CPWD, New Delhi, and he has filed his affidavit, which is marked Exb. MW1/1. He has been cross-examined from the side of the workman.

9. I have gone through the written submissions placed on record by both the parties. I have also heard the AR of the workman. None came to orally address the arguments from the side of the management.

10. In order to prove his case, the workman in his evidence on affidavit Exb. WW1/1 has asserted that he was engaged as daily rated Frash/Chowkidar by the Executive Engineer, 'K' Division, CPWD, New Delhi w.e.f. 13-4-1987 and worked up till 9-10-1991 and his services were terminated w.e.f. 10-10-1991, without any notice, notice pay, or gratuity, etc. According to him, all the daily rated workmen in the CPWD were getting their wages in the time scale of Rs. 750—940, with all allowances, but he was paid only minimum wages. That hundreds of workmen were recruited after his termination and even juniors to him were retained by the management and his services were arbitrarily terminated, without following the principles of natural justice, and he is entitled to reinstatement w.e.f. 10-10-1991, with all consequential benefits.

11. In his cross-examination, workman MGR Swamy, after seeing the hand receipt dated 20-9-1991, photocopy of which is Exb. M-1, admitted that the same was bearing his signatures. He admitted having not written any letter regarding non-payment of money to him after 20-9-1991. He also admitted that he was working on work order basis.

12. Though the workman has been cross-examined at length in this case but no challenge was made to his claim that he was engaged as daily rated Frash/Chowkidar w.e.f. 13-4-1987 and he worked up till 9-10-1991, and that his services have been terminated without any notice/notice pay or gratuity, etc.

13. In rebuttal to the above evidence, the witness of the management, Mr. D.M. Maurya, Executive Engineer, 'K' Division, CPWD, in his evidence on affidavit, has stated that the workman was engaged as part-time Frash on daily wages basis on hand receipt system w.e.f. 13-4-1987 and he worked upto 20-9-1991. He asserted that the workman was paid wages according to the rates prescribed by the Delhi Administration and no person junior to the petitioner is working in the management. Accordingly, the services of the petitioner were dispensed w.e.f. 21-9-1991 and not w.e.f. 10-10-1991.

In his cross-examination, Mr. Maurya, MW1, has admitted that attendance of the workman was being marked in the register. It may be noted here that no register from the side of the management has been produced in this case.

14. From the above discussed evidence led by the parties, it is hardly in dispute in this case that the workman worked as a daily rated Frash/Chowkidar from 13-4-1987 and he remained in service up till 9-10-1991. Workman MGR Swamy, in his evidence, has asserted that he worked up till 9-10-1991 and his services were terminated w.e.f. 10-10-1991. Though he has been cross-examined at length, this assertion of his that he worked till 9-10-1991 has not been specifically refuted by the management in his cross-examination. As workman has asserted that he had worked upto 9-10-1991, the burden of proof thereupon had shifted to the management to prove that he did not work till that date. The attendance of the workman used to be marked in the register, as has been admitted by MW-1, the Executive Engineer of the management. That being the position, the attendance register could have been produced by the management to disprove the claim of the workman that he had worked till 20-09-1991 and not up till 09-10-1991. The workman clearly was working regularly from 13-04-1987 to 09-10-1991 and thus he had completed 240 days in a calendar year before his services were terminated by the management.

The services of the workman have been terminated without complying with the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947. One-month's notice in

writing, indicating the reasons for retrenchment, or wages in lieu of such notice, has admittedly not been given to the workman before his services were terminated. The workman has not been paid retrenchment compensation as required by Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947. The conditions enumerated in Section 25F are conditions precedent for retrenchment and these are couched in a mandatory form, and the non-compliance there of has the result of rendering the order of retrenchment void ab initio, or non-est.

15. It is no longer in dispute that even casual or seasonal workmen, who have rendered continuous service for one year or more, cannot be retrenched, without complying with the provisions of Section 25F of the Act. Provisions of Section 25F are applicable even in the case of daily rated workmen. Reference in this connection can be made with advantage to the cases reported as (i) *Rattan Singh v. Union of India*, 1997, 11 SCC 396; (ii) *Municipal Corporation of Delhi v. Praveen Kumar Jain*, (1998), 9 SCC 468; 1999 Lab IC 619; and (iii) *Samistha Dubey v. Etawah*, 1999 Lab LR 460; 1999 Lab IC 1125 (SC) and (iv) 2000 LAB I.C. 613 and (v) 2010 LAB IC 1089.

16. In view of the above discussion, I hold that the action of the management of CPWD in terminating the services of Shri MGR Swamy, Frash, w.e.f. 10-10-1991 is unjustified and illegal. The workman, thus, is entitled to reinstatement in service with continuity in service.

17. As regards payment of back wages, it may be noted that the workman in his cross-examination, has stated that he is a married person, having three children, and he spends Rs. 800 (Rupees eight hundred only) on the whole family in a month. He otherwise was also only a daily rated Frash and his services were terminated about 18½ years before. Keeping all this in view, he is held entitled to back wages at the rate of 25% (twenty five per cent only) of the wages which he was last drawing before his termination by the CPWD.

ORDER

In view of my above findings, I hold that the action of the management of CPWD in terminating the services of Shri MGR Swamy, Frash, w.e.f. 10-10-1991 is not justified and is illegal. He is entitled to reinstatement in service with 25% back wages and continuity of service. Regarding his claim for wages for 20 days the workman is directed to contact the management in this regard and the management will consider his claim and settle it. The Management will give effect to this order within two months from the date of publication of this Award.

The Award is passed accordingly.

File be consigned to the record room.

Further, it is ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated: 21-6-2010

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1835.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी.डब्ल्यू.डी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 99/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/61/2003-आई आर(सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1835.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government here by published the Award (Ref. No. 99/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, New Delhi as shown in the annexure, in the industrial dispute between the management of Central Public Works Department, and their workmen, received by the Central Government on 30-6-2010.

[No. L-42012/61/2003-IR(CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II,
KARKARDOOMA COURT COMPLEX ROOM NO.
33 (GF), A-BLOCK

I.D. No. 99/2004

Dated: 15-06-2010

In the matter of dispute between:

The Deputy General Secretary,
All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan,
(For Shri Jai Prakash, Generator Operator),
4823, Balbir Nagar Extension,
Gali No. 13, Shahdara,
Delhi-110 032

....Workman

Versus

The Executive Engineer,
ACD Division-IV,
Central Public Works Department,
Vidyut Bhawan,

New Delhi-110001

....Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-42012/61/2003-IR(CM-II) dated 27-5-2002 and its corrigendum dated 14-6-2004 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the demand of the union that Sh. Jai Prakash, Generator Operator should be regularized in view of the Ministry of Labour Notification No. SO 813(E) dated 31-7-2002 is justified? If yes, to what relief the workman is entitled to and from what date?”

The statement of claim was filed by the workman 24-8-2004. None is present from the side of the workman. He has not attended the Court for the last so many dates of hearing. It is thus evident that the workman is no longer interested in the outcome of this reference. In this situation, there is no way out except to pass a no-dispute award which is passed accordingly.

File be consigned to the record room.

Further, it is ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated: 15-6-2010

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1836.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं सी.पी.डब्ल्यू. डी. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 170/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/191/2003-आई आर(सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1836.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 170/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, New Delhi as shown in the annexure, in the industrial dispute between the management of Central Public Works Department, and their workmen, received by the Central Government on 30-6-2010.

[No. L-42012/191/2003-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II,
KARKARDOOMA COURT COMPLEX ROOM
NO. 33 (GF), A-BLOCK KARKARDOOMA,
DELHI-110032**

I.D. No. 170/2004

Dated: 15-06-2010

In the matter of dispute between:

The All India CPWD (MRM)
Karamchari Sangathan,
(For Shri Naresh Kumar, Wireman),
4823, Balbir Nagar Extension,
Gali no. 13, Shahdara,
Delhi-110 032

....Workman

Versus

The Executive Engineer,
ACD-IV,
Central Public Works Department,
Vidyut Bhawan,
Shanker Market,
New Delhi-110001

.....Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-42012/191/2003-IR(CM-II) dated 3-11-2004 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the demand of All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan for reinstatement and regularization of Shri Naresh Kumar, Wireman in the organization of CPWD is legal and justified? If yes, to what relief the workman is entitled and from what date?”

The statement of claim was filed by the workman 5-5-2005. He further filed amended claim on 10-7-2006. None is present from the side of the workman. He has not attended the Court for the last so many dates of hearing. It is thus evident that the workman is no longer interested in the outcome of this reference. In this situation, there is no way out except to pass a no-dispute award which is passed accordingly.

File be consigned to the record room.

Further, it is ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated: 15-6-2010

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का.अ. 1837.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं डब्ल्यू. सी. एफ.सी.आई. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 26/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[मं. एल-22012/56/2008-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1837.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 26/2008) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Western Coalfields Limited, and their workman which was received by the Central Government on 30-06-2010.

[No. L-22012/56/2008-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI A.N.YADAV, PRESIDING OFFICER,
CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No. CGIT/NGP/26/2008

Dated 18-6-2010

Petitioner/Party No. 1: The General Secretary,
Koyala Shramik Sabha (HMS),
Near Mahakali Mandir,
Chandrapur (Maharashtra).

Versus

Respondent/Party No. 2: The Chief General Manager,
WCL, Chandrapur Area
Chandrapur.

AWARD

(Dated: 18th June, 2010)

1. The Central Government after satisfying the existence of dispute between the General Secretary, Koyala Shramik Sabha (HMS), Near Mahakali Mandir, Chandrapur (Party No.1) and the Chief General Manager, WCL, Chandrapur Area Chandrapur (Party No.2) referred the same for adjudication to this Tribunal vide its letter No.L-22012/56/2008-IR(CM-II) dated 13.08.2008 under clause (d) of sub section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) with the following schedule.

2. Whether the action of the management of M/s. WCL in denying promotion to Shri R.N. Ankar, Lab Technician to higher grade, is legal and justified? To what relief is the workman concerned entitled?"

3. The Petitioner Union on behalf of Shri R.N. Ankar has approached to the Court with the prayer that the workman has since superannuated from 1-3-2010 after attaining the age of 60 years. He does not want to pursue the case further and prayed to close the case and accordingly he has filed the pursis on 19.3.2010. He was allowed to withdraw the case and accordingly no dispute award has been passed. Hence this award.

Date: 18.06.2010.

A.N. YADAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का.आ. 1838.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं एफ.सी.आई. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 1151/2K5) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/319/2002-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1838.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1151/2K5) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and their workman, received by the Central Government on 30-6-2010.

[No. L-22012/319/2002-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, CHANDIGARH

Present: Sri A.K. Rastogi, Presiding Officer.

Case No. I.D. 1151/2K5 (Old 112/2K3)

Instituted on 18-06-2003

Sh. S.P. Singh, 37, Khadi Colony, Panipat.

Applicant

Versus

The Senior Regional Manager, Haryana, Food
Corporation of India, Regional Office, SCO No. 120-122,
Sector 17, Chandigarh.

Respondent

APPEARANCES

For the workman Sh. G.S. Bal & Bipin Sharma,
ARs.

For the Management : Sh. Parmod Kumar,
Advocate.

AWARD

Passed on 23 June, 2010

The Central Government vide Notification No. L-22012/319/2002-IR(CM-II) Dated 9-5-2003, by exercising its powers under Section 10 sub-section (1) and sub-section 2(A) Clause (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following Industrial dispute for adjudication to this Tribunal:

“Whether the action of the management of Food Corporation of India, Karnal in terminating the services of Sh. S.P. Singh, Technical Assistant Grade-III w.e.f. 30-8-99 is legal and justified? If not, to what relief he is entitled to?”

At the relevant time the claimant was posted as Technical Assistant Grade-II at Safidon, District Jind (Haryana) in Food Corporation of India (hereinafter called as Corporation). During July to October 1995 two Raw Rice Specials were loaded at Safidon for Kohlapur (Maharashtra). From the destination a complaint was received that the stocks were Beyond Rejection Limit (B.R.L.). A Loss Assessment Statement (LAS) was prepared by the Corporation. According to which the Corporation suffered a loss of Rs. 1,08,29,435-06. Claimant along with three others R.D. Singla, R.P. Singh and D. S. Chauhan were charge-sheeted and after inquiry, the delinquent officials were dismissed by respondent, Senior Regional Manager, Haryana vide order dated 30-8-1999. An appeal preferred by the claimant also failed.

The claimant's case is that he was not provided the opportunity of visiting destination. The impugned dismissal order has not been passed by a competent authority as he was holding a promotional post under the orders of Zonal Manager (North), which is the higher authority than the Senior Regional Manager who passed the Dismissal Order. The dismissal order as well as the order in appeal is illegal, arbitrary, without jurisdiction and against the natural justice for the following reasons:

- (a) Language employed in the charge-sheet indicates as if the charge is already proved. It prejudiced the mind of the Inquiry Officer and vitiated the inquiry.
- (b) At the unloading station nobody on behalf of F.C.I. was present and complaint was made at a later stage from the godowns, where the stocks had been dumped.
- (c) Monthly Inspection Report prepared by Assistant Manager (Q.C.). 5% Inspection Report of District Manager, 15% Inspection Report of D.M.(Q.C.) do not indicate that the dispatched stock was B.R.L. Assistant Manager (Q.C.) had given “priority” for removing the stocks. Disposal of entire stocks except 51 M.Ts was made by sale or through tender and not through Public Distribution

System (P.D.S.). There was no financial loss to Food Corporation of India. The procedure for determining the loss and preparing final Loss Assessment Statement (L.A.S.) was not legal.

- (d) The claimant was not provided proper opportunity to defend himself.

The claimant has also stated that the punishment awarded to the claimant is too harsh. R.D. Singla who had also been charge-sheeted for the same charge and who had also been dismissed ultimately got the relief from the appellate authority and his penalty was reduced from dismissal to that of reduction in rank. The claimant has prayed for setting aside the impugned order of dismissal dated 30-8-1999 and the order dated 5/9-7-2001 in appeal and for a direction for his reinstatement with all consequential benefits including full back wages, seniority and further promotion in the next higher post to which his immediate juniors have been promoted in the meantime.

The claim was contested on behalf of the respondent. In the written statement he has challenged the jurisdiction of this Tribunal. It has been stated that Food Corporation of India is a statutory organization having been established under the Food Corporations Act, 1964 and under Section 45 of the said Act, the Corporation is competent to frame its own regulations for governing the service conditions of its employees. It has been disputed that Senior Regional Manager was not competent to pass the impugned order. According to the respondent the opportunity was provided to the claimant to visit the destination by means of registered letter to concerned Assistant Manager (Q.C.) for service upon the claimant. The punishment was inflicted on the complainant after proper inquiry and after giving him full opportunity to defend himself. The loading and unloading was from F.C.I. to F.C.I. and the complaint made by the destination in itself is enough to prove that the stocks were B.R.L. The fact that the priority had been given by the Assistant Manager (Q.C.) in dispatching the stock is no ground to absolve the claimant. The violation of the norms prescribed by the Corporation in itself is sufficient to charge the claimant with dereliction of duty and the amount of loss is not a relevant factor for determination of dereliction of duty. The claimant cannot equate his case with that of R.D. Singla, who was holding a different rank and was discharging different duties. The claimant at the relevant time was discharging the duties of Technical Assistant, which were primarily directed towards the quality control of the food grains. The L.A.S. had been prepared according to the guidelines. His petition deserves dismissal.

On the pleadings of the parties, the following issues are framed for decision:

- (i) Whether this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate the reference?
- (ii) Whether the dismissal order dated 30-8-99 and the order dated 5/9-7-2001 in appeal is illegal

arbitrary, without jurisdiction and against natural justice for the reasons given in para 7 of the claim statement and whether the Senior Regional Manager was not competent to pass it?

(iii) To what relief is the claimant entitled?

In evidence the claimant filed his own affidavit while on behalf of respondents affidavit of Shri S.D. Dani, Assistant General Manager, Food Corporation of India, Regional Office, Haryana, Sector 4, Panchkula was filed. Parties have filed certain papers also, which will be referred to in the relevant and proper place. In the papers filed by respondents complete inquiry report with all relevant documents and the order of the appellate authority in appeal of R.D. Singla are important.

I have heard the learned counsel of the parties and have gone through the evidence on record. My findings on the various issues are as under:

Issue No.1.

The respondent in the written statement stated that this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate the matter as the Food Corporation of India; is a statutory organization having been established under the Food Corporations Act, 1964 and under Section 45 of the said Act, the Corporation is competent to frame its own regulations for governing the service conditions of its employees.

However, in his arguments the learned counsel for the respondent did not press this plea nor any authority was cited in support of the plea. The statutory status of the Corporation and the right to frame its own regulations for governing the service conditions of its employees does not take away the jurisdiction of this Tribunal to decide an industrial dispute. I, therefore, hold that this Tribunal has jurisdiction to adjudicate upon the matter. Issue no. 1 is decided against the respondents.

Issue No.2.

The claimant has challenged the order of his dismissal from service, firstly on the grounds that the language employed in the charge sheet indicates as if the charge is already proved. It prejudices the mind of the Inquiry Officer and vitiates the inquiry. In support of this argument, the learned counsel for the workman cited the case law laid down in *Hans Raj Gupta Vs State of Punjab* 1992(1) SCT 258 wherein it was held by the Hon'ble Punjab and Haryana High Court that where the charge-sheet itself contains the language that the charge against the delinquent stand proved, there is hardly any scope for the Inquiry Officer to dissent such findings. Inquiry Officer in such circumstances cannot keep an open mind and Inquiry report vitiated and cannot be said to be fair and impartial.

It would be noted that in the said case the language employed in the charge-sheet was as follows:

"Thus, it is proved that while you recommended for issuance of license of coal after site inspection, that act on your part was wrong".

"From the above, it is proved that he is careless, irresponsible and not trustworthy Officer."

Here it is not the case. Article of charges are contained in the Inquiry report Ex. M-4. It simply mentioned the facts necessary to constitute the lapses on the part of the claimant. It nowhere says that the allegations against the claimant stand proved. I do not subscribe to the view of the learned counsel for the claimant that the language employed in the charge has prejudiced the mind of the Inquiry Officer and vitiated the inquiry.

The claimant has challenged his dismissal on this ground also that he was not provided the opportunity of joint inspection at the unloading station. Nobody on behalf of F.C.I. was present and the complaint was made at a later stage from the godown where the stocks had been dumped.

So far as the opportunity of joint inspection is concerned, S.C. Dani, Assistant General Manager (General), Food Corporation of India, in his affidavit has stated that opportunity to visit the destination was provided by means of a registered letter Ex. M-2 to the concerned Assistant Manager (Quality Control) for service upon the delinquent/officials. A letter dated 19-12-1995 from the District Office of Food Corporation of India to Assistant Manager (Q.C.), Safidon has been filed, but there is nothing on record that the Assistant Manager (Q.C.) informed the claimant about the joint inspection. During cross-examination Shri Dani has accepted that he has no record to show that the claimant was given the instructions in view of this letter for compliance. On the other hand, the claimant in his affidavit has stated that he was not provided the said opportunity and during the cross-examination he stated that he has no knowledge of any letter received from the District Manager with regard to joint inspection nor he was informed about the said letter.

So there is nothing on record to show that the claimant was informed about the joint inspection and it is true that the claimant was deprived of his right of joint inspection as provided under the relevant regulations. The learned counsel for the workman argued that the claimant was prejudiced in his defence on this count. The learned counsel has submitted a copy of judgment (uncertified) Dated 6th May 1994 of Punjab and Haryana High Court in Civil Writ Petition No. 13008 of 1993 Dalip Singh Versus Food Corporation of India & another. But that was a case of pilferage and the Hon'ble High Court observed that the petitioner in that case was deprived of his right to claim the joint inspection of the stocks.

But it is not a case of shortage in stocks. The charge against the claimant is that he accepted B.R.L. (Beyond rejection limit) stocks and a complaint in this regard was received from the destination. From the inquiry report

Ex. M-4 (page 14) it appears that the complaint was about excess percentage of discolored rice rendering it of 'C' category, with dull appearance, mixture of old and new crop rice, heavily infested and non-homogeneous. The inspection of the destination by the claimant would not have changed the position. Further it is not the case of the claimant that the dispatched stock was not discolored or dull in appearance and not a mixture of old and new crop rice; was not infested and was homogeneous. I am of the view that in the present case it cannot be said that by not providing opportunity of joint inspection to the claimant, his defence was, not prejudiced in any way.

Though it is not in written arguments of the workman/claimant but in his written statement he has challenged his dismissal order on this ground also that at the unloading station nobody on behalf of F.C.I. was present and complaint was made at a later stage from the godown where the stock had been dumped. It is important to note that J.G. Thote, Manager of Central Warehouse Corporation, Kohlapur had appeared in the inquiry as PW-I. His statement finds mention at page 2 of the inquiry report (Ex. M-4). He stated that the technical staff of the Central Warehouse Corporation, Kohlapur, took samples of stocks received ex-Safidon both from the wagon at goods-shed as well as from the stocks in the godown and these samples were analyzed by the Technical Assistants of Central Warehouse Corporation, Kohlapur. The Inquiry Report has a mention of the statement of Gushaik at page 3 and 4. He was Assistant Manager (Q. C.) at District Office Pune. He admitted that no F.C.I. staff is posted at C.W.C. Kohlapur and the same is exclusively managed by CWC staff and that no F.C.I. staff was posted at Kohlapur for supervision of the said stock received at CWC Kohlapur during unloading. The statement of these two witnesses support the plea of the claimant that at the unloading station nobody on behalf of F.C.I. was present and complaint was made from the godowns where the stock have been dumped. But I do not think that it in any way prejudiced the defence of the claimant and the dismissal order can be assailed on this ground. The fact that the analysis of the sample was made by an independent agency; the Central Warehouse Corporation makes the charges strong against the claimant.

The fact that monthly inspection report 5% inspection report and 15% inspection report did not indicate that the fresh stock was B.R.L. or Assistant Manager (Q.C.) had given priority for removing the stock does not provide any certificate about the fitness of the stock. The inspection reports relate to a sample of the stock only and cannot be said to be the representative of the entire stock. It is in the written arguments of the claimant that the stock in question had been procured during the year -1995-96. It is important to note that it was dispatched to Kohlapur from July to October 1995. It cannot be said that it deteriorated in quality in such a short time.

It cannot be a ground to assail the dismissal that the Food Corporation of India did not suffer any financial loss on account of the conduct of the claimant. The acceptance of B.R.L. stock, which was infested, discolored and non-homogeneous, is non-excusable irrespective of the financial loss.

According to the claimant, the procedure for determining the loss and preparing final Loss Assessment Statement (L.A.S.) was not legal. But the plea has not been elaborated.

However, the appellate authority while deciding the appeal of R.D. Singla who also had been charged for the same misconduct in the same enquiry, has observed that the L.A.S. have not been prepared as per Headquarters instructions, the consignee has claimed 50% value of the stock on the basis of issue price as loss whereas as per H.Q. instructions loss has to be worked on double value cuts in refractions exceeding the rejection limit on 15% of issue price during the relevant period. It is also in the order of the authority that in the final L.A.S. submitted before him by appellant (R.D. Singla) the final L.A.S. came down to Rs. 4,60,895-60 against the L.A.S. of Rs. 1,08,29,435.

The aforesaid appeal order substantiates the plea of the claimant in this regard.

The claimant has further pleaded that he was not given the proper opportunity to defend. But I am not impressed with this plea. The enquiry report shows that the enquiry was conducted according to rules of natural justice in a fair manner and it cannot be said that the claimant was not given proper opportunity to defend himself.

It was vehemently argued on behalf of the claimant that he had been promoted to the post of Technical Assistant Grade-II under the orders of Zonal Manager, who is the higher authority than the Senior Regional Manager, who passed the dismissal order. Senior Regional Manager was not competent to pass impugned order.

In this regard it is important that the Dismissal Order is dated 30-08-1999 and on that date the claimant was not holding promotional post. He had already been reverted to his original post of Technical Assistant Grade-III w.e.f. December 1998 in another case. The claimant himself has made necessary disclosure in this regard in his claim statement, though quietly.

Moreover, fault cannot be found with the impugned order on this ground in view of law laid down in Food Corporation of India and others Versus Sone Lal AIR 2006 S.C. 264 cited by the learned counsel for the management. In that case also the respondent had been promoted to category III post of Technical Assistant Grade by Zonal Promotion Committee. Penalty of compulsory retirement was passed by the Senior Regional Manager, which was the appointing authority. It was held that the punishment order is not without jurisdiction. The Senior Regional

Manager, Food Corporation of India is competent to impose the penalty of compulsory retirement on the respondent under Regulation 56 of the Regulations. The Hon'ble Apex Court observed that the Senior Regional Manager/Regional Manager/Zonal Manager are each competent to impose any of the penalties i.e. minor as well as major penalties. It is evident that the Senior Regional Manager is not only the appointing authority for the post held by the respondent but also he is competent to act as disciplinary authority for the purpose of regulations 56, 57, 58 and 59 of the Regulations and impose major penalties. As per regulation 56 and Appendix 2 of the Regulation, the appointing authority of category (III) posts is Senior Regional Manager/Regional Manager and the Zonal Manager is not the appointing authority.

It is thus clear that Senior Regional Manager is competent to pass the impugned order.

In view of the above going discussion, I am of the opinion that the dismissal order cannot be assailed on the aforesaid grounds. Issue: No.2 is decided against the claimant.

Issue No. 3.

It was vehemently argued on behalf of the claimant that the order of dismissal is extremely harsh on the claimant particularly in view of the punishment imposed by the appellate authority to R.D. Singla, who had been charge-sheeted along with the claimant for the same misconduct. According to the management, the case of R.D. Singla was different. The claimant and R.D. Singla are from different cadres and had different duties. As it is clear from the order passed by appellate authority in the appeal of R.D. Singla that he had accepted the stock and was not able to rebut the charge of acceptance of B.R.L. rice. It is important note that R.D. Singla was holding the post of Assistant Grade-II (PP) while the claimant was holding the post of Technical Assistant Grade-II and the claimant in his cross-examination had admitted that it was his duty to maintain quality of the foodgrains. He however, has further stated that the duty of Technical Assistant Grade-II and Technical Assistant (P.P.) is the same. Both are responsible for the quality control. I am of the view that while the persons holding the post of Technical Assistant Grade-II and Technical Assistant (P.P.) both were responsible for the quality control but primarily it was the duty of Technical Assistant Grade-II to ascertain the quality. The Enquiry Officer at page 2 in his report Ex. M-4 has indicated that the job and responsibility of the Technical Assistant is to ensure that the stocks are accepted by him in the depot from the millers as per the specifications laid down by the Corporation.

While considering the punishment it is important to note that the claimant in another case has already been reverted from the post of Technical Assistant Grade-II to Technical Assistant Grade-III. The penalty of reduction in rank cannot be imposed on him. However, considering the

facts that as per final L.A.S. the loss to the Food Corporation of India has come down to Rs. 4,60,895-60 against the L.A.S. of Rs. 1,08,29,435 (as per appeal order in case of R.D. Singla) and co-delinquent R.D. Singla has got relief in appeal, I am of the view that the order of dismissal may be modified to compulsory retirement. The penalty of dismissal awarded to the claimant by the disciplinary authority and the appellate authority is accordingly modified to compulsory retirement. The claimant will be entitled to all terminal benefits. The reference is answered accordingly. Let a copy of the award be sent to the Central Government for further necessary action and record be consigned after due compliance.

ASHOK KUMAR RASTOGI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का.आ. 1839.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं एफ.सी. आई. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 41/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/21/2001/आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1839.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 41/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1 Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 30-06-2010.

[No. L-22012/21/2001-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT.
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case I.D. No. 41/2002

Shri Paramjit Singh S/o Shri Tara Ram, Village Arjanwal,
P.O. Adampur, Jalandhar (Punjab).

Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India, Distt.
Office, 569-L, Model Town, Jalandhar City.

Respondent

APPEARANCES

| | |
|--------------------------|--------------------|
| For the Workman: | For the Management |
| Shri Vijay Kumar Chopra. | Shri N.K.Zakhmi. |

A W A R D

Passed on : 17-6-2010

Government of India vide notification no. L-22012/21/2001-IR(CM-II), dated 7-3-2002 by exercising its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, (the Act in short) has referred the following industrial dispute for adjudication to this Tribunal:

“Whether the action of the management of FCI in terminating the services of Shri Paramjit Singh S/o Shri Tara Ram is legal and justified? If not, to what relief he is entitled to?”

After receiving the reference parties were informed. Parties appeared and filed their respective pleadings. As per the contention of the workman, he was not conferred any opportunity of being heard before dismissing from the services. This act of the management, as per the contention of the workman, is against the principle of natural justice as no enquiry has been conducted and opportunity of being heard given. The factual position which is clear from the statement of claim of the workman is that the workman was engaged as labour and he was conferred ancillary labour status. He lastly worked with the management on 01.11.99 and on the same day his services were terminated without conducting any enquiry and without affording any opportunity of being heard to him. On the basis of the above contentions, the workman has prayed for setting aside the dismissal order and for consequential order reinstating him into the services along with consequential benefits.

The management appeared and contested the claim by filing written statement. In short, the contention of the management is that the workman remained absent from 1-1-94 to 23-4-95 and thereafter, from 14-11-95 to 26-3-96. He has not only remained absent but during the above mentioned period he was not in India and working in Dubai for monetary gain. His brother being member of Three Member Committee, managed to get the wages for the workman for the period in question fraudulently. On disclosure of this fact, an enquiry was conducted by the management in which it came to the notice of the enquiry officer that workman remained absent for the period in question and he was gainfully working in Dubai. It is further contended by the management that workman initially filed a writ petition before Hon'ble the High Court of Punjab & Haryana and Hon'ble Punjab & Haryana directed the management to dispose of the representation and issued a legal notice to workman within two months from the date of receiving the order. The management passed the speaking order after conducting an enquiry within two

months from the date of receiving the order of Hon'ble High Court.

In replication the workman denied to go abroad. It is stated in replication that workman was very well present in India as he was under treatment of the Doctor whose Certificates he has provided with to the management.

Both of the parties were afforded the opportunity for adducing evidence. As more as three witnesses were produced by the workman, whereas, on behalf of the management Shri Ravinder Pal Singh General Manager, Food Corporation of India was cross-examined.

I have heard the parties at length and perused the entire materials on record. The main issues for adjudication before this Tribunal are:

- (1) Whether the workman has visited abroad (Dubai) without prior permission of the management? If yes, its effects.
- (2) Whether the management while conducting the enquiry has violated the rights of the workman relating to principle of natural justice?
- (3) Whether the workman was justified in passing the order of dismissal of the workman from the services?
- (4) Relief, if any.

Before answering the issue no. 1, it is important to mention that proceedings before this Tribunal runs on the basis of justice, equity and good conscious. This Tribunal is an adjudicatory body having quasi judiciary powers and supposed to decide the cases on the basis of equity, justice and good conscious. The proceedings before this Tribunal and before the authority conducting the department enquires are altogether different. In these proceedings it is not necessary to comply with the provisions of enactments as such.

The workman in his statement of claim has contended that the period of his absence should be treated as leave without pay but has add nothing about his foreign visit. Later on, he denied any foreign visit. On perusal of the evidence documentary and oral, it is evident that following evidence was on record before the person conducting enquiry against the workman on these issues :—

- (1) The statement of concern Gram Panchyat that the workman has visited Dubai twice and remain there for the period mentioned by the management in its written statement meaning thereby, w.e.f. 1-4-94 to 23-4-95 and thereafter, 14-11-95 to 26-3-96.
- (2) The statement of co-workers working in the FCI regarding his visit to abroad for the period mentioned above.

No doubt, the reports from the co-workers are both-sided. Some workers given the report that he has continuously worked with the FCI whereas, other set of employees have given in writing as well as oral statement before the enquiry officer that he had visited Dubai twice.

There is a letter written by so called Paramjit Singh to his friend Amrik Singh S/o Shri Rulda Ram. This letter reveals that Paramjit was working on Card No. 687 at Post Box No. 5135, BEAM ENG. CO. LTD. SHARJAH, U.A.E. It is admitted by the workman that workers named Balwant Singh, Harbanslal, Amarjeet and others had worked with him in FCI and they have given in writing that he had gone to Dubai twice. It is true that letter was not properly proved by the Management. It is also true that there is no record from Embassy, concern for visiting the workman to Dubai. But if a fact before the departmental proceedings can be proved without such documentary evidence from Embassy the decision cannot be disputed on the ground that letter from the Embassy regarding conformation of his visit to Dubai was not available to the enquiry officer. The workman has denied for conducting any enquiry or any enquiry report.

As stated earlier this enquiry was conducted by the management on the order of the Hon'ble High Court to pass the speaking order within two months. A high level committee was constituted by the management which enquire the matter and came to the conclusion that workman has visited Dubai twice and he was not present in India for the wages he claimed. The committee also comes to the conclusion that wages were fraudulently claimed in connivance with the brother of the workman who was the member of Three Member Committee. The committee should not have seen that all the evidence was to be produced before it. It is to be seen whether the evidence before the committee was sufficient to prove the fact that workman has visited abroad. As stated earlier, proceedings in departmental enquiry and before the Administrative Tribunals are altogether different then the civil proceedings. Before the Administrative Tribunals and in departmental proceedings, there should be no allergy even to here say evidence, if it has credibility. Evidence of Sarpanch and Co-worker is sufficient to prove that workman has visited abroad twice for the period in question.

To rebut this fact the workman has produced two witnesses Dr. Kishan Kumar and Dr. Indu R. Singh. Workman has also provided with a medical certificate which is marked as Ex. MM-2 containing the cuttings in every entry where the name of the workman Ranjit is record on 28-11-95, the name of Ranjit is recorded at serial no. 11 which is last patient for that day. It is clear from the perusal of this document that this name was added thereafter and adjustments were made in amounts received and recorded by the Doctor concern. The Doctor concern has admitted that there are cuttings on this page. The calculation of total amount was 185 and to justified Rs. 40 written in the

front of the name of the workman, figured at serial no. 2, serial no. 4, serial no. 5, serial no. 6 and serial no. 8 were adjusted. This correction is visible by naked eyes. No expert opinion is required to be taken in this regard. Likewise, on every date on which the workman has said to approach the Doctor, the name of the workman is recorded at bottom and to be in different ink. This is the continuous process that name of the workman was record at bottom on every page. The circumstances speak itself. In the ordinary course of the nature; it is not possible for the workman that every time which he visited the Doctor he was the last patient. The possibility of being the last patient cannot be denied in normal circumstance. Under such circumstances, where there are cuttings in the certificate, writing is in different ink, this possibility is doubtful. Thus, the register relied upon and placed by the workman of the Doctor concern who was cross-examined by this Tribunal cannot be relied because the same is doubtful.

Thus, the evidence of Sarpanch and co-workers remain unrebutted. There is no reason before this Tribunal to doubt the findings of the committee that workman has visited to Dubai twice for employment. Thus, the issue is decided with the finding that workman visited unauthorizedly without permission Dubai twice for the period mentioned above and in that period he was not present in India.

Undoubtedly, the wages for the period when the workman was not in India were claimed. Sufficient material was before the committee that wages were claimed in connivance of the brother of the workman who was the member of the TMC.

It has also come before this Tribunal that the workman was not entitled for appointment of handling labour because he has not completed the days as required in para no. 3 of the statement signed on 5-4-95. As per para no. 3 of the said circular, only those workers who had been paid wages for 9 months during the last 12 months before April, 1995 will be allowed to continue under the prevalent direct payment system for providing linked price rate basis on no work no pay through TMC. The workman was not paid nine months wages during last 12 months before April, 1995 because he was in Dubai during this period and the wages if any, claimed in the name of the workman were fraudulently drawn. How it is possible that workman was working In Dubai as well as in FCI.

Principle of natural justice requires that fair and proper opportunity should be given to every person against the order is passed. As stated earlier, that proceedings before this Tribunal runs on the basis of equity, justice and good conscious. There is one more principle that he who pleads equity must do equity. If the workman was not present in India and he unauthorizedly absented from FCI and went abroad and during his absence the wages on his name were claimed fraudulently, whether he is entitled to

claim any relief on the ground of violation of the principle of natural justice. Where the very foundation of any claim is fraudulent and illegal, whether the law permits to subsidize the illegality on the ground of principle of natural justice? It is true that the committee constituted for passing a speaking order on application and notice of the workman has not given opportunity of being heard to the workman. But in my view, it was a fair enquiry conducted by the management on the application of the workman and the legal notice of the workman. In such type of cases, if the workman is provided relief on the ground of violation of principle of natural justice, the very purpose of law will be frustrated. The persons who commit illegality should not allow to claim the violation of principle of natural justice. This claim is available to the workman in ordinary course of nature but in case of fraudulent act he should not be permit to raise this plea. Moreover, management has also proved before this Tribunal that workman has visited abroad twice and was not present in India as mentioned by management. The management has also proved that the salary of period workman was in Dubai were fraudulently taken in convince of his brother who was the member of T.M.C.. All possible opportunity of being heard was given to the workman by the Tribunal.

The committee appointed by the management, conducted the enquiry had come to know that workman has visited Dubai twice unauthorizedly without consent. Even his presence was illegally shown and wages received fraudulently. Under such circumstances this Tribunal should not permit the workman to raise the plea of violation of principle of natural justice, whereas, in the opinion of this Tribunal the committee conducted a fair enquiry except to ask the workman regarding his step. At the cost of repetition, the person who commits illegality should not be benefited for his illegal acts and designed on the ground of principle of natural justice. Thus, it is not open for the workman to plead for the violation of principle of natural justice as he has illegally visited Dubai during the period in question and has claimed to be present and get wages from, FCI. Moreover, workman in his evidence has himself admitted that he has not completed 240 days of work in any of the calendar year before his dismissal. Under such circumstances, he was not entitled for the status of ancillary labour and the same was illegally/afforded on him. Thus, the management has rightly dismissed the workman from the services. It is not the case of inaction and laxity on the part of the workman but it is the case of illegally and committing fraud with the organization who has been providing the food and shelter to the workman.

On the basis of the above observation, I am of the view that workman is not entitled for any relief. He was rightly dismissed from the services by the management by conducting the enquiry in compliance of the order passed by the Hon'ble High Court to disposed of the representation of the workman and the legal notice given by him within

two months from the date of order. For the reasons mentioned in the body of this award, it is not open to the workman under the circumstance prevailing in this case to plead for the violation of the principle of natural justice by enquiry officer. The reference is accordingly answered. Let Central Government be approached for publication of award and thereafter, file be consigned to record room.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1840.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू. सी.एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 258/89) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-06-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/188/1989-आई आर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S. O. 1840.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.258/89) of the Central Government Industrial Tribunal -cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of WCL and their workman, which was received by the Central Government on 30-06-2010.

[No. L-22012/188/1989-IR(C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR

No. CGIT/LC/R/258/89

Presiding Officer : Shri Mohd. Shakir Hasan

The General Secretary,
Rashtriya Koyla Khadan Mazdoor Sangh(INTUC),
Post Chandametta
Distt. Chhindwara (MP) ... Workman/Union

Versus

General Manager,
Western Coalfields Ltd.,
Kanhana Area, Post Dungaria,
Distt. Chhindwara (MP) ... Management

AWARD

Passed on this 16th day of June, 2010

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012(188)/89-IR (Coal-II) dated 30-11-89 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:-

“Whether the action of the General Manager, Western Coalfields Ltd., Kanhan Area, PO Durgaria, Distt. Chhindwara (MP) in relation to their Regional Workshop, in retiring Shri Lallan Pandey, Mechanical Fitter w.e.f. 6-7-1988 without considering their own records of service is justified? If not what relief the concerned workman is entitled?”

2. The case of the Union/workman in short is that the workman was appointed on 1-7-1951 in the Ravanwara Khas Colliery where his age was recorded as 16-7-1930 and the same was also recorded in CMPF records. After nationalization, he was transferred to Regional Workshop, Kanhan. On 24-6-81, the management of Kanhan Area issued a circular notice to the workers to confirm the date of birth within 90 days. The workman is said to have immediately represented to rectify his date of birth from 16-7-1928 to 16-7-1930. It is alleged that the management had taken his signatures on different blank forms including Form B on the pretext to be sent to CMPF Commissioner. When his date of birth was not corrected he had again filed representation. Later the matter was taken up by the Union under I.R. System on 15-7-88 but the management refused to correct the date of birth and the workman was prematurely superannuated on 16-7-1988 instead of 16-7-1990 causing monetary loss of two years. The Union/workman claims monetary benefit till 16-7-90 with costs of the suit.

3. The management appeared and filed written statement. The case of the management in short is that the workman was initially appointed on 22-6-1959 in Delta Colliery wherein the record of his date of birth was recorded as 16-7-1928. Thereafter he was transferred to Ghorawari Colliery and there his same date of birth was recorded. In L.P.C. and Form B the same date of birth was recorded and the workman had put his signature on the record in token of acceptance of his age. It is an admitted fact that a notice was displayed in the Regional Workshop Kanhan to raise dispute, if any, with regard to the date of birth but the workman did not raise any objection. In 1987, the service details was circulated but the workman signed the service excerpts without any objection. The workman had not submitted any representation before 1988. It is submitted that the action of the management in retiring the workman w.e.f. 16-7-1928 is justified.

4. On the basis of the pleading of both the parties, the following issues are framed for adjudication-

- I. Whether the date of birth of the workman is 16-7-1930 instead of 16-7-1928?

II. If so, what relief the workman is entitled to?

5. Issue No. I

The Union has examined one witness, the workman in the case. He has stated that he was transferred to Regional Workshop, Kanhan Area and the L.P.C. was issued. The L.P.C. shows that his date of birth is 16-7-1928. He has admitted that service record was received by him which is marked as Exhibit M/1. The said service bears the signature of the workman and the date of birth was recorded as 16-7-1928. He has also admitted the signature on Form B which are marked as Exhibits M/2 and M/3. The document Exhibit M/2 is the Form -B of Ghorawari Colliery. This Form B shows that the date of birth is 16-7-28. There is no allegation that the management of Ghorawari Colliery had obtained his signature on blank papers. This was the place from the where the workman was transferred. Thus the evidence of the workman also supports the fact that his date of birth is 16-7-1928. Moreover the evidence of the work does not corroborate the fact that before 1988, the workman had raised any objection regarding his age.

6. On the other hand, the management has also adduced oral and documentary evidence. Mr. Gulam Hussain was Personnel Manager, Kanhan Area. He has supported the case of the management. He has stated Shri Lallan Pandey was appointed in the year 1954 and his date of birth was recorded as 16-7-1928 in the Delta Colliery. He has further supported that in the statutory his age was recorded as 16-7-1928. The documents further support the case of the management that the date of birth is 16-7-1928. Thus I find and hold that the date of birth of the workman was 16-7-1928.

7. It is not out of place to say that during the course of proceeding the workman died and his legal representatives are substituted as party in the proceeding. However I find and hold that the workman superannuated rightly on his date of retirement. This issue is decided in favour of the management.

8. Issue No. II

On the basis of the discussion made above, it is clear that the workman was rightly retired and the management is justified in retiring him w.e.f. 16-7-1988. Accordingly the reference is answered.

9. In the result, the award is passed without any costs.

10. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1841.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ

महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, पुणे के पंचाट (संदर्भ संख्या 14/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-06-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/114/2007-आई आर(बी-II)]
कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S. O. 1841.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.14/2008) of the Industrial Tribunal, Pune now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workman, which was received by the Central Government on 29-06-2010.

[No. L-12011/114/2007-IR(B-II)]
KAMAL BAKHRU, Desk Officer
ANNEXURE

**BEFORE SHRIS. K. DESHPANDE, INDUSTRIAL
TRIBUNAL MAHARASHTRA AT PUNE**

Reference (IT) No. 14 of 2008

The Assistant General Manager,
Bank of Maharashtra, Pune Rular Region,
Kesariwada, Narayan Peth, Pune. ...First Party

AND

The General Secretary,
Bank of Maharashtra Karmchari Sangh,
185, Shaniwar Peth, Pune-30 ...Second Party

In the matter of reinstatement.

APPEARANCES

Both parties present.

AWARD

(Delivered on 29-04-2010)

This is a Reference made by the Commissioner of Labour Pune, vide order dtd. 29-08-07 in exercise of power conferred by Sec. 12(5) of the Industrial Disputes Act, 1947 in respect of dispute between Bank of Maharashtra and Bank of Maharashtra Karmchari Sangh over the demand as mentioned in the Schedule appended to the order of reference, for adjudication to this Tribunal.

It appears that the parties have settled their dispute out of court, therefore he does not want to proceed with the Reference further. The contents of pursis are explained to the second party and he has accepted the same as true & correct. This fact is also corroborated by the Dy. General Secretary of the union present before the court. In view of this the Reference is disposed off for want of prosecution. No order as to costs.

In the result I proceed to pass the following Award.

AWARD

1. Reference is answered in the negative.
2. The second party is not entitled for any relief as prayed.
3. No order as to costs.
4. Copies be sent to the appropriate authorities.

Pune :

Date : 29-04-2010

SHRIKANT K. DESHPANDE, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1842.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय -2, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या 93/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-06-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/43/2005-आई आर(बी-II)]
कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S. O. 1842.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.93/2005) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court-2, Mumbai now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workman, which was received by the Central Government on 29-06-2010.

[No. L-12012/43/2005-IR(B-II)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI**

PRESENT

A.A. LAD

PRESIDING OFFICER

Reference No. CGIT-2/93 of 2005

Employers in relation to the management of Bank of Maharashtra

The Dy. General Manager,
Bank of Maharashtra, Regional Office,
Mahabank Bhawan, B, 37, Wagle Ind. Estate,
Thane 400604.First Party

V/s.

Their workman

Shri Ladkya Chintaman Matera,
At & Post : Kasa, Tal. Dahanu,
Thane-401 607.

....Second Party

APPEARANCE:

For the Employer : Shri A.B. Anchan, Advocate

For the Workman : Shri V.J. Amberkar, Advocate

Date of reserving the Award : 23-4-2010

Date of passing the Award : 04-6-2010

AWARD

The matrix of the facts as culled out from the proceedings are as under :

1. The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L- 12012/43/2005-IR (B-II) dated 18th July, 2005 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Bank of Maharashtra, Thane Region office, in terminating the services of Shri Ladkya Chintaman Matera, PTS, on 13-03-2003 is proper, legal and justified? If not, what relief the workman is entitled to?”

2. Claim Statement is filed by the 2nd Party concerned workman at Exhibit 6 stating and contending that, he worked with 1st Party at Charoti Naka Kasa Branch, Post : Kasa, Taluka Dahanu, District Thane, with effect from 1-8-2000. According to him he worked continuously with 1st Party Branch. He states that, though he worked continuously, though by various letters artificial break was shown in his employment between 1-8-2000 to 12-3-2003, he worked continuously. According to him though he worked during the above period continuously artificial breaks were shown. He states that, he worked for more than 240 days and acquired permanency still he was terminated without following due process of law. According to 2nd Party he ought to have been continued in the employment of the 1st Party Branch, however, he was not considered. So he pray to direct 1st Party to reinstate him with benefits of back wages and continuity of service as he is its permanent employee.

3. This is disputed by the 1st Party by filing Written Statement at Exhibit 7 stating and contending that, the 2nd Party was never appointed on permanent basis. It is stated that, he was appointed as a casual worker. It is admitted that, he worked during the above period but worked with break. It is denied that, artificial break was shown in the employment of the 2nd Party. It is stated that, he was over age when he was interviewed on 10-12-2002. It is stated

that, before that no recruitment process was adopted by the Head Office of the 1st Party. According to 1st Party the age of the candidate to recruit should be between 18 and 28 years for General Category and there was relaxation of 5 years in the case of SC/ST candidates. It is stated that, the concerned workman was of SC category but he was more than 33 years when last interview was conducted on 10-12-2002. It is stated that, he is not qualified to be appointed. It is stated that, when he was not appointed on permanent basis and he worked purely on temporary basis he cannot claim permanency and pray for reinstatement.

4. Rejoinder is filed by the 2nd Party at Exhibit 9 stating and contending that, the stand taken by the 1st Party is not admitted to him and pray to reinstate him with benefit of back wages and continuity of service.

5. In view of the above Issues are framed at Exhibit 16 which I answer as follows :

| ISSUES | FINDINGS |
|--|--------------------------------|
| 1. Does second party prove that, he worked more than 240 days? | No |
| 2. Is he entitled to claim permanency? | No |
| 3. Is workman entitled for reinstatement? | No |
| 4. What order? | As per the order passed below. |

REASONS :**ISSUES NOS. 1 TO 3 :**

6. By these proceedings 2nd Party pray to reinstate him with benefit of back wages and continuity of service stating and contending that, he worked continuously for more than 240 days from 1-8-2000 to 12-3-2003. According to him artificial break was shown but he worked continuously. According to him he is a qualified person. His services were terminated without following due process of law. It is denied by the 1st Party stating and contending that 2nd Party is not qualified. It is stated that, he was over age when last interview was conducted on 10-12-2002. It is denied that, he is a qualified person to continue in the employment of the 1st Party.

7. To prove that, 2nd Party placed reliance on his affidavit filed in lieu of his examination-in-chief, at Exhibit 18 where he narrated above story of his employment as stated in the Claims Statement. In the cross he states that, appointment letter was issued to him for a particular period. He admits that, last appointment letter was dated 23-1-2002 for 50 days. He admits that, he never worked for 240 days continuously. He admit that, each appointment was on contract basis. He admits his date of birth is 10-6-1969. He admits that, interview was taken on 10-12-2002 and he was over age at that time. He admit that, at that time he was six

months' over age. On that, he closed his evidence and filed closing purshis at Exhibit 20. Against that, 1st Party led evidence by filing affidavit of Mukund Narayan Joshi, in lieu of his examination-in-chief, at Exhibit 21, where claim of the 2nd Party is denied making out the case that, he was over age and cannot be reinstated. In the cross he admit that, he is deposing on the basis of the record. He admit the correspondence issued to the concerned workman produced from Serial Nos. 1 to 5, 14-16 Exhibit 10, pages 6-7 of Exhibit 11 as well as pages 1 to 5 and 14-16 of Exhibit 10 in. He admit that, 2nd Party was recruited through Employment Exchange still he was not considered for permanency since he was over age. On that 1st Party closed its evidence and filed closing purshis at Exhibit 23.

8. Written arguments are filed by the 2nd Party at Exhibit 24 and the same are replied by 1st Party by filing its written arguments at Exhibit 26.

9. Perused those and the evidence referred above. Here 2nd Party admit that, he did not work for 240 days continuously. Even he admit that, he was appointed on contract basis. He admit that, he was not considered because he was over age.

10. When qualifications like age, education etc. required for recruitment and it is not there with him. In this premises question arises whether he can be exempted from all these tests.

11. Here 2nd Party claims that, he must be reinstated since he worked from 2000 to 2003, more precisely from 1-8-2000 to 12-3-2003. At the same time documents produced by the bank with Exhibit 7 reveals that, various appointment letters were given to him during that period. Even 2nd Party admit those. The documents at Serial Nos. 9 to 19 of Exhibit 7 reveals that, various appointment letters were issued without interviews just to break period which means that, he was not appointed by following due process and he did not work continuously for 240 days in a year to claim permanency.

12. Besides when he was not taken on permanent basis and when he worked on contract basis, in my considered view, such an employee cannot be regularized unless and until he comes through proper channel and passes required tests which are made applicable to other employees and if some exemptions or some concession is given to such type of employees, which will affect on others, who are in the queue of recruit. Moreover ratio laid down by various courts including in the case of Umadevi v/s Karnataka State does not permit such type of employee to claim permanency.

13. In view of the discussions made above and considering all these appointments of the concerned workman with the 1st Party, and the nature of work and nature of his appointments, I conclude that, the concerned workman is not entitled for reinstatement as prayed. So I answer the above Issues accordingly and pass the following order :

ORDER

Reference is rejected
with no order as its costs.

A. A. LAD, Presiding Officer

Mumbai,
4th June, 2010

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1843.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय -2, मुम्बई के पंचाट पार्ट-I (संदर्भ संख्या 92 ऑफ 2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-06-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/42/2005-आई आर(बी-II)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S. O. 1843.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award Part-I (Ref. No.92 of 2005) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court-2, Mumbai now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workman, which was received by the Central Government on 29-06-2010.

[No. L-12012/42/2005-IR(B-II)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT

A.A. LAD

PRESIDING OFFICER

Reference No. CGIT-2/92 of 2005

Employers in relation to the management of Bank of
Maharashtra

The Dy. General Manager,
Bank of Maharashtra, Regional Office,
Mahabank Bhawan, B-37, Wagle Ind. Estate,
Thane 400604 ... First Party
V/s.

Their workmen
Shri S.J. Kamdi,
C/o Sukarya Jaru Kamdi,
Latish Gothengnar, Taluka Shahpur,
P.O. Khutgher, District Thane ... Second Party

APPEARANCE:

For the Employer : Shri A.B. Anchan, Advocate

For the Workman : Shri V.J. Amberkar, Advocate

Date of reserving the Award : 23-4-2010

Date of passing the Award : 2-6-2010

AWARD- PART I

The matrix of the facts as called out from the proceedings are as under :

1. The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L- 12012/42/2005-IR (B-II) dated 18th July, 2005 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Bank of Maharashtra, Thane Region in discharging the services of Shri S.J. Kamdi, Ex-Sub-staff, Shahpur Branch, Bank of Maharashtra vide order dated 16-11-1995 is just, proper and proportionate? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. Claim Statement is filed by the 2nd Party concerned workman at Exhibit 6 stating and contending that, he is the employee of the 1st Party. He contends that there is one account holder by name Jogale having Savings Bank Account No. 4889. According to 2nd Party said Jogale is his friend. He contends that, he introduced Jogale to open the Account with the Branch of the 1st Party and on his recommendation Jogale became account holder of the said Branch. He contends that, Jogale is his childhood friend as well as neighbour. It is alleged that, he was having good relations with said Jogale. He states that, as and when said Jogale was in need of money he was taking services of the 2nd Party and asking 2nd Party to withdraw or deposit the amount from his account. He contends that, even Jogale was asking 2nd Party to withdraw and deposit the amount in his account by signing necessary withdrawal or pay-in-slips.

3. He contends that, Bank charge sheeted him alleging that, he forged signatures of Jogale and fraudulently withdrawn the amount from the S.B. Account No. 4889 and thus deprived the Bank as well as Jogale and that, he committed misconduct. After issuing charge sheet enquiry was conducted. According to 2nd Party there was no evidence before the Enquiry Officer to conclude that, the charges levelled against him are proved against him. It is stated that, even Jogale did not complaint with Bank nor he was examined by the Bank to prove the charges levelled against the concerned workman. On the contrary 2nd Party examined Jogale as his defence witness who admitted signature of the various withdrawal slips and denied the signature. It is stated that, enquiry officer unnecessarily

referred the withdrawal slips to the hand writing expert and relied on the report of the hand writing expert. It is stated that, when Jogale had no complaint and when he did not complained with any point of time against the concerned workman either with the Bank nor with any authority it is stated that, Bank unnecessarily prosecuted the concerned workman, held enquiry and took action with the help of the Enquiry Officer who purposely supported Bank just to oblige the Bank. So it is prayed that, the finding given by the Enquiry Officer be declared as perverse and action taken by the 1st Party on the basis of the said findings be quashed and set aside with directions to 1st Party to reinstate him with benefits of back wages and continuity of service.

4. This is disputed by the 1st Party by filing Written Statement at Exhibit 7 stating and contending that, the enquiry was conducted against the concerned workman by issuing charge sheet and it is stated that, there was ample evidence against the concerned workman. It is alleged that, the concerned workman forged the signature of account holder, deprived the Bank as well as said Jogale. It is stated that, hand writing expert opined about signature referred for his opinion in which hand writing expert observed that, said signature was not of Jogale and was forged one. It is stated that, since Enquiry Officer was having evidence, the finding given by him holding concerned workman guilty of the charges levelled against him is just and proper and it is stated that, relying on the said finding action taken by 1st Party is just and proper and does not require any interference. It is stated that, since there was ample evidence before the Enquiry Officer it is prayed that, the enquiry be declared just and proper and finding not perverse.

5. Rejoinder is filed by 2nd Party at Exhibit 9 denying the stand taken by 1st Party and requesting to consider his prayer.

6. In support of his case 2nd Party filed his affidavit at Exhibit 17 in lieu of his examination-in-chief denying the stand taken by the 1st Party in the written statement and requesting to accept his case.

7. In view of the above Issues were framed at Exhibit 5. Out of those Issues Nos. 1 and 2 were treated as preliminary issues which I answer as follows :

| ISSUES | FINDINGS |
|--------------------------------|----------|
| 1. Is enquiry fair and proper? | Yes |
| 2. Is findings perverse? | Yes |

REASONS:**ISSUES NOS. 1&2 :**

8. As far as Enquiry is concerned 2nd Party admit that, the enquiry was fair and proper. Even 2nd Party is happy with the procedure followed by the Enquiry Officer

in conducting the enquiry. Even 2nd Party is happy with the documents produced by the 1st Party. He admit that, documents produced were supplied to him. Even he admit that, charge sheet was served on him. He admit that, he attended enquiry. He admit that, he was represented by his representative Ashok Gore. He admit that, witnesses examined by Bank were made available for his cross. He admit that, opportunity was given to him to lead evidence in support of his defence. Even he admit that, he was permitted to defend his case. As far as enquiry is concerned there is no much quarrel about fairness of the enquiry. So relying on the admissions given by the concerned workman about the enquiry I conclude that, enquiry is fair and proper.

9. There is dispute about the finding of the Enquiry Officer. 2nd Party contends that, finding is perverse. Whereas 1st Party contends that, finding is not perverse.

10. Admittedly concerned customer Jogale who is the account holder of the 1st Party against whom it is alleged by the 1st Party that, the 2nd Party forged his signature. As far as point of forging of signature is concerned by the concerned workman there is evidence of the hand writing expert. However, Jogale who is account holder of the Account No. 4889 is not examined by the Bank. Even it is admitted position that, he did not lodge any complaint with the Bank or anywhere. It is alleged that, said Jogale orally complained. However, no proof is produced by the Bank to show that, there was such a complaint filed by Jogale about the act of the 2nd Party of withdrawing the amount from his account. Even 1st Party examined its witness, Sr. Manager, Mukund Narayan Joshi, at Exhibit 20 who, in the cross, admit number of things. He admit that, there was no written complaint against 2nd Party made by the concerned customer. Even he admit that, no Police complaint was filed. He admit that, Jogale was not examined as witness of the Bank. Even he admit that, Jogale was examined as defence witness of concerned workman who admitted in evidence whenever he was in need of money he was asking the 2nd Party to withdraw the amount and was issuing signed withdrawals slips and giving it to the 2nd Party, the concerned workman to withdraw the amount from his account. Even said witness admit that, concerned workman is his neighbour. Even he admit that, the withdrawal slips and his signature on all those withdrawal slips. When that is the situation and when there is no complaint of the Jogale about the amount withdrawn and by the concerned workman from his account, in my considered view, no business was with the Bank to proceed against the concerned workman and prosecute him on the charge of misconduct under Clause 19(5)(j) of the Bipartite Settlement, 1966.

11. If we peruse the enquiry proceedings and findings of the Enquiry Officer we find that, there was no evidence before the Enquiry Officer to conclude that, the concerned

workman has forged the signature of the concerned account holder Jogale and committed misconduct as alleged. Even there was no complaint of Jogale about his signature fabricated by the concerned workman, except evidence of handwriting expert there was no evidence of any type against the concerned workman with the Bank. Concerned workman deposited the amount which was given to him by Jogale. Even Jogale admit that, he handed over the amount to the concerned workman to deposit it in his account when he heard about the prosecution initiated against the concerned workman.

12. However, when enquiry is fair and proper but finding appears perverse as Enquiry Officer does not have any evidence to hold the concerned workman guilty of the charges leveled against him.

13. In view of the above discussions I conclude that, the enquiry was fair and proper but finding perverse. So I answer the above Issues accordingly and pass the following order:

ORDER

- a. I observe enquiry is fair and proper.
I also observe finding is perverse;
- b. I direct 1st Party to justify its action to termination.

Mumbai,
2nd June, 2010

A. A. LAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2010

का. आ. 1844.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 अगस्त, 2010 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय -4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा-(1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध महाराष्ट्र राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :

“जिला नागपुर के बूटीबोरी ग्राम पंचायत के महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामण्डल का औद्योगिक क्षेत्र (एम.आई.डी.सी) व जिला व तालुका नागपुर के राजस्व ग्राम रेंगापार, बोरी तथा नागपुर जिला के हिंगणा तालुका की ग्राम पंचायत व राजस्व सीमा के ऐसे क्षेत्र जिन में इस अधिनियम के संदर्भित उपलब्ध पहले से ही लागू हैं, के साथ-साथ, गांव तुरकमारी, सुकली, किन्ही, बीडगणेशवपूर, उमरी, आमगाव, वटेघाट, टेंभरी, पोही, किरमिटी, भारकस, सालईदाभा, गंगापुर, खापा, मांडवा, टाकलघाट में आने वाले क्षेत्र।”

[सं. एस-38013/23/2010-एस.एस. I]

एस.डी. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 2nd July, 2010

S. O. 1844.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees State

Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st August, 2010 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter-V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Maharashtra namely :-

"The areas comprising of Maharashtra Industrial Development corporation, Industrial area, Butiborigram Panchayats and revenue limits of Villages of Rengapur, Bori in Taluka and District Nagpur and Gram Panchayat and revenue limits of Villages of Turakmari, Sukali, Kinhi, Bidganeshpur, Umari, Amgaon, Vateghat, Tembhari, Pahi, Kirmiti, Bharkas, Salaidabha, Gangapur, Khapa, Mandwa, and Takalghat in Taluka Hingna, District Nagpur in Addition to the areas in which the said Provisions of the Act have already been brought into force".

[No. S- 38013/23/2010-S.S.I]

S.D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 2010

का. आ. 1845.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 अगस्त, 2010 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय -4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :

"आन्ध्र प्रदेश राज्य के वरंगल जिले के भूपालपल्ली मण्डल के, भूपालपल्ली, जंगेडु, कासिमपल्ली, कोपेल्ली, कुंदूरुपल्ली एवं पोल्लुरामय्यपल्ली राजस्व गांव में स्थित सभी क्षेत्र तथा घनपूर मण्डल के चेलपूर राजस्व गांव में स्थित सभी क्षेत्र"।

[सं. एस-38013/24/2010-एस.एस. I]

एस.डी. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 5th July, 2010

S. O. 1845.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st August, 2010 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter-V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh, namely :-

"All the areas falling in the revenue Villages of Bhupalpally, Jangedu, Kasimpally, Kompelli, Kundurupally, and Polluramaiahpally in Bhupalpally Mandal and Chelpur in Ghanpur Mandal in Warangal District of Andhra Pradesh."

[No. S-38013/24/2010-S.S.I]

S.D. XAVIER, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का. आ. 1846.—भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3 (ii) में 20 मार्च, 2010 को प्रकाशित सां. आ. संख्या 766 में केन्द्र सरकार की संदर्भ संख्या उस पर प्रकाशित अनुबंध से ठीक पहले एल-22012/39/2008-आईआर (सीएम-II) का बजाय एल-22012/63/2008-आईआर (सीएम-II) पढ़ी जाए।

[फा.सं. एल-22012/63/2008-आईआर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th July, 2010

S. O. 1846.—In S.O. No. 766 published in Part II section 3(ii) of Gazette of India dated 20th March 2010, the Central Government reference number may be read as L-22012/63/2008-IR (CM-II) instead of L-22012/39/2008-IR (CM-II) just before the Annexure published thereat.

[F.No. L-22012/63/2008-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer